Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

पायनियर

Established 1865
रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित
www.dailypioneer.com

RNI NO. CHHHIN/2016/70655
वर्ष-09, अंक-312
रायपुर, शुक्रवार 04 जुलाई 2025
पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 3.00

क्विक न्यूज

हमने सच्चे राष्ट्र सेवक, संवेदनशील प्रशासक और एक महान व्यक्ति को खो दिया है : रमेन डेका

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल शेखर दत्त के निधन पर राजभवन में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि हमने सच्चे राष्ट्रसेवक, संवेदनशील प्रशासक और एक महान व्यक्ति को खो दिया है। पूर्व राज्यपाल शेखर दत्त के निधन पर राजभवन में शोक सभा का आयोजन किया गया। राज्यपाल रमेन डेका ने स्व. दत्त के छायाचित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की। राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने मृतात्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया।

स्वास्थ्य मंत्री के सुझाव पर छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी कॉउन्सिल ने फीस वृद्धि का निर्णय लिया वापस

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के द्वारा 8 मई को आयोजित आम सभा में नए पंजीयन एवं नवीनीकरण सहित अन्य फीस को बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। इस निर्णय को 1 जून से लागू कर दिया गया था। फीस वृद्धि के बाद राज्य के विभिन्न फार्मासिस्ट संगठन तथा दवा व्यापारी संगठनों ने फीस वृद्धि पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी युवाओं और व्यापारी वर्ग के हितों का ध्यान रखते हुए फीस वृद्धि को लेकर काउंसिल के सदस्यों को सुझाव दिया था।

बस्तर में बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

जगदलपुर। बस्तर संभाग में पिछले पांच दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया एवं रेल सेवा बाधित हुई है। हालांकि कहीं से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। अधिकारिक जानकारी के अनुसार इंद्रावती, गोदावरी, संकनी-डंकनी तथा शबरी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ते जा रहा है। बस्तर जिले के इंद्रावती और छोटे नदी-नाले उफान पर है और आवागमन अवरूद्ध है। कई स्थानों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट चुका है। भेजरीपदर स्थित इंद्रावती नदी का पानी नदीबोरना गांव के चारों तरफ से घिर चुका है जिला प्रशासन नगरनार में अस्थाई शिविर बनाया गया है।

विकासशील देशों को साथ लेकर चले बिना दुनिया में प्रगति नहीं हो सकती : मोदी

पायनियर संवाददाता ∢ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदलती परिस्थितियों में वैश्विक शासन में विश्वसनीय और प्रभावी सुधारों की जरूरत पर बल देते हुए हुए कहा है कि विकासशील देशों को साथ लेकर चले बिना दुनिया में प्रगति नहीं हो सकती। मोदी ने घाना की संसद को संबोधित करते हुए कहा, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है, प्रौद्योगिकी में क्रांति, ग्लोबल साउथ का उदय और बदलती जनसांख्यिकी इसकी गति और पैमाने में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों में वैश्विक शासन में विश्वसनीय और प्रभावी सुधारों की आवश्यकता है और विकासशील देशों को साथ लिए बिना प्रगति नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और घाना के बीच ऐतिहासिक संबंध स्वतंत्रता के साझा संघर्षों, लोकतंत्र और समावेशी विकास के लिए साझा प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि भारत और घाना के इतिहास में औपनिवेशिक शासन के निशान हैं लेकिन हमारी आत्मा हमेशा स्वतंत्र और निडर रही है। उन्होंने कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में, मैं अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। सच्चा लोकतंत्र चर्चा और बहस को बढ़ावा देता है। यह लोगों को एकजुट करता है, सम्मान और मानवाधिकारों को बढ़ावा देता है। मोदी ने कहा कि भारत के लिए लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं है बल्कि हमारे मौलिक मूल्यों का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि मजबूत भारत एक अधिक स्थिर और समृद्ध दुनिया में योगदान देगा। उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा और घाना के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें दिये गये राष्ट्रीय सम्मान को स्थायी मित्रता का प्रतीक बताया। महान घानाई नेता - डॉ. क्वामे नक्रूमा के योगदान का हवाला देते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि एकता, शांति और न्याय के आदर्श मजबूत तथा स्थायी साझेदारी की नींव हैं।

दिल्ली में आज से छह जुलाई तक होगी आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक

एजेंसी ∢ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय राजधानी में आज से 6 जुलाई तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत प्रचारकों की बैठक होगी, जिसमें संगठनात्मक चर्चा के साथ संघ के सभी 46 प्रांतों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने केशव कुंज में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इस बैठक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में देशभर से 233 कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि संघ की संगठन रचना में कुल 11 क्षेत्र एवं 46 प्रांत बनाए गये हैं। बैठक में संगठनात्मक चर्चा के अलावा सभी 46 प्रांतों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। इसके अलावा सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, सी आर मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त, आलोक कुमार, अतुल लिमये सहित सभी अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुख, सह प्रमुख एवं कार्यकारिणी के सदस्य भाग लेंगे। आंबेकर बताया कि संघ का प्रशिक्षण वर्ग पूरा करके जुलाई में सब एकत्रित होते हैं। अब तक 100 वर्गों का आयोजन हो चुका है। इसमें 40 वर्ष से कम उम्र के 75 वर्ग थे और 40-60 वर्ष के लोगों के लिए 25 वर्ग आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व निर्माण की दृष्टि से ये वर्ग काफ़ी महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जैसे संघ से जुड़े 32 संगठनों के संगठन मंत्री भी हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि इस साल संघ का शताब्दी वर्ष है, इसलिए शताब्दी वर्ष की योजना के बारे में चर्चा होगी।

सीएम विष्णु देव साय ने की इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि विकसित भारत 2047 के साथ विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के लक्ष्यों को पूर्ण करने एवं सहज, सरल, त्वरित और पारदर्शिता के साथ सुचारू शासन की दिशा में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की गहन समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों, विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा संभागों में नए मोबाइल टॉवर लगाने तथा फाइबर नेटवर्क लाइन बिछाने जैसे कार्यों में तेजी लाई जाए। आने वाले समय में राज्य में समय सीमा के भीतर चरणबद्ध रूप से 5,000 से अधिक मोबाइल टॉवर लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ई-डिस्ट्रिक्ट 2.0 के माध्यम से वर्तमान में विभिन्न विभागों की 85 ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार करते हुए 250 अन्य ऑफ़्लाइन सेवाओं को भी ऑनलाइन सेवाओं में तब्दील किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि योजनाओं का लाभ लोगों को घर बैठे ही ऑनलाइन प्राप्त होगा, तो इससे समय की बचत होगी तथा कार्यालय आने-जाने में होने वाला खर्च भी कम होगा। इसके साथ ही टीयर-थ्री के अनुरूप स्टेट डाटा सेंटर को अपग्रेड करने की भी बात कही गई। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में प्रदेश में विभाग द्वारा संचालित प्रमुख परियोजनाओं– अटल मॉनिटरिंग पोर्टल, नियद नेल्लानार एवं एलडब्ल्युई सैचुरेशन डैशबोर्ड, भारतनेट फेस-2, छत्तीसगढ़ स्टेट डाटा सेंटर, आधार एनरोलमेंट इन-हाउस मॉडल, ई-डिस्ट्रिक्ट 2.0, सीजी स्वान, ई-प्रोक्योरमेंट तथा कैपेसिटी बिल्डिंग सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान प्रमुख सचिव निहारिका बारिक ने विगत सवा साल में विभाग द्वारा अर्जित महत्वपूर्ण उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विगत 4 वर्षों से लंबित डाटा सेंटर के अपग्रेडेशन की निविदा प्रक्रिया पूर्ण की गई, खनिज 2.0 पोर्टल का गो लाइव किया गया, वाई-फाई मंत्रालय योजना तथा ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल सफलतापूर्वक शुरू हुए।

जल, जंगल, जमीन एवं खनिज संपदा अडानी को सौंपने की होड़ लगी है : भूपेश

पायनियर संवाददाता ∢ रायगढ़
www.dailypioneer.com

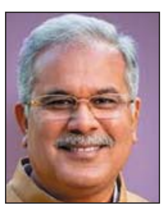

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 20 से अधिक विधायकों और कांग्रेसजनों के साथ रायगढ़ के तमनार पहुंचकर जंगल की अधाधुंध कटाई का निरीक्षण किया तथा पुलिस बर्बरता के शिकार ग्रामीणों से मुलाकात किया तथा ग्रामीणों के आंदोलनो का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जल, जंगल, जमीन एवं खनिज संपदा को अडानी को सौंपने की होड़ लगी है। भाजपा सरकार बंदूक की नोक पर जंगल कटवा रही है। ग्राम सभा की अनुमति के बगैर पेड़ काट कर उत्खनन शुरू किया जा रहा है। विरोध कर रहे आदिवासियों का कहना है उनके ऊपर अत्याचार किया जा रहा। यह सरकार आदिवासियों के अधिकारों को दबा कर एक निजी उद्योगपति अडानी को कोल माइंस सौपना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व के दबाव में राज्य के कोल उत्खनन की बंदरबांट शुरू हो गयी है। भाजपा सरकार अडानी के हितों को सर्वधित करने के लिये राज्य के जल, जंगल, जमीन खनिज संपदा को अडानी को सौंपना शुरू कर दिया गया है। इसके पहले भाजपा की सरकार बनी हसदेव अरण्य क्षेत्र में वनों की अंधाधुंध कटाई शुरू की गयी थी। 50 हजार से अधिक पेड़ काटे जा चुके है। यहां पर कटाई के लिये आदेश और पर्यावरण स्वीकृत केंद्र की मोदी सरकार ने दिया था तब कांग्रेस सरकार ने इस स्वीकृति को राज्य के स्तर पर निरस्त कर दिया था। तथा केंद्र में भी इसे निरस्त करने के लिये पत्र लिखा था।

दंतेवाड़ा की बेटियों ने बढ़ाया प्रदेश का मान

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ग्रामीण और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को खेल, शिक्षा एवं रोजगार के अवसर प्रदान कर उनकी प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है।दंतेवाड़ा जिले की बेटियों नूपुर ठाकुर, छाया नाग और नेहल ठाकुर ने राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत कर राज्य का नाम रोशन किया है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के इन होनहार खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत और लगन से यह सिद्ध कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का गौरव बढ़ा सकें।

शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

स्थानीय निकायों में हर समस्या पर हो खुलकर चर्चा : बिरला

वार्ता ∢ मानेसर (हरियाणा)
www.dailypioneer.com

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि स्थानीय निकाय लोकतंत्र की मजबूती के लिए अहम है और इसमें जवाबदेही सुनिश्चित कर हर समस्या पर लोकसभा तथा विधानसभाओं की तरह व्यापक चर्चा होनी चाहिए। बिरला ने गुरुवार को यहां शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि जनता की उम्मीदें सीधे सदन की कार्यवाही से जुड़नी चाहिए ताकि नगरपालिकाओं में लिए गये निर्णय जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरें। उनका कहना था कि स्थानीय निकायों में जन प्रतिनिधि चुनकर आते हैं इसलिए इन बैठकों में सिर्फ हंगामा नहीं बल्कि जनता के मुद्दों पर गहन चर्चा होनी चाहिए और जनता के मुद्दों का समाधान व्यापक विचार विमर्श से निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की पद्धतियों को सरल और आकर्षक बनाने की जरूरत है और ऐसा होता है तो गाँव से शहर तक लोग लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े रहेंगे और जन प्रतिनिधि सभाओं में पारदर्शी तरीके से जनता की समस्याओं का विचार विमर्श के बाद निदान हो सकेगा। जनता के सवालों का जवाब और उनकी समस्याओं का समाधान स्थानीय निकायों में ही होना चाहिए, इसलिए निकायों की कार्यवाही का संचालन गरिमा के साथ किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि सभी स्थानीय निकायों में सदन को आदर्श तरीके से चलाने का प्रयास होना चाहिए और पारदर्शिता से स्थानीय चुनौतियों का समाधान किया जाना चाहिए। बिरला ने कहा कि स्थानीय निकायों की बैठक में अक्सर व्यवधानों की खबरें आती रहती हैं। स्थानीय निकायों की बैठकें हंगामें के कारण स्थगित होने और हंगामें के बीच ही बजट पारित किये जाने की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती हैं हैं। यह लोकतंत्र और जनता के हित में नहीं है इसलिए स्थानीय निकाय में जनता के मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए और हंगामें के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित नहीं होनी चाहिए। इससे लोगों का हक मारा जाता है और चुने हुए प्रतिनिधियों की प्रतिष्ठा को लेकर जनता के बीच गलत संदेश जाता है इसलिए स्थानीय निकाय सदस्यों का दायित्व है कि जनता की मांगों को सदन में रखकर उसे पूरा करें। उन्होंने कहा कि हंगामा लोकतंत्र की आदर्श परंपरा नहीं है। लोकसभा ने लोकतंत्र की इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सदन की कार्यवाही चलाते रहने का निर्णय लिया था और अब लोकसभा पहले की तरह हंगामे के कारण स्थगित नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि 16 और 17वीं लोकसभा में हंगामे के कारण बार बार सदन की कार्यवाही स्थगित हो जाती थी लेकिन लेकिन अब इसमें बड़ा बदलाव आया है और हंगामे के कारण सदन स्थगित नहीं किया जा रहा है। हंगामे के कारण संसद में व्यवधान कम हुआ है। इसी तरह से नगरपालिकाओं में भी सदन सुचारू रूप से चलने चाहिए।

अखिलेश की महत्वाकांक्षी जेपीएनआईसी परियोजना अब एलडीए के हवाले

पायनियर संवाददाता ◄ लखनऊ
www.dailypioneer.com

पिछले लंबे अरसे से राजनीतिक मुद्दे के तौर पर चर्चा पर रहे जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) परियोजना को लखनऊ विकास प्राधिकरण को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में जेपीएनआईसी को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंप दिया गया है। इसके साथ ही, परियोजना के संचालन के लिए गठित जेपीएनआईसी सोसाइटी को भंग कर दिया गया। सरकार ने इस परियोजना को पूरा करने, इसके रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी एलडीए को दी है। मंत्रिमंडल ने जेपीएनआईसी सोसाइटी को भंग करते हुए परियोजना को यथास्थिति एलडीए को हस्तांतरित करने का फैसला किया है। अब एलडीए न केवल इस केंद्र का संचालन करेगा, बल्कि इसके रखरखाव और पूर्ण करने की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाएगा। परियोजना को निजी सहभागिता के जरिए संचालित करने, प्रक्रिया और शर्तें तय करने, सोसाइटी की सदस्यता समाप्त करने और अन्य अनुषांगिक कार्यों के लिए एलडीए को पूर्ण रूप से अधिकृत किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुये पत्रकारों को बताया कि जेपीएनआईसी परियोजना के लिए शासन द्वारा अब तक अवमुक्त 821.74 करोड़ रुपये की धनराशि को एलडीए के पक्ष में स्थानांतरित ऋण माना जाएगा। एलडीए को इस राशि को आगामी 30 वर्षों में चुकाना होगा। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि परियोजना के संचालन और रखरखाव के लिए वित्तीय बोझ को व्यवस्थित तरीके से संभाला जाए, साथ ही परियोजना जनता के लिए उपलब्ध हो सके। जेपीएनआईसी परियोजना के तहत लखनऊ में एक आधुनिक और विश्वस्तरीय केंद्र विकसित किया जा रहा है। इसमें राज्य स्तर का ऑडिटोरियम, कन्वेंशन सेंटर,

विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कोर्ट की सुविधा होगी। इसके अलावा, 750 चार पहिया वाहनों की मल्टी-लेवल पार्किंग की व्यवस्था भी उपलब्ध होगी। ये सुविधाएं जनमानस के लिए खुली होंगी, जिससे लखनऊ के नागरिकों को एक आधुनिक और बहुउद्देश्यीय केंद्र का लाभ मिलेगा। उन्होने कहा कि जेपीएनआईसी, जिसे सपा सरकार ने 2013 में शुरू किया था, शुरू से ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रही। 2017 में योगी सरकार के सत्ता में आने के बाद परियोजना में अनियमितताओं की जांच शुरू हुई, जिसके चलते निर्माण कार्य रोक दिया गया। कैग की रिपोर्ट में बिना टेंडर के काम कराने और लागत में अनावश्यक वृद्धि जैसे गंभीर आरोप सामने आए थे। 860 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने के बावजूद परियोजना अधूरी रही, जिसे अब योगी सरकार एलडीए के माध्यम से पूरा करने की दिशा में कदम उठा रही है। एलडीए को परियोजना को निजी सहभागिता के जरिए संचालित करने का अधिकार दिया गया है। इसके तहत, रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरईएफ) और लीज या रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल के माध्यम से निजी एजेंसियों को शामिल किया जाएगा। इससे न केवल परियोजना के बचे हुए कार्य पूरे होंगे, बल्कि इसका रखरखाव और संचालन भी बिना अतिरिक्त सरकारी खर्च के सुनिश्चित होगा। यह मॉडल परियोजना को आत्मनिर्भर बनाने और जनता के लिए उपयोगी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पिछले आठ वर्षों से बंद पड़े इस केंद्र को अब एलडीए के नेतृत्व में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान की तर्ज पर संचालित किया जाएगा। यह केंद्र न केवल लखनऊ, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, खेल और सम्मेलन केंद्र के रूप में उभरेगा। सरकार का यह कदम सपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार से दागी इस परियोजना को नया जीवन देने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है।

केदारनाथ से लौट रहे 40 श्रद्धालु सोनप्रयाग स्लाइड जोन में फंसे

देहरादून। उत्तराखंड में केदारनाथ से लौट रहे 40 श्रद्धालु सोनप्रयाग स्लाइड क्षेत्र में फंसे गए जिन्हें राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) ने रास्ता बनाकर सुरक्षित निकाल लिया है। रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ धाम की तरफ जाने वाले सोनप्रयाग के पास बुधवार देर रात अचानक मलबा आने की वजह से केदारनाथ धाम से दर्शन कर लौट रहे 40 से श्रद्धालु फंस गए थे। सेनानायक, एसडीआरएफ, अर्पण यदुवंशी ने गुरुवार सुबह बताया कि केदारनाथ से दर्शन कर वापस आ रहे चालीस श्रद्धालु लैंड स्लाइड जोन में फंस गए। जिन्हें मौके पर तैनात एसडीआरएफ के जवानों ने रास्ता बनाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया है। उन्होंने बताया कि रास्ता पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है, जिसकी वजह से एसडीआरएफ लगातार धाम से आ रहे श्रद्धालुओं को सुरक्षित क्षेत्र में पहुंचा रही है।

ओडिशा को स्कूल ग्रेडिंग प्रणाली में पांचवा स्थान, नवीन पटनायक ने बधाई दी

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख एवं ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य के स्कूल ग्रेडिंग सिस्टम में राष्ट्रीय स्तर पर पांचवें स्थान पर रहने पर खुशी व्यक्त की। केंद्रीय सरकार द्वारा जारी प्रदर्शन ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई 2.0) रिपोर्ट के अनुसार, ओडिशा ने 595.6 अंक हासिल किए और शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए प्रचेष्टा-3 ग्रेड प्राप्त किया है।

बाढ़ की संभावित स्थिति से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग ने तैयारियां पूरी की

एजेंसी ◄ पटना
www.dailypioneer.com

बिहार में इस वर्ष बाढ़ की संभावित स्थिति से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विभिन्न नदियों पर अवस्थित अतिसंवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर बाढ़ आने से पूर्व कटाव निरोधक कार्य पूर्ण करा लिये गए हैं। बाढ़ अवधि के दौरान खतरनाक, अतिसंवेदनशील और संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में बाढ़ संघर्षात्मक सामग्रियों का भंडारण कर लिया गया है। विगत एक जून से आगामी 31 अक्टूबर तक राज्य के विभिन्न जिलों में चिन्हित किए गए अतिसंवेदनशील एव संवेदनशील स्थलों की विशेष निगरानी के इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए विभिन्न स्तर पर केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष और क्षेत्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। बाढ़ से बचाव के लिए राज्य की विभिन्न नदियों के कुल 394 स्थलों पर राज्य योजना, केन्द्र प्रायोजित एवं आपदा मद के तहत 1310.09 करोड़ रुपये की लागत से कटाव निरोधक कार्य पूरे हो चुके हैं। इनमें गंगा, कोशी, गंडक, बागमती, बूढ़ी गंडक, कमला बलान, महानंदा आदि नदी बेसिन शामिल हैं। बाढ़ के पूर्वानुमान के लिए पटना में बाढ़ प्रबंधन सुधार सहायक केंद्र के तहत गणितीय प्रतिमान केंद्र ने भी अपना काम शुरू कर दिया है। इस केन्द्र के द्वारा गंगा नदी के बक्सर से कहलगांव तक सात स्थलों सहित विभिन्न नदियों के कुल 42 स्थलों पर बाढ़ का पूर्वानुमान 72 घंटे पूर्व उपलब्ध हो सकेगा। जल संसाधन विभाग की ओर से खतरनाक और अतिसंवेदनशील स्थलों पर तटबंध एम्बुलेंस की तैनाती की गई है। जिसमें एक ट्रैक्टर पर पोर्टेबल जेनरेटर, हैलोजन लाइट, ईसी बैग, नायलन क्रेट, खाली जिओ बैग एवं फिल्टर मटेरियल के साथ कम से कम दस मजदूरों को तैनात किया गया है। बाढ़ प्रक्षेत्र के कुल 3808 किलोमीटर तटबंध की निगरानी के लिए प्रत्येक एक किलोमीटर पर एक तटबंध श्रमिक की तैनाती की गई है। तटबंधों पर निगरानी एवं चौकसी के लिए पदाधिकारियों एवं श्रमिकों के अस्थाई आवासन, शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था की गई है। बाढ़ के दौरान खतरनाक तटबंधों की सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय अभियंताओं को परामर्श देने के लिए अनुभवी व सेवानिवृत अभियंताओं की अध्यक्षता में कुल 11 बाढ़ सुरक्षा बलों का भी गठन किया गया है।

जौनपुर में नदी में बालक की डूबने से मौत

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के बदलापुर थाना क्षेत्र में एक हादसे में 12 वर्षीय बालक की गोमती नदी में नहाते समय डूबने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार जिले में बदलापुर थाना क्षेत्र के भेलूपुर गांव निवासी सत्तू निषाद का पुत्र प्रिंस निषाद (12) तीन दिन पहले अपने मौसा अशोक निषाद के घर कृष्णापुर आया था, वह अपने दोस्तों के साथ पास बह रही गोमती नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया, साथ में मौजूद बच्चों ने शोर मचाकर गांववालों को घटना की जानकारी दी। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद बच्चे को पानी से बाहर निकाला। गंभीर स्थिति में प्रिंस को बदलापुर स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सिंघार का आदिवासी युवक के साथ अमानवीय व्यवहार का आरोप, प्रशासन का इंकार

पायनियर संवाददाता ◄ भोपाल
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने छिंदवाड़ा जिले के एक आदिवासी युवक के साथ अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है। हालांकि प्रशासन ने इससे इंकार करते हुए बताया है कि मामले में फरियादी ने जो प्रकरण दर्ज कराया है, उसमें कहीं भी अमानवीय व्यवहार का कोई जिक्र नहीं किया गया है। सिंघार ने आज एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, "मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले के एक आदिवासी युवक राजकुमार बट्टी ने हर्रई क्षेत्र के ढाबा संचालक पर 29 जून की रात उसके साथ मारपीट करने तथा कथित रूप से मुँह में थूकने और पेशाब करने का आरोप लगाया। युवक के अनुसार वह ढाबे पर काम करता और अपने बकाया पैसे मांगने गया था। प्रदेश में हर रोज़ संगीन अपराधों के मामले सामने आ रहे हैं। सरकार को सख्त कदम उठाकर इन घटनाओं पर लगाम लगानी चाहिए। इसी क्रम में छिंदवाड़ा जिला प्रशासन ने इस संबंध में अमरवाड़ा एसडीएम से प्राप्त जानकारी के हवाले से सोशल मीडिया पर बताया कि राजकुमार बट्टी निवासी ग्राम तुईयापानी के साथ 29 जून को मारपीट हुई थी। उनके चचेरे भाई आफत बट्टी और भाई नवीन बट्टी राजा चौकसे के ढाबे में काम करते थे। पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद के बाद आफत और नवीन ढाबे से काम छोड़कर लौट आए थे। इसके कुछ देर बाद राजा चौकसे, गोलू मालवीय और अंकित कहार उनके घर पहुंचे और कहासुनी के बाद राजकुमार बट्टी के साथ मारपीट की। जब उन्होंने शोर मचाया तो भाई नवीन बट्टी और पत्नी जानकी बट्टी बीच-बचाव के लिए आए, जिनके साथ भी मारपीट की गई।

राजावत को हराकर किदांबी श्रीकांत कनाडा ओपन के दूसरे दौर में

एजेंसी ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

भारत के दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने पुरुष एकल मुकाबले में हमवतन प्रियांशु राजावत को हराकर कनाडा ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जगह बना ली। मार्खम पैन एम सेंटर में बुधवार को खेले गये मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में वर्तमान में 49वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत हमवतन प्रियांशु राजावत के खिलाफ शुरुआती गेम हार गए, लेकिन इसके बाद श्रीकांत ने वापसी करते हुए 53 मिनट तक चले मुकाबले को 18-21, 21-19, 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे राउंड में श्रीकांत का मुकाबला चीनी ताइपे के विश्व नंबर 71 पो-वेई वांग से होगा, जिन्होंने शुरुआती दौर में मलेशिया के जस्टिन होह को हराया है। इस बीच, पिछले हफ्ते अमेरिका ओपन में खिताब जीतने वाले दुनिया के 31वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवें वरीय आयुष शेट्टी को कैलगरी में निराशा हाथ लगी और उन्हें साथी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एस शंकर मुथुसामी ने शुरुआती राउंड में ही बाहर कर दिया। 57वें स्थान पर काबिज मुथुसामी ने 44 मिनट में 23-21, 21-12 के स्कोर से जीत हासिल की। अब अगले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के यू काई हुआंग से होगा। इस बीच महिला वर्ग में श्रीयांशी वलीशेट्टी एकमात्र भारतीय शटलर रहीं, जिन्होंने बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में महिला एकल में शुरुआती राउंड में जीत दर्ज की। दुनिया की 75वें नंबर की खिलाड़ी वलीशेट्टी ने सातवीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को 40 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 22-20 से हराया। वलीशेट्टी का अगला मुकाबला मलेशिया की करुपाथेवन लेत्शाना से होगा। वहीं, तान्या हेमनाथ और क्वालीफायर इरा शर्मा दोनों ही हारकर बाहर हो गई।हेमनाथ ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के खिलाड़ी शुओ युन सुंग को कड़ी टक्कर दी।

आज लगभग 94 हजार बच्चों को लैपटॉप खरीदने के लिए प्रोत्साहन राशि देंगे यादव

पायनियर संवाददाता ◄ भोपाल
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव कल 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाले प्रदेश के 94 हजार बच्चों को उनका पसंद का लैपटॉप खरीदने के लिए प्रोत्साहन राशि देंगे। इसके पहले डॉ यादव ने अपने बयान में कहा कि 4 जुलाई को हम प्रदेश में 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए प्रत्येक विद्यार्थी 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देंगे। बच्चों को उनकी पसंद का लैपटॉप खरीदने के लिए छूट भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना में सरकार की ओर से कुल 235 करोड़ 58 लाख की राशि लगने वाली है। सरकार प्रतिभावान बच्चों के साथ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की ध्येय प्राप्ति के लिए युवा फौज तैयार करना हमारा संकल्प है।

मीठे पेय पदार्थों, तंबाकू और शराब पर करों में कम से कम 50 प्रतिशत बढ़ोतरी हो : डब्ल्यूएचओ

एजेंसी ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मोटापा, कैंसर और मधुमेह के बढ़ते मामलों को देखते हुए वर्ष 2035 तक मीठे पेय पदार्थों तंबाकू, शराब और पर करों में कम से कम 50 प्रतिशत वृद्धि करने का आग्रह किया है। डब्ल्यूएचओ ने इन तीनों बीमारियों के उपचार पर आने भारी भरकम खर्च को देखते हुए कराधान संबंधी अपनी महत्वाकांक्षी 3 बाय 35 पहल का आज अनावरण किया। यह पहल लोगों को इन पदार्थों के सेवन से हतोत्साहित करने के लिए है ताकि इनकी कीमतों में बढ़ोत्तरी होने से लोग इन्हें खरीदने से परहेज करें। यह पहल गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) जैसे हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह के बढ़ते वैश्विक बोझ को देखते हुए की गई है। दुनिया भर में होने वाली सभी मौतों में से इन तीनों बीमारियों से 75 प्रतिशत से अधिक मौतें होती हैं। डब्ल्यूएचओ के सहायक महानिदेशक (स्वास्थ्य संवर्धन ,रोग निवारण और नियंत्रण) डॉ. जेरेमी फर्रार ने यहां एक बयान में कहा, स्वास्थ्य कर हमारे पास सबसे बेहतर उपायों में से एक है क्योंकि मीठे पेय पदार्थों, तंबाकू,शराब पर लगाए गए करों में बढ़ोत्तरी से स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रहे ऐसे उत्पादों की खपत कम हो जाती है। इससे न केवल राजस्व में बढ़ोत्तरी होती है बल्कि सरकार इस धनराशि का इस्तेमाल स्वास्थ्य देखभाल,शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा में कर सकती हैं। अब इस दिशा में गंभीर कार्रवाई करने का समय आ गया है क्योंकि गैर संचारी रोगों में बेतहाशा वृद्धि ने वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों पर भारी दबाव डाला है। बयान में कहा गया है कि इन हानिकारक उत्पादों पर अधिक कर लगाने की मांग से इनकी खपत पर नियंत्रण होने की उम्मीद है।

ओडिशा में सहायक अभियंता की आय से अधिक संपत्ति का खुलासा

एजेंसी ◄ भवनेश्वर
www.dailypioneer.com

ओडिशा सतर्कता विभाग ने बोलनगीर जिले के कांटाबांजी आरएंडबी डिवीजन के अंतर्गत टिटलागढ़ आरएंडबी सब-डिवीजन के सहायक कार्यकारी अभियंता (एईई) दिलेश्वर माझी की कथित आय से अधिक संपत्ति का पता लगाया है। इन आरोपों के बाद कि माझी ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की है ये छापेमारी की गयी। सतर्कता सूत्रों ने कहा कि संबलपुर, झारसुगुड़ा और बोलनगीर जिलों में छह स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गयी। बोलनगीर के विशेष न्यायाधीश (सतर्कता) द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर ये अभियान पांच पुलिस उपाधीक्षकों, आठ निरीक्षकों, दो सहायक उप-निरीक्षकों और अन्य सहायक कर्मचारियों के नेतृत्व में एक टीम द्वारा चलाया गया। छापेमारी के दौरान सतर्कता अधिकारियों को संबलपुर में एक दो मंजिला मकान, ब्रजराजनगर में एक और मकान तथा झारसुगुड़ा जिले के लाहंडाबुड़ में हाउसिंग बोर्ड के दो मकान की जानकारी मिली। इसके अलावा माझी और उनके परिवार के पास नौ महंगे भूखंड मिले। इनमें संबलपुर, ब्रजराजनगर और झारसुगुड़ा में एक-एक भूखंड और संबलपुर शहर के बाहरी इलाके में छह अन्य भूखंड शामिल हैं।

नीतीश ने गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का किया निरीक्षण

एजेंसी ◄ पटना
www.dailypioneer.com

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज राजधानी पटना में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क रहने तथा नदी किनारे के क्षेत्रों में सभी एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कुमार ने राजधानी पटना में दीघा घाट, कृष्णा घाट और गांधी घाट पर गंगा के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया और नदी के किनारे के क्षेत्रों का आकलन किया। उन्होंने संभावित बाढ़ को देखते हुए संवेदनशील तटबंधों और आसपास के निचले इलाकों का आकलन किया और संबंधित अधिकारियों को विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में जलस्तर पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। कुमार ने इस दौरान जेपी गंगा पथ पर चल रहे वृक्षारोपण और सौंदर्यीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को इसे समय पर और गुणवत्तापूर्ण पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने दीघा से सोनपुर तक जेपी सेतु के समानांतर बन रहे नए छह लेन के पुल के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए परियोजना की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी ली और इसके महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया पुल पटना और सारण संभाग के बीच आवागमन करने वाले लोगों के लिए यात्रा को काफी आसान बना देगा, जिससे उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच संपर्क बेहतर होगा। इससे महात्मा गांधी सेतु और जेपी सेतु पर यातायात का भार भी कम होगा।

पटेल 761 समरस ग्राम पंचायतों को 35 करोड़ रुपए ग्रांट करेंगे आवंटित

एजेंसी ◄ गांधीनगर
www.dailypioneer.com

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 761 समरस ग्राम पंचायतों को 35 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट आवंटित करेंगे। सरकारी सूत्रों ने बताया कि चार जुलाई को गांधीनगर में नवनिर्वाचित सरपंचों और सदस्यों के अभिवादन समारोह का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में अपराह्न तीन बजे आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में 4876 नवनिर्वाचित सरपंच तथा महिला समरस ग्राम पंचायतों के सदस्य शामिल होंगे। हाल ही में आयोजित हुए ग्राम पंचायत के चुनावों में 56 महिला समरस ग्राम पंचायतें घोषित की गयी हैं। इस कार्यक्रम में पटेल वर्चुअल तरीके से 761 समरस ग्राम पंचायतों को 35 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट आवंटित करेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वह समरस ग्राम पंचायतों को ग्रांट के आवंटन के अलावा पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) के तहत नौ थीमों में से प्रत्येक में पहले स्थान पर रहने वाली ग्राम पंचायतों के सरपंचों को प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। इतना ही नहीं, कार्यक्रम में योजनागत ग्रांट की घोषणा भी की जायेगी। प्रोत्साहक और विभिन्न योजनाओं की ग्रांट के अंतर्गत कुल 1236 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे और प्रेरक संबोधन देंगे। नौ थीमों के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली ग्राम पंचायतों की सूची गुजरात के विभिन्न जिलों में असाधारण प्रदर्शन करने के लिए कुछ ग्राम पंचायतों को पंचायत उन्नति सूचकांक के अंतर्गत नौ थीमों में से प्रत्येक में प्रथम स्थान दिया गया है। देवभूमि द्वारका जिले की कल्याणपुर तहसील के जवानपर गांव को 'गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका स्रोत वाली पंचायत' के रूप में चुना गया है।

04 July 2025 Pride Of Raipur

M A K AZAD COLLEGE OF PHARMACY RAIPUR
(Approved/ Affiliated-CSVTU-DTE-PCI)
SANTOSHI NAGAR MATHPURENA, RAIPUR (C.G.)
1 KM FROM RAIPUR BUS STAND
रायपुर शहर में स्थित एक मात्र कॉलेज
D.PHARMA
B.PHARMA
B.PHARMA (Lateral Entry) (2nd Yr. Direct Admission)
(THE ONLY COLLEGE IN RAIPUR CITY)
HOSTEL/SCHOLARSHIP FACILITY
www.makazadpharmacy.com
CONTACT FOR ADMISSION OR REGISTRATION
0771-4913335, 9425214413, 9329621221

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"EDUCATION MAKES FUTURE BETTER"
ADMISSION OPEN
SPECIAL DISCOUNT ON ADMISSION FEES
NURSERY TO 12TH
(Biology, Maths, Commerce)
Safe & Reliable Transport with Surveillance
Weekly Activity-Based Learning & Skill Development
Monthly Seminars & Interactive Discussions
Audio, Visual, and Play-Way Method of Teaching for Pre Nursery Pre-Primary Classes
Register Now at www.mesraipur.com
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.)
Contact : 0771-4000123, 93296-21221

होमलोन व मार्ईगेज लोन
10 लाख से 10 करोड़ तक
राष्ट्रीयकृत एवं प्रतिष्ठित बैंक द्वारा
होम लोन ब्याज दर मात्र 8.70%*
मार्ईगेज लोन ब्याज दर मात्र 9.50%*
SHRI SIDDHI VINAYAK FINACE
Near Samudayik Bhawan, Jorapara, Raipur
Mob.: 9329002356

ROYAL PUBLIC SCHOOL
In Pursuit of Excellence
Admission Open
For Play Group, Nursery, Pre-Primary, Classes 1st to 12th
(Maths, Bio, Com. Arts)
Audio, Visual, and Play-Way Method of Teaching for Pre-Primary Classes
Play, Learn and Grow... Together!
Chourasiya Coloney Near, Simran City Santoshi Nagar, Raipur
Call - 0771-4913336, 9589085558, 9329621221

हिप्नोसिस
पूर्व जन्म दर्शन
मानसिक अवसाद से मुक्ति
किसी भी प्रकार का तनाव
चिंता रिश्ते की समस्या
ऐसा लगता है कि कोई है साथ में पर वो सिर्फ डर है खुद का
भविष्य की चिंता
ऐसे सभी कारणों का निदान संभव है हिप्नोसिस के द्वारा
S. Nitin Astrology & Numerology Expert
www.snitinnumerological.com 7000074769

R.B.Plus TENSILE SHADE
WE PERSENT ONLY THE BEST CAR PARK SHADE WEATHER PROTECTION
Tensile + Membrane + Structure
R.B.Plus RAIPUR 81091 11313 86028 11220

जय श्री कृष्णा
अंकित बाउण्ड्रीवॉल
प्रीकास्ट
पोल फेंसिंग
अब आपके बेशकीमती प्लाट को सुरक्षित रखना हुआ आसान
प्रिकास्ट, ब्रिक्स बाउण्ड्रीवाल, डी.पी. सी पोल फेंसिंग करवाने हेतु संपर्क करें।
V.I.P. रोड रायपुर
98279-59655

Cartridge Refilling
Refilling @ Your Door Step
JB Mall, Lower Ground Floor, M.G. Road, Raipur (C.G.)
Callaway Print Your Imagination
9302787900, 9425211789

Waterproofing
With 3 to 10 Years Gurantee
DR. FIXIT WATERPROOFING EXPERT
Bathroom waterproofing
Terrace waterproofing
Terrace garden waterproofing
External wall waterproofing
आपके घर को रखें लिक प्रूफ
9301117779

विज्ञापन के लिये संपर्क करें : 9827146567, 9329846567

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक के फुंडरी में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ➤ बीजापुर
www.dailypioneer.com

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बीजापुर जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान भैरमगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम फुंडरी में इंद्रावती नदी पर निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल का स्थल निरीक्षण किया। इस पुल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, किंतु अभी दो पिलर का कार्य शेष है। निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने निर्माण एजेंसी और संबंधित विभागीय अधिकारियों से अब तक की प्रगति, निर्माण में हुई देरी के कारणों और आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि कार्य में विलंब अब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि यह पुल बीजापुर और नारायणपुर जिले के बीच आवागमन का एक महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु बनेगा और इसके पूर्ण होने से क्षेत्र के लाखों लोगों के जीवन में परिवर्तन आएगा। उन्होंने पुल निर्माण कार्य को जनसेवा से जुड़ी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर इसे एक निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किया जाना चाहिए।

फुंडरी पुल–विकास का प्रवेश द्वार : उपमुख्यमंत्री शर्मा

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह पुल केवल एक भौतिक संरचना नहीं, बल्कि बीजापुर और नारायणपुर जिले के हजारों ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा है। इस पुल के माध्यम से जहाँ आवागमन की सुविधा सुलभ होगी, वहीं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं जैसे राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, एवं सामाजिक सुरक्षा दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों तक तेज़ी से पहुँच पाएंगी। उन्होंने बताया कि पुल के बन जाने से बीजापुर और नारायणपुर के मध्य की दूरी में उल्लेखनीय कमी आएगी। इससे बीजापुर के ग्राम पंचायत बांगोली, बैल, ताकिलोड़, मर्रामेटा, इतामपारा सहित नारायणपुर के गांव डुंगा, थुरथली, रेखावाया,

समर्पण से होगा निर्माण संभव समयसीमा होगी अनिवार्य

उपमुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण कार्यों में समर्पण, तकनीकी दक्षता और सतत निगरानी की आवश्यकता होती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पुल निर्माण की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करें, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करें और कार्य स्थल पर श्रमिकों एवं तकनीकी कर्मचारियों की उपस्थिति बनाए रखें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यदि ठेकेदार या एजेंसी निर्माण कार्य को समयसीमा में पूर्ण करने में अक्षम पाई जाती है तो वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।निरीक्षण के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह, बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी., डीआईजी कमलोचन कश्यप, बीजापुर कलेक्टर संबित मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव, वनमंडलाधिकारी रंगानाथन रामाकृष्ण वाय, जिला पंचायत सीईओ हेमंत रमेश नंदनवार सहित सीआरपीएफ, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास का रोडमैप तैयार, सरकार प्रतिबद्ध

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की यह प्रतिबद्धता है कि बस्तर क्षेत्र के हर गांव, हर परिवार तक विकास की पहुँच हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर को नक्सल प्रभावित क्षेत्र की छवि से निकालकर समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त बस्तर के रूप में स्थापित करने का सपना जल्द ही साकार होगा। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे इस मिशन को निजी दायित्व की भावना से लें, क्योंकि बस्तर के विकास में की गई हर छोटी पहल यहां के भविष्य को रौशन करेगी।

कलेक्टर ने आदिवासी विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आदिवासी विकास विभाग के योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। साथ ही आश्रम और छात्रावास की स्थिति एवं छात्र-छात्राओं के परीक्षा परिणाम की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि आश्रम व छात्रावासों में बच्चों को बेहतर माहौल उपलब्ध कराएं, जिससे वे अच्छे से पढ़ाई कर सकें। उन्होंने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए समय-समय पर काउंसिलिंग की बात कही। कलेक्टर ने सभी भवनों में स्वच्छता बनाएं रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभिन्न भवनों के निर्माण कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित इंजीनियरों को गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया और कहा कि नवनिर्मित भवनों में छत से पानी टपकने या दरार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। बैठक में आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रगति की समीक्षा के साथ स्वच्छ तन-स्वच्छ मन अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच, नक्सल पुनर्वास नीति के तहत प्रकरणों के निराकरण पर और वन अधिकार पत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस अवसर पर सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग कृपेन्द्र तिवारी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक ली

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वच्छता और समुचित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी पंजीयन एवं नियमित जांच कराने पर जोर देते हुए कहा कि मातृ एवं शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए समयबद्ध जांच बहुत आवश्यक है। कलेक्टर ने सुकन्या समृद्धि योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बालिकाओं के अभिभावकों को योजना की जानकारी देकर खाता खोलने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण हेतु जनजागरूकता बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि विद्यालय छोड़ चुकी बालिकाओं की काउंसलिंग कर उन्हें पुनः शिक्षा से जोड़ने के प्रयास करें, विशेषकर 12वीं के बाद पढ़ाई छोड़ने वाली बालिकाओं को महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करें। इस संबंध में जागरूकता हेतु विभिन्न स्थानों में ग्राम चौपाल आयोजित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभागीय निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की और शौचालय और पेयजल सुविधाओं के कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा महतारी वंदन योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, नोनी सुरक्षा योजना, पोषण ट्रैकर, फेस कैप्चरिंग और जियो-फेंस एरिया जैसे विभागीय कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

नालसा द्वारा संचालित 'आशा' इकाई के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा संचालित योजना के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला कोण्डागांव का नालसा द्वारा संचालित जिला (आशा-जागरूकता, समर्थन, सहायता और कार्रवाई) मानक संचालन प्रक्रिया-बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर, 2025, में गठित समिति के सदस्यों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला/प्रशिक्षण जिला परिवार न्यायालय परिसर पर स्थित मध्यस्थता केन्द्र में रखा गया। कार्यशाला/प्रशिक्षण मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोण्डागांव रेशमा बैरागी पटेल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के सचिव गायत्री साय तथा उपस्थित नालसा द्वारा संचालित अभियान जिला 'साथी' इकाई गठित समिति के साथ कार्यशाला आयोजन हुआ। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर करना तथा बाल विवाह के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसके खिलाफ लड़ने के लिए सामुदायिक स्तर पर प्रयास करना रहा। प्रशिक्षण/कार्यशाला में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने बताया कि बाल विवाह अपराध को समाप्त करने के उद्देश्य से आशा यूनिट का गठन किया गया है। बाल विवाह जैसी सामाजिक प्रथा के विरूद्ध व्यापक जन-जागरूकता, समन्वित प्रयास तथा कानूनी प्रतिबद्धता को आवश्यक बताया। नालसा द्वारा जारी की गई मानक संचालन प्रक्रिया, बाल विवाह की रोकथाम के लिए एक प्रभावशाली करने तथा बाल विवाह को रोकने हेतु ग्रामणी व शहरी क्षेत्रों में आशा यूनिट द्वारा शिविर आयोजित करके आमजनों तक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर सचिव महोदया के द्वारा नालसा की आशा योजना एवं एसओपी प्रमुख बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में प्रशासनिक इकाई के द्वारा तहसील स्तर, एवं थाना क्षेत्रों में ग्राम कोटवार की बैठक कर गांवो में होने वाले बाल विवाह की सूचना ग्राम कोटवारों के माध्यम से सरपंच, पंच व ग्रामिणों, मितानीन तथा आंगनबाड़ी कार्यकताओं से पता करने तथा स्कुल, कॉलेजों व अन्य शिक्षा संस्थानों में छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के निवारण के संबंध विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर बाल विवाह को मुक्त करने के संबंध में चर्चा की गई।

कुआकोंडा में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का किया गया आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

कुआकोंडा कन्या शाला में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन बुधवार किया गया।जिसमें दंतेवाड़ा विधायक चैत राम अटामी,समाजसेवी जितेंद्र सिंह ,जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम, जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी, उपाध्यक्ष दीपिका भदोरिया, मंडल संयोजक, खंड शिक्षा अधिकारी, खंड स्त्रोत समन्वयक, मध्यान भोजन नोडल अधिकारी जनप्रतिनिधि शिक्षक गण समस्त संकुल समन्वयक एवं बच्चे उपस्थित थे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती के चित्र पटल पर पुष्प अर्पित की गई तत्पश्चात नव प्रवेशी बच्चों को माला एवं तिलक लगा मिठाई खिलाया गया एवं बैग गणवेश एवं पाठ्यपुस्तक वितरित किया गया।

विधायक चैतराम अटामी जी ने अपने उद्बोधन मे बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई एवं शिक्षा के महत्व को बताया गया शिक्षा के द्वारा हम अपनी मंजिल को कैसे हासिल कर सकते है यह बताया गया हर चीज चोरी हो सकती है किंतु ज्ञान कोई चोरी नहीं कर सकता बच्चों को बताया गया तत्पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

तराईबेड़ा में नया बिजली पोल लगाया गया ग्रामीणों को मिली राहत

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोण्डागांव जिले के बड़ेराजपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत हरवेल के आश्रित ग्राम तराईबेड़ा में बीते दिनों माध्यमिक शाला जाने वाले मार्ग पर पेड़ के डंगाल विद्युत तार के ऊपर टूट कर गिरने से क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसकी खबर पायनियर राष्ट्रीय अखबार में 01 जुलाई को ग्राम पीढ़ापाल और तराई बेड़ा में बिजली पोल से तार गिरा, बड़ी दुर्घटना होते होते बचाष् प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी। खबर का असर पड़ने के बाद और खबर प्रकाशित के दो दिन बाद बुधवार को विधुत कर्मचारियों के द्वारा नया विद्युत पोल लगाया गया। जिसमें किसी भी प्रकार से वाधित ना हो ग्रामीणों ने दैनिक भास्कर और विधुत विभाग के अधिकारियों का आभार जताया इस ग्राम से हरवेल पीढ़ापाल कुल्दाडिही, किबड़ा बालेंगा, तितरवंड गम्हरी पिटीसपाल धामनपुरी ग्राम प्राभावित हुए थे।

डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक आवेदन पत्र आमंत्रित

पायनियर संवाददाता ➤ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

राज्य शासन द्वारा डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए कृषकों से 31 जुलाई तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र उप संचालक कृषि जिला बस्तर जगदलपुर सहित विकासखण्ड स्तरीय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। साथ ही आवेदन पत्र विभागीय वेबसाईट https://agriportal.cg.nic.in/ से डाउनलोड भी किए जा सकते हैं। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे गए आवेदन पत्र कार्यालय उप संचालक कृषि जिला बस्तर जगदलपुर में कार्यालयीन दिवस पर जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 निर्धारित है। अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। उक्त पुरस्कार एवं आवेदन संबंधी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए कार्यालय उप संचालक कृषि अथवा विकासखण्ड स्तरीय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग

// भानुप्रतापपुर काष्ठागार (पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल) के ई-नीलाम का संक्षिप्त विवरण //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल अंतर्गत काष्ठागार भानुप्रतापपुर एवं बांसागार कराठी संग्रहित ईमारती काष्ठ/बल्ली/व्यापारिक बांस का निम्न दर्शाये गये स्थल में भण्डारीत है। जिसका निर्वतन ई-नीलाम तिथि 07.07.2025 को किया जावेगा तदानुरूप इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि घोष विक्रय में भाग लेवें।

नीलाम में प्रस्तावित मात्रा कम या अधिक हो सकती है। बोली लगाने से पूर्व कृपया वनोपज का निरीक्षण कर लेवें। घोष विक्रय की शर्तों एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में संबंधित वनमंडल से प्राप्त की जा सकती है।

वनमंडल का नाम	काष्ठागार का नाम	स्थान/नीलाम दिनांक व समय
पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल	काष्ठागार भानुप्रतापपुर	काष्ठागार भानुप्रतापपुर नीलाम दिनांक 07.07.2025 प्रातः 09:00 बजे से

-: अनुमानित मात्रा काष्ठ एवं बल्लियां :-

अ. क्र.	प्रजाति	नया वनापेज		अविक्रित वनोपज		योग	
		काष्ठ घ.मी.	बल्ली	काष्ठ घ.मी.	बल्ली	काष्ठ घ.मी.	बल्ली
1	सागौन	17	36	131	413	148	449
2	साल	0	0	69	0	69	0
3	बीजा	17	0	43	47	60	47
4	साजा	70	193	54	0	124	193
5	हल्दू/गुण्डी	0	28	55	0	55	28
6	सलिहा/मोदे	5	17	1	0	6	17
7	तिन्सा	7	0	0	0	7	0
8	धावड़ा	63	113	0	0	63	113
9	कर्रा	4	120	0	0	4	120
10	तेन्दू	80	0	16	0	96	0
11	अन्य	35	313	92	0	127	313
	योगः-	298	820	461	460	759	1280

नीलाम हेतु प्रस्तावित व्यापारिक बांसः-

क्र.	वनमण्डल	बांसागार भानुप्रतापपुर	नग	नो.टन
1	पूर्व वनमण्डल भानुप्रतापपुर	औद्योगिक बांसागार भानुप्रतापपुर (नया लॉट)	3314	50.086
		औद्योगिक बांसागार भानुप्रतापपुर (पुराना लॉट)	1700	24.000
		व्यापारिक बांसागार भानुप्रतापपुर (नया लॉट)	20680	61.634
		व्यापारिक बांसागार भानुप्रतापपुर (पुराना लॉट)	25520	71.303
		बांसागार अंतागढ़	नग	नो.टन
		औद्योगिक बांसागार अंतागढ़ (नया लॉट)	1242	19.989
		औद्योगिक बांसागार अंतागढ़ (पुराना लॉट)	394	4.972
		व्यापारिक बांसागार अंतागढ़ (नया लॉट)	4800	16.600

दूरभाष क्रमांक-पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल (07850-252223)

1. क्रेताओं को ई-नीलाम के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-नीलाम के पूर्व कय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी.ई-कार्मस पोर्टल में अपने आईडी से लॉगइन करके देख सकते है।
4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 40 सेंकड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

वनमंडलाधिकारी
पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल
भानुप्रतापपुर

G-252601926/6

ग्रामीणों ने विधायक से बेरिंग, आधार कार्ड, राशन कार्ड और गांव में अस्पताल खोलने की मांग की

विधायक मंडावी ने अतिसंवेदनशील हल्लूर गांव में मनाया शाला प्रवेशोत्सव और किया नवनिर्मित स्कूल भवन का लोकार्पण

पायनियर संवाददाता ➤ बीजापुर
www.dailypioneer.com

बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी गुरुवार को भैरमगढ़ ब्लॉक के अतिसंवेदनशील गांव हल्लूर पहुंचे वे हल्लूर गांव नदी और नाले पार कर पैदल चलकर पहुंचे हैं विधायक के हल्लूर गांव पहुंचने पर उत्साह और उमंग का अनूठा संगम देखने को मिला।गांव पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने गर्मजोशी से क्षेत्रीय विधायक विक्रम मंडावी का स्वागत सत्कार करते के उपरांत विधायक ने ग्रामीणों के साथ नवनिर्मित स्कूल भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया और शाला प्रवेशोत्सव के रंगारंग आयोजन में ग्रामीणों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हिस्सा लिया। इस अवसर पर स्कूल परिसर बच्चों की हंसी, अभिभावकों की उम्मीदों और ग्रामीणों के जोश से गूंज उठा, जिसने इस पल को अविस्मरणीय बना दिया। इस दौरान विधायक विक्रम मंडावी ने स्कूली बच्चों को कापी, किताब, पेन और स्कूल ड्रेस इत्यादि वितरित किया वहीं दूसरी ओर विधायक ने ग्रामीणों को छाता भी वितरित किए हैं। नवनिर्मित स्कूल भवन हल्लूर के बच्चों के लिए एक सुनहरा तोहफा है, जो अब तक बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पढ़ाई के लिए जूझ रहे थे। यह भवन न केवल बेहतर शैक्षिक माहौल प्रदान करेगा, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में एक नया युग शुरू करेगा। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने जोश भरे शब्दों में कहा, ÷शिक्षा वह ज्योति है, जो हमारे बच्चों को सशक्त बनाकर समाज और देश को प्रगति के शिखर तक ले जाती है। यह स्कूल भवन हल्लूर के लिए गर्व का प्रतीक है और बच्चों के सपनों को उड़ान देने का एक मजबूत मंच है। साथ ही विधायक विक्रम मण्डवी ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे सभी अपने अपने बच्चों को आनिवार्य रूप से स्कूल भेजे। विधायक का इस तरह अपने बीच पाना ग्रामीणों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं था। गर्मजोशी भरे स्वागत के बीच ग्रामीणों ने विकास से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा की और पेयजल हेतु बेरिंग, आधार कार्ड, राशन कार्ड, अस्पताल की मांग ग्रामीणों ने विधायक विक्रम से की है।इस आयोजन ने न केवल शिक्षा को बढ़ावा दिया, बल्कि गांव के समग्र विकास के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना

क्र. सं. 01 निविदा सूचना सं. : वरि.मं.सा. प्र. / द.पू.म.रे. रायपुर निविदा सं. 96255471
कार्य का नामः सप्लाई इंस्टॉलेशन एंड कमीशनिंग ऑफ़ सी एन सी सर्फेस व्हील लेथ ऑन टर्नकी बेसिस इन्क्लुडिंग कॉन्कोमिटेंट एक्सेसरीज कॉन्कोमिटेंट वर्क मेंटेनेंस टूल ऑप्शनल एक्सेसरीज एंड स्पेयर. कंसुमेबल प्रिवेंटिव मेंटेनेंस शेडुल ऍस पर अटैच्ड डॉक्यूमेंट एंड विनिंग अरेंजमेंट (बेस्ड ऑन कोफमाऊ स्पेसिफिकेशन नं. COFMOW/CNC SWL /BG/2021, Rev. 0) मात्रा 01 नं.
समाप्ति तिथि : 28/07/2025 10:30 बजे

क्र. सं. 02 निविदा सूचना सं. : वरि.मं.सा. प्र. / द.पू.म.रे. रायपुर निविदा सं. 96255349
कार्य का नामः सप्लाई ऑफ़ वेरियस साइज़ेस ऑफ़ बोल्ट एंड नट्स ऍस पर ड्रॉइंग विथ लेटेस्ट अल्टरेशन ऍस पर डिटेल्स गिवन इन ॲनेक्सचर-ए एंड ऍस पर आइआरएस स्पेसिफिकेशन ऍस मेन्शन इन द ड्रॉइंग ऑफ़ कनेक्टेड बोल्ट्स एंड नट्स विथ लेटेस्ट अल्ट्रेशन व्हेनेवर यूस्ड विल बी मीन द अल्टरेशन अप टू डेट ऑफ़ ऍक्चुअल ओपनिंग ऑफ़ टेंडर ।
मात्रा 16975 किलो ग्राम
समाप्ति तिथि : 31/07/2025 10:30 बजे

01- निविदा दस्तावेज वेबसाईटwww.ireps.gov.in उपलब्ध है और वही डॉउनलोड भी किया जा सकता है । 02- सभी बोलीदाताओं / निविदाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे जीएसटी का अनुपालनकर रहे है और जीएसटी कानून के अनुसार कर संरचना / दर उद्धृत करते है । 03- निविदा अनुबंध से सबंधित अन्य पुछताछ के लिए वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक कार्यालय रायपुर डी. आर.एम. काम्प्लेक्स नियर आर. व्ही. एच. कॉलोनी डब्ल्यू. आर.एस. रायपुर पिन 492008 मो.नं. 0771-2252258 / 975287770 से सम्पर्क करे

वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक
द.पू.म.रेलवे रायपुर

PR/R/SR.DMM/AAA/88

South East Central Railway @secrail

नियम विरूद्ध जमीन की बिक्री, आक्रोशित आदिवासी समाज पहुंचा कलेक्टोरेट

कलेक्टर ने दिया जांच का आश्वासन, भूमाफियाओं में हड़कंप

पायनियर संवाददाता ◀ धमतरी
www.dailypioneer.com

छग भू राजस्व संहिता अधिनियम के नियमों को बलाये ताक रखकर जिले के तत्कालीन कलेक्टर एवं राजस्व अधिकारियों ने आदिवासी समाज के सदस्यों की भूमियों को बिक्री किये जाने की अनुमति देने का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया जिसके चलते अब समाज ऐसे लोगों के समर्थन में लामबद्ध हो चुका है और उन्होंने पिछले दिनों कलेक्टर अबिनाश मिश्रा को इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए इसकी जांच की मांग की है। समाज की भावनाओं को और उनकी शिकायतों को लेकर पॉयनियर ने लगातार इस संबंध में शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है जिसका असर यह रहा कि इस खबर को प्रशासन ने भी संज्ञान में लिया है और नियम विरूद्ध जमीन खरीदी बिक्री की जांच का आश्वासन दिया है। अब देखना यह है कि आदिवासी समाज के इस गंभीर शिकायत पर छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जो स्वयं आदिवासी समाज के हैं, क्या रूख अपनाते हैं। कलेक्टर को सौंपे अपने ज्ञापन में आदिवासी समाज के नेताओं ने अध्यक्ष जीवराखन लाल मरई के नेतृत्व में एक ज्ञापन सौंपकर पिछले लंबे समय से आदिवासी समाज के सदस्यों की भूमियों को विक्रय किये जाने की अनुमति के पीछे चल रहे रैकेट का परदा फाश किया है। इन्होंने तत्कालीन अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे छग भू राजस्व संहिता का पालन न करते हुए समाज के ऐसे लोगों को भूमि विक्रय करने का अनुमति दिया है जिनके पास सिंचित 5 एकड़ एवं असिंचित 10 एकड़ जमीन है ही नहीं जिसके कारण समाज के वे सदस्य जिन्होंने जमीन दलालों को अपनी भूमि विक्रय किया है, वे अब जीविकोपार्जन के लिये रोजी, मजदूरी कर अपना गुजर बसर कर रहे हैं। उच्च पदों पर बैठे तत्कालीन अधिकारियों ने ऐसे ऐसे आदेश किये हैं जिसके तहत एक व्यक्ति का नाम चेतन नाग है। लेकिन खरीददार का नाम शासन बताया गया है। यह मामला विधानसभा में भी उठाया गया था जहां सूचना के अधिकार के तहत दूसरा ही नाम खरीददार में बताया गया है। इसी तरह तत्कालीन अधिकारी, पटवारियों ने मिलकर भोले भाले आदिवासी समाज के सदस्यों को भूमि विक्रय करने की अनुमति के पूर्व जो प्रक्रिया होती है, उसमें भी उन्होंने घालमेल किया है। इन्होंने स्थल निरीक्षण किये बिना और यह जानकारी लिये बिना कि उक्त सदस्य के खाते में कितनी भूमि आयेगी, इसका भी उल्लेख नहीं किया गया है। जिला आदिवासी समाज की ओर से सौंपे गये ज्ञापन में वैसे तो अनेक आरोप अधिकारियों पर लगाये गये हैं। इनमें से कुछ लोगों ने पॉयनियर संवाददाता को भी अपनी पीड़ा बताते हुए आदिवासी समाज के सदस्यों की भूमि को खरीदी बिक्री किये जाने पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने यह भी बताया था कि छग भू राजस्व संहिता के तहत जो कार्यवाही होनी चाहिये थी, जांच पड़ताल होनी चाहिये थी, उसका पालन नहीं किया गया है। इस कारण आदिवासी समाज के सदस्यों के पास कम भूमि बची है जिससे उनके परिवारों का जीवन यापन नहीं हो रहा है। इस जानकारी को पॉयनियर ने लगातार प्रकाशित कर शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया था। लेकिन कोई कार्यवाही नहीं होने की दशा में उक्त समाज उद्वेलित हो गया और उसने पिछले दिनों कलेक्टर को एक शिकायत देकर तत्कालीन अधिकारियों, पटवारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए आदिवासी समाज के सदस्यों की भूमि विक्रय करने का अधिकार नहीं दिये जाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि जो जमीनें समाज के सदस्यों की बिक्री की गई है, उनसे उक्त भूमियों को वापस दिलाया जाये। अन्यथा ऐसा न होने की दशा में समाज के लोग चरणबद्ध तरीके से शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन करेंगे। इस पर भी यदि शासन, प्रशासन ध्यान नहीं देता है तो वे उग्र आंदोलन करने के लिये बाध्य होंगे। बताया जाता है कि जमीन खरीदी, बिक्री करने के लिये जमीन दलाल, भूमाफिया ऐसे भोले भाले लोगों की पहचान करते हैं। उसके पश्चात उनसे संपर्क स्थापित करते हैं। भूमाफियाओं का दलाल उक्त आदिवासी समाज के सदस्य के घर जाकर उसे अपने मकड़जाल में फांसता है और उससे जमीन खरीदने की बात करता है। पैसे की लालच में ऐसे भोले भाले आदिवासी समाज के लोग उनके चक्रव्यूह में फंस जाते हैं और मजबूरीवश वे अपनी हामी भरते हैं। इसके बाद खेल शुरू होता है कि इकरारनामा करने के बाद उक्त आदिवासी समाज के सदस्य को आवेदन देने के लिये बाध्य किया जाता है और वह आवेदन कलेक्टर के कार्यालय में प्रस्तुत करता है जहां से जांच एसडीएम के माध्यम से तहसीलदार, पटवारी को प्रेषित की जाती है जिसमें यह देखा जाना जरूरी होता है कि विक्रेता के पास जमीन बिक्री करने के पश्चात 5 एकड़ भूमि सिंचित, 10 एकड़ भूमि असिंचित है कि नहीं किंतु पटवारी, आरआई द्वारा कुर्सी में बैठकर ही सारी स्थितियां आवेदन के अनुसार दर्शाकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं और यही प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय जाता है जहां दो-तीन पेशी के पश्चात उस पर आदेश किया जाता है। ऐसे अनेक प्रकरण पूर्व में आदेश के बाद दाखिल दफ्तर हो गये। अभी वर्तमान में भी आदिवासियों की जमीन, सामान्य वर्ग के लोगों द्वारा खरीदी किये जाने का आवेदन लंबित है जिसे लेकर आदिवासी समाज का कहना है कि जिले में वर्तमान में जितने भी प्रकरण नियम विरूद्ध दर्ज किये गये हैं, उन सभी को जांच कर खारिज किये जाने की मांग की है। उल्लेखनीय रहे कि जिले में आदिवासी समाज की भूमि को गैर आदिवासियों को शासन के निर्देशों के विपरीत जाकर अनुमति दिये जाने की खबर को लगातार पॉयनियर में प्रकाशित किया जाता रहा है। आदिवासी समाज ने समाजहित के लिये उठाये गये आवाज की सराहना करते हुए पॉयनियर की पूरी टीम को बधाई दी है। ज्ञापन देने वालों में जीवराखन मरई, विनोद नागवंशी, माधव सिंह ध्रुव, शिव नेताम, महेश रावटे, गोविन्द रावटे, चंद्रकला नेताम, ईश्वरी नेताम, जयपाल ठाकुर, ठाकुर राम नेताम, नेमसिंह नेताम, नारायण ध्रुव, खिलेंद्र पडोटी, हरिशंकर मरकाम, दिग्विजय सिंह ध्रुव, युवराज मरकाम, हेमंत ध्रुव समेत समाज के अनेक लोगों के नाम शामिल हैं।

पायनियर खबर का असर

मॉक पार्लियामेंट में जानकी गुप्ता को मिला प्रशस्ति पत्र

पायनियर संवाददाता ◀ धमतरी
www.dailypioneer.com

डॉ ममता साहू कार्यक्रम प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में 30 जून 2025 स्थान अग्रसेन कॉलेज पुरानी बस्ती रायपुर में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय संगठन के द्वारा निर्देशित मॉक संसद का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ सरोज पांडे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा एवं पूर्व राज्यसभा सांसद, अध्यक्षता किरण सिंह देव प्रदेश अध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़, सुनील सोनी विधायक दक्षिण विधानसभा, विशेष अतिथि संजय श्रीवास्तव प्रदेश महामंत्री भाजपा, शालिनी राजपूत प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा छत्तीसगढ़, मीनल चौबे प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा एवं महापौर रायपुर ने उपस्थित होकर सभा को संबोधित किया। अतिथियों के द्वारा सांसद का रोल प्ले कर रही जानकी गुप्ता को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम प्रभारी ममता साहू के नेतृत्व में लगभग 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्ता पक्ष से 22 प्रतिभागी थे। विपक्ष के 9 प्रतिभागी थे। एक लोकसभा अध्यक्ष, दो मार्शल, 2 सहायक थे। पक्ष और विपक्ष द्वारा आपातकाल के विषय पर प्रकाश डाला गया। जानकी गुप्ता ने बताया कि युवाओं में अद्भुत जोश और नेतृत्व क्षमता दिखाई दी। सभी के अंदर देश के लिए कुछ करने का जज्बा था। युवाओं में देश के प्रति समर्पण की भावना देखते ही बन रही थी। पक्ष और विपक्ष दोनों को अपने विचार रखने का मौका दिया गया। वाद विवाद देखने लायक था जिससे युवाओं में नेतृत्व के साथ तर्कशीलता को बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम में आमंत्रित करने और प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के लिए जानकी गुप्ता ने आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के सम्बन्ध में राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

पायनियर संवाददाता ◀ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक सोनी के मागदर्शन में मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक जिला निर्वाचन कार्यालय बलौदाबाजार में आयोजित किया गया। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों को मतदान केन्द्रों की सूची एवं मतदाता सूची में नाम जोड़ने, काटने, विलोपन करने स्थानांतरण करने संबंधी प्रपत्र 06, 07, 08 की प्रति भी प्रदान की गई साथ ही मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में प्रस्ताव तथा नया मतदान केन्द्र, स्थल, भवन परिवर्तन, अनुभाग परिवर्तन आदि के संबंध में जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर के निर्देशानुसार मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण 01 जुलाई से 30 अगस्त 2025 तक किया जाना है। आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम दूरी एवं अधिकतम मतदाता संख्या आदि मापदण्डों के अनुरूप मतदान केन्द्रों को स्थापित करने एवं मतदान केन्द्रों के विसंकुलन लिए युक्तियुक्तकरण किया जाना है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार शेट्टे, राजनैतिक दल के प्रतिनिधि लखेश साहु, अविनाश मिश्रा, संजय श्रीवास, भुनेश्वर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम 2.0-रासेयो स्वयं सेवकों ने पौधे रोपकर लिए सुरक्षा की शपथ

पायनियर संवाददाता ◀ भंवरपुर
www.dailypioneer.com

कृषक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटसेंद्री में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्राचार्य साखीराम पटेल के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी सोमेश्वर प्रसाद नायक के नेतृत्व में पाटसेंद्री स्थित अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत स्वयंसेवकों द्वारा वृक्षारोपण किया गया तथा उसकी सुरक्षा की शपथ ली। प्राप्त जानकारी अनुसार वृक्षारोपण अभियान में विद्यालय के प्राचार्य , कार्यक्रम अधिकारी , शिक्षक सुशील सतपथी, लीलांबर पटेल, गुणसागर पटेल, कर्मचारी किशन बाघ, स्वयं सेवक गरिमा दास, नंदिनी साव , ओमिका साव,आरती साव ,सुहाना यादव ,पायल भोई,सारिका जूर्या , प्रेमा साव,गुंजन विश्वकर्मा ,नमन बरि हा युवराज पटेल, चूड़ामणि साव, भोलाशंकर डंडसेना,यामिनी साव , डालीम साहू, टिकेश्वरी साव,लीजा कुमारी पटेल, कुमकुम मानिकपुरी, जागिता दास, संजना निषाद, ज्योत्सना दास लीलावती बेहरा, दीप्ति प्रधान, वर्षा बेहरा रागिनी साहू ,चंद्रहास पटेल, टेकचद निषाद ,रूपेश धनपति सुजन बाग एवं चित्रसेन राणा उपस्थित थे, हॉस्टल में वृक्षारोपण के लिए प्रभारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

कुरूद नगर पंचायत को पालिका का दर्जा मिलने के लिए कुछ कदम दूर

पायनियर संवाददाता ◀ कुरूद
www.dailypioneer.com

कुरूद नगर पंचायत को पालिका का दर्जा मिलने के लिए कुछ कदम दूर है, हमारे विधायक मा. अजय चन्द्राकर के मंशानुरूप उनके मार्गदर्शन मे नगर पंचायत अध्यक्ष महोदया ज्योति चन्द्राकर द्वारा परिषद में पालिका बनाने के संकल्प पारित करने प्रस्ताव को हमारे पहली परिषद में सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लेकर पालिका बनाने के लिए हमारे नेतृत्व कर्ता विधायक मा. अजय चन्द्राकर के द्वारा शासन-प्रशासन को लगातार फलोअप करने के कारण इतने जल्दी से प्रकिया आगे बढ़ रहा है, बहुत जल्द ही शासन द्वारा अधिसूचना जारी कर जन प्रतिनिधियों के द्वारा अधिकृत घोषणा किया जायेगा, पश्चात नगरपालिका बनने के बाद नगर में सबके साथ चर्चा कर हमारे मार्गदर्शक मा. अजय चन्द्राकर एवं विभागीय मंत्री अरूण साव से समय लेकर आभार सभा का आयोजन भी करेंगे, तब तक के लिए आप सभी के स्नेह के लिए हार्दिक धन्यवाद, कुछ मित्रों द्वारा सोसल मिडिया में बधाई भी दिया जा रहा है आप सबको धन्यवाद, शासन के अधिकृत घोषणा के बाद ही बधाई संदेश या समाचार प्रकाशित करवायेंगे, कुरूद नगर पंचायत कुछ दिनों के शासकीय प्रकियाओं को पुरा करने के बाद पालिका कहलाएगा, हमारे विधायक मा. अजय चन्द्राकर अनुशंसा के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति चन्द्राकर के आग्रह पर मा. मुख्यमंत्री एवं मा. उपमुख्यमंत्री ने सहृदयता के साथ हमारे कुरूद नगरवासियों को पालिका का सौगात देने जा रहे है, हमारे नगर के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए निरंतर विकास की राह बनाने वाले विकासपुरूष मा. अजय चन्द्राकर को नगरवासियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करने आज रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय मे कुरूद के प्रथम नागरिक ज्योति चन्द्राकर एवं विधायक प्रतिनिधि भानु चन्द्राकर ने गुलदस्ता भेंट कर आभार व्यक्त किये है, उसी प्रकार शासकीय प्रकियाओ को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए हमारे धमतरी के कलेक्टर महोदय अविनाश मिश्रा का भी नगरवासियों की ओर नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति चन्द्राकर आभार व्यकत किये है ! आप सभी कुरूद वासियों को अग्रिम शुभकामनाएँ.. हमारे परिषद के साथियों, सहयोगियों, मिडिया और शासन-प्रशासन का हार्दिक आभार, भानु चन्द्राकर विधायक प्रतिनिधि कुरूद।

युक्तियुक्तकरण से मिडिल स्कूल पुरैना खपरी में दूर हुई शिक्षकों की कमी

तीन शिक्षकों की नियुक्ति से बच्चों व पालकों में खुशी

पायनियर संवाददाता ◀ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

युक्तियुक्तकरण से स्कूलों की तस्वीर बदलने लगी है। शिक्षकों की कमी से जूझ रहे स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ- साथ उनके माता पिता के माथे पर अब चिंता की लकीरें नहीं बल्कि चेहरे पर राहत की मुस्कान खिल रही है।इस क्रांतिकारी बदलाव के लिए बच्चों के साथ- साथ उनके अभिभावकों ने भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पुरैना खपरी स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में शिक्षा विभाग द्वारा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के तहत 3 शिक्षकों की पदस्थापना की गई है, जिससे विद्यालय के विद्यार्थियों को पढ़ाई में अब बेहतर सुविधा मिल रही है। विद्यालय में वर्तमान में कक्षा 6वीं एवं 7वीं का संचालन हो रहा है जिसमें कुल 66 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनमें कक्षा 6वीं में 34 तथा कक्षा 7वीं में 32 विद्यार्थी हैं। पूर्व में शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही थी, लेकिन अब नई व्यवस्था से शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार देखने को मिल रहा है। नवपदस्थ शिक्षकों में अनुपा मंडावी (सामाजिक विज्ञान) प्रभारी हेड मास्टर के रूप में शासकीय माध्यमिक शाला रवान से, हेमलता मिश्रा (हिंदी) शासकीय माध्यमिक शाला चंडी से तथा जयकलेत (विज्ञान) शासकीय माध्यमिक शाला माता देवालय, भाटापारा से प्रतिनियुक्त हुई हैं। इन शिक्षकों की उपस्थिति से अब विद्यार्थियों को विषयवार नियमित पढ़ाई मिल पा रही है।

वोमेन लीडरशिप डेवलपमेंट सेमिनार का हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता ◀ सरायपाली
www.dailypioneer.com

स्वर्गीय राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह गवर्नमेंट कॉलेज में , वोमेन लीडरशिप डेवलपमेंट सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय था – नेतृत्व की शक्ति, नारी के साथ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सदस्य -महिला आयोग छत्तीसगढ़ सरला कोशरिया उपस्थित रहीं ।विशिष्ठ अतिथि के रूप में विपिन उपवेजा , स्वर्ण सिंह सलूजा उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का शुभारंभ सरला कोसरिया प्राचार्य डॉ सन्ध्या भोई वह अन्य अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया । प्राचार्य डॉ भोई ने कहा कि यह संगोष्ठी महिलाओं को नेतृत्व के लिए तैयार करने और उन्हें सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का प्रयास है।कोसरिया ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि यदि महिलाएं नेतृत्व करें, तो समाज में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन निश्चित है। नारी केवल एक परिवार की धुरी नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और विश्व के निर्माण में सक्रिय भागीदार है। आज के बदलते परिवेश में नारी का व्यक्तित्व विकास न केवल उसकी आत्मनिर्भरता बल्कि सामाजिक समानता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने महिलाओं को नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा परिचर्चा की गई ङ्क जैसे कि महिला नेतृत्व की चुनौतियाँ, अध्यात्म, संस्कार, नैतिकता,अवसर, आत्मनिर्भरता, और समाज में महिलाओं की भूमिका। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के व्यक्तित्व पर चर्चा करते हुए कहा कि द्रौपदी मुर्मू भारत की 15वीं राष्ट्रपति और देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति हैं। वह साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुँची हैं ङ्क यह उनके साहस, संघर्ष, और समर्पण का प्रतीक है।द्रौपदी मुर्मू का जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण रहा है। उन्होंने हमेशा सादा जीवन और उच्च विचारों को अपनाया। भव्यता की बजाय वह जनता से सीधे जुड़ने में विश्वास रखती हैं। अंत में उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण केवल एक सामाजिक सुधार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है।उसके बाद महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण का कार्य किया गया। यह आयोजन ईको क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों और अतिथियो की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम में इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विभाग पीताम्बर बाघ द्वारा व आभार प्रदर्शन वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्राची गुप्ता के द्वारा किया गया ।

जिले में अब तक 163 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

पायनियर संवाददाता ◀ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिले में चालू मानसून के दौरान 1 जून से 26 जून 2025 तक 163 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सर्वाधिक वर्षा तहसील सुहेला में 234.9 एवं सबसे कम वर्षा कसडोल तहसील में 111.5 मिलीमीटर हुई है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार तहसील लवन में 138.2, सिमगा में 171.4, भाटापारा में 176.8,कसडोल में 111.5, पलारी में 167.6, टुंण्डरा में 144.5 एवं बलौदाबाजार में 144.6मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह कुल 1466.8 मिमी अभी तक दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 163मिमी है। 2 जुलाई 2025 को 33.2मिलीमीटर दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 3.7 मि.मी.है। जिले के तहसीलवार में टुण्डरा 9.5 मिलीमीटर,कसडोल11.6 मिलीमीटरर सोनाखान 8.3, लवन 3.8 मीमी ,सिमगा,सुहेला, बलौदाबाजार,पलारी एवं भाटापारा में शून्य मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क इकाई को सारंगढ़ स्थानांतरित करना जिले के साथ सौतेला व्यवहार

पायनियर संवाददाता ◀ महासमुंद
www.dailypioneer.com

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने शासन द्वारा जिला मुख्यालय स्थित मुख्यमंत्री ग्राम सड़क इकाई के दफ्तर को सारंगढ़ जिला स्थानांतरित किए जाने की कार्रवाई को महासमुंद जिले के साथ शासन का उपेक्षा पूर्ण सौतेला व्यवहार निरूपित किया है। चंद्राकर ने कहा कि एक तरफ जिले भर के ग्रामीण सड़कों की स्थिति बदतर स्थिति में होने की खबरे आए दिन सामने आ रहे हैं। वहीं, जिले में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क इकाई के लिए काम नहीं होने की बात कहकर यहां से इस कार्यालय को सारंगढ़ भेजा जा रहा है। चंद्राकर ने कहा कि उनके कार्यकाल में जिले के ग्रामीण सड़कों के निर्माण, जीर्णोद्धार कार्यों को गति प्रदान करने यह दफ्तर खुलवाया गया था। लेकिन, भाजपा के जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा व शासन के सौतेला व्यवहार से इस महत्वपूर्ण दफ्तर को यहां से हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वर्षा के मौसम ने कई सड़कों की हालत बिगाड़ दी है। कई ग्रामीण सड़कों में चलना मुश्किल हो गया है। भोरिंग से अछोला मार्ग की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। यही नहीं जिले के ग्रामीण क्षेत्र के सड़कों की हालत भी अत्यंत खराब है। इन सड़कों का नवनिर्माण अत्यंत आवश्यक हो गया है। जिसे मुख्यमंत्री ग्राम सड़क इकाई के अधीन कार्य होना था। लेकिन, सरकार द्वारा यहां काम नहीं है कहकर इस दफ्तर को स्थानांतरित किया जाना जिले के लोगों के साथ दोहरे व्यवहार को प्रदर्शित कर रहा है। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क इकाई का मुख्य कार्य मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण और उन्नयन करना है। इस योजना का उद्देश्य सभी गांवों को बारहमासी सड़कों से जोड़ना है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी और विकास को बढ़ावा मिले। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क इकाई, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना (एमएमजीएसवाई) के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है। इस योजना के तहत, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण, उन्नयन और रखरखाव किया जाता है, ताकि ग्रामीण इलाकों को मुख्य सड़कों से जोड़ा जा सके। एमएमजीएसवाई के तहत, ग्रामीण क्षेत्रों में नई सड़कों का निर्माण किया जाता है,। खासकर उन गांवों में जो अभी तक पक्की सड़कों से नहीं जुड़े हैं। मौजूदा ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने, उन्हें पक्का करने और उनकी गुणवत्ता में सुधार करने का काम भी इस इकाई द्वारा किया जाता है। सड़कों के साथ-साथ, ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक पुलों का निर्माण, सड़कों के निर्माण और उन्नयन के बाद, उनकी नियमित मरम्मत और रखरखाव का काम भी इस इकाई की जिम्मेदारी होती है। ऐसे में इस महत्वपूर्ण इकाई को यहां से हटाए जाना भाजपा सरकार के जिलेवासियों के साथ सौतेला व्यवहार को प्रदर्शित कर रहा है।

गंभीर कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण लेंगे गोद

आंगनबाड़ी में बच्चो की शतप्रतिशत उपस्थिति करे सुनिश्चित, आंगनबाड़ी केन्द्रों का करे नियमित निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ◄ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

जिले के गंभीर कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने जिला प्रशासन द्वारा बड़ी पहल की जा रही है। इसके अंतर्गत कुपोषित बच्चों को जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा गोद ली जायेगी। गोद लिए बच्चे को आंगनबाड़ी केन्द्रों में अतिरिक्त पोषण आहार एवं आवश्यक सामग्री प्रदान की जायेगी। साथ ही नियमित टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, वजन मापन एवं आवश्यक ईलाज भी प्राथमिकता से प्रदान किया जायेगा। इससे बच्चा कुपोषण से मुक्त होगा। साथ ही जिले के कुपोषण दर में भी कमी आयेगी। इसके लिए कलेक्टर बी.एस. उइके ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों एवं सुपरवाईजरों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने सभी परियोजना अधिकारी ने अपने क्षेत्र के गंभीर कुपोषित बच्चों का जानकारी प्रदान कर उन्हें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि

एवं जिला अधिकारी से मेपिंग करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने बैठक में विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें। बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों पर निर्धारित मेन्यू के अनुसार नाश्ता एवं गर्म भोजन भी उपलब्ध कराये। पोषण ट्रेकर के माध्यम से आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति की एण्ट्री करें। पूरक पोषण आहार कार्यक्रम अंतर्गत कुपोषित बच्चों को लाभान्वित करें तथा गर्भवती, शिशुवती एवं किशोरी बालिकाओं को भी पूरक पोषण आहार प्रदान करें। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी पर्यवेक्षकों को आंगनबाड़ी केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा वहां बच्चो के लिए उच्च गुणवत्ता के पोषण आहार वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। उन्होंने जिले में कुपोषण को दूर करने सक्रिय होकर कार्य करने के निर्देश दिये। साथ ही अधिक कुपोषण वाले जगहों में विशेष कैंप लगाकर पूरक पोषण आहार वितरित करने एवं नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिये। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बच्चो का स्वास्थ्य जांच भी नियमित रूप करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बाल विवाह एवं बहुविवाह जैसी कुरीतियों के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में जिला पंचायत सीईओ जी.आर. मरकाम, अपर कलेक्टर नवीन भगत, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अशोक पाण्डेय, डीएसपी सु निशा सिन्हा, सीडीपीओ सहित पर्यवेक्षकगण मौजूद रहे। कलेक्टर उइके ने बैठक में कहा कि बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर लक्ष्य निर्धारित कर कुपोषण की स्थिति में सुधार लाए। बैठक में आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन तथा कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की कार्यरत एवं शेष रिक्त पदों की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने कुपोषण मुक्त गांव के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वित करने के निर्देश दिये। शासन द्वारा पूरी तरह कुपोषण मुक्त पंचायत को एक लाख रूपये प्रोत्साहन के रूप में प्रदान किया जयेगा। इसके लिए विभिन्न मापदण्डों को पूर्ण करना होगा। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में पौष्टिक एवं उच्च गुणवत्ता के गर्म भोजन उपलब्धता के लिए आंगनबाड़ी सहायिकाओं को प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में जिले में स्वीकृत, संचालित, निर्माणाधीन, अपूर्ण एवं अप्रारंभ आंगनबाड़ी भवनों की भी जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों का राष्ट्रीय स्तरीय सम्मेलन

स्मार्ट सिटी गवर्नेंस' थीम पर आधारित होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता ◄ दुर्ग
www.dailypioneer.com

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों का एक राष्ट्रीय स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें नगरीय विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की जायगी। 2 जुलाई से 5 जुलाई तक पूरे भारत के सभी राज्यों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु महापौर अलका बाघमार ने अग्निशमन विभाग प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकार,राजस्व विभाग प्रभारी शेखर चंद्राकर, महिला बाल विकास प्रभारी शशि द्वारका साहू के साथ गुरुग्राम, हरियाणा के प्रवास पर रवाना हुई। राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रमुख थीमों पर आधारित शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों का सम्मेलन बता दे कि दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण गुरुग्राम, हरियाणा में आयोजित की जा रही हैं, इस राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर

के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों ने सहभागिता रहेगी।इस प्रशिक्षण में नगरीय शासन से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की जायगी। शहरी स्थानीय निकाय लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ हैं:सामान्य परिषद की बैठकों के संचालन हेतु आदर्श प्रथाओं और प्रक्रिया संहिता का विकास।

समावेशी वृद्धि और विकास के इंजन के रूप में शहरी स्थानीय निकाय: संवैधानिक अधिदेश को पूर्ण करने के लिए नगरपालिका प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाना। (3) 21वीं सदी के भारत के निर्माता के रूप में शहरी स्थानीय निकायः 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान।

महिला सशक्तिकरण के साधन के रूप में शहरी स्थानीय निकाय: समाज और राजनीति में नेतृत्व की भूमिका हेतु महिलाओं को सशक्त करना, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के केन्द्र के रूप में शहरी स्थानीय निकाय:नागरिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए नवाचारों को बढ़ावा देना।

निगम में संचालित वाहनों का संधारण कराने बैठक आयोजित

पायनियर संवाददाता ◄ भिलाई
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई के एमआईसी सदस्य लालचंद वर्मा के अध्यक्षता में वाहनों के रखरखाव के संबंध में सोमवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी जोन के जे.सी.बी., डम्पर, सेक्शन युनिट, जेटिंग मशीन रखरखाव कराने हेतु चर्चा की गई। वर्तमान में नगर निगम भिलाई में 32 गाड़ियां संचालित हो रही है, जिसे 15 से 25 वर्ष हो गया है। उन सभी गाड़ियों का संधारण कराने निर्देशित किया गया। जो वाहन ज्यादा ही पुराने हो गये है और संधारण की स्थिति में नहीं है, उसका नीलामी कर नये वाहन खरीदने का प्रस्ताव बनाने निर्देशित किया गया। 15वें वित्त आयोग से निगम के अधिकारियों के लिए ई वी वाहन खरीदने कहा

गया, इससे डीजल/पेट्रोल की भी बचत होगी। साथ ही निगम में जितने भी वाहन है, उन सभी में जीपीएस सिस्टम लगवाया जाना अनिवार्य है। इसके लिए एजेंसी नियुक्त करने की सहमति बनी है। बरसात में मच्छर की रोकथाम हेतु फागिंग मशीन को सभी वार्डो में निरंतर चलाने को कहा गया। फागिंग मशीन एवं स्वीपिंग मशीन को अगले सत्र में स्वास्थ्य विभाग से संचालित किये जाने की सहमति बनाई गई है। बैठक में सचिव वेशराम सिन्हा, उप अभियंता शशिकांत वर्मा, अर्पित बंजारे, सागर दुबे, पुनेश साहू, श्याम ठाकुर एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना : ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की नवोन्मेषी पहल

सौर उर्जा से रौशन हुआ जयपाल का घर

पायनियर संवाददाता ◄ दुर्ग
www.dailypioneer.com

आज के दौर में जब जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की कमी एक वैश्विक चिंता बन चुकी है, सतत् ऊर्जा का महत्व तेजी से बढ़ा है। ऐसे में सरकार के साथ-साथ आम नागरिकों को भी इसके प्रति जागरूक होना आवश्यक है। दुर्ग जिले के ग्राम धनोरा के निवासी ए. जयपाल ऐसे ही एक जागरूक नागरिक हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से इस दिशा में एक अनुकरणीय पहल की है। ए. जयपाल, उन दूरदर्शी नागरिकों में से एक हैं जो न सिर्फ अपने घर के खर्चों पर लगाम लगाना चाहते हैं, बल्कि देश के भविष्य के लिए भी सोचते हैं।

जयपाल जी बताते हैं कि देश में प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है, ऐसे में सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग समय की मांग है। इसी सोच के साथ उन्होंने ''प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' के तहत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का रूफटॉप सोलर पैनल लगवाने का फैसला किया और अपने घर को सौर ऊर्जा से रोशन करने की ओर कदम बढ़ाया। उनका मानना है कि यह सिर्फ बिजली के बिल कम करने का जरिया नहीं, बल्कि सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। जयपाल जी कहते है मुझे बताते हुए बेहद खुशी होती है कि सोलर पैनल लगने के बाद से काफी फायदा मिल रहा है, बारिश का मौसम होने के बावजूद बिजली की बचत में पर्याप्त लाभ मिल रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि मौसम साफहोने पर बिजली उत्पादन में वृद्धि होगी, जिससे बिजली का बिल और भी कम होगा या शायद पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। जयपाल जी ने केंद्र और राज्य शासन का ''प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' जैसी नवोन्मेषी पहल के लिए दिल से आभार जताया।

पाटन मुख्यालय से लगे गांव में नहीं है मुक्ति धाम शेड,वर्षा ऋतु में भी करते हैं खुले में अंतिम संस्कार

पायनियर संवाददाता ◄ पाटन
www.dailypioneer.com

जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत तरीघाट जो खारुन नदी के तट पर बसा है और पुरातात्विक ग्राम पंचायत तरीघाट के नाम से जाना जाता था जहां मृतक को अंतिम संस्कार के लिए उनके परिजनों को बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सभी पंचायतों एवं ग्राम में मृतक के अंतिम संस्कार के लिए शेड एवं प्रतीक्षालय का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर किया गया है। जिससे सभी मौसम में मृतक का अंतिम संस्कार किया जा सके। लेकिन ग्राम तरीघाट मुक्ति धाम में शेड नहीं है। पहले शेड का निर्माण किया गया था जिसे किसी कारण वस तोड़ दिया गया है।जिसे अब तक नहीं बनाया गया है। अब

बरसात के मौसम में या तो बरसात रुकने के इंतजार करना पड़ रहा है अथवा दूसरे ग्राम के मुक्तिधाम का सहारा लेना पड़ रहा है किसी के घर शोक होने पर बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही ग्राम पंचायत सचिव ज्ञानचंद चक्रधारी का कहना है कि मुक्तिधाम के शेड को तोड़ने ग्राम पंचायत में प्रस्ताव पारित नहीं हुआ था।पूर्व सरपंच ने अपने हिसाब से शेड जर्जर हो गया है करके तोड़वा दिया।और मुक्तिधाम में नए शेड निर्माण के लिए पंचायत में प्रस्ताव पारित कर पूर्व में जनपद पंचायत में स्वीकृति के लिए भेजा भी गया था।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 03 जुलाई को

पायनियर संवाददाता ◄ दुर्ग
www.dailypioneer.com

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद विजय बघेल की अध्यक्षता में 03 जुलाई 2025 को जिला पंचायत के सभाकक्ष में दोपहर 3.30 बजे आयोजित की गई है। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, दीनदयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल्य योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, सांसद आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, परम्परागत कृषि विकास योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी योजना, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान, अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना (सभी के लिए आवास-शहरी), स्वच्छ भारत मिशन शहरी, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, डेयरी विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, एकीकृत बाल विकास योजना, बाल संरक्षण एवं सुरक्षा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महिला संरक्षण एवं सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण 1.0, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण 2.0, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण-प्र.मं.पोषण (मध्यान्ह भोजन योजना), समग्र शिक्षा, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 2.0, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजना, सुगम्य भारत अभियान-एक्सेसिबिलिटी इंडिया अभियान प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, डिजीटल इंडिया-सार्वजनिक इंटरनेट एक्सेस कार्यक्रम- प्रत्येक ग्राम पंचायत सामान्य सेवा केन्द्र प्रदान करना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का कार्यान्वयन, ई-श्रम पोर्टल इत्यादि बिन्दुओं पर समीक्षा की जाएगी।

वर्षो से चक्कर लगा रहे नागरिकों को राहत, 18 से अधिक खसरा

पायनियर संवाददाता ◄ रिसाली
www.dailypioneer.com

रिसाली निगम क्षेत्र के अवधपुरी, सरस्वती कुंज समेत व्हीआईपी नगर में मकान बनाने का सपना अब पूरा होगा। महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता वाली महापौर परिषद की बैठक में विकास शुल्क का अनुमोदन कर दिया। विकास शुल्क जमा कर नागरिक विधिवत मकान निर्माण करने भवन अनुज्ञा ले सकते हे। दरअसल अवधपुरी और सरस्वती कुंज अवैध कालोनी श्रेणी में आता है। बसाहट के लिए बिना अनुमति जमीन की खरीदी बिक्री होने की वजह से मकान बनाने मे समस्या आ रही थी। नागरिकों को होने वाली असुविधा को देखते हुए निगम प्रशासन ने नियमों के तहत कुल 18 खसरों में विकास और समझौता शुल्क लेकर भवन अनुज्ञा और भवन पूर्णता देने का निर्णय लिया है। महापौर परिषद ने निर्धारित विकास शुल्क पर मुहर भी लगा दी है। परिषद की बैठक में एमआईसी जहीर अब्बास, संजू

नेताम, अनिल देशमुख, सनीर साहू, ममता यादव, रंजिता बेनुआ, जमुना ठाकुर, रोहित धनकर, आयुक्त मोनिका वर्मा, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

जाने कहा कितना विकास शुल्क–व्हीपी नगर रिसाली के खसरा 493पी, 496/1, 497पी, 498, 502पी, 603पी, 1038पी, 1039 पी पर 211.76 रू. प्रति वर्गफीट विकास शुल्क। इसी तरह सरस्वती कुंज पूर्व के 754 पर 216.09 रूपए, 645/1पी पर 224.36 रूपए, 222 पी पर 221.44 रूपए, सरस्वती कुंज पश्चिम के खसरा 274/2 पर 203.70 रूपए, सरस्वती कुंज पूर्व 684, 685 पर 217.65 रूपए, 257/81 पर 225.48 रूपए, 650, 656 पी पर 217.07 रूपए, 861 पर 200.70 रूपए, अवधपुरी रिसाली के खसरा 634, 635, 636, 676 पर 215.58 रूपए, सरस्वती कुंज रिसाली के खसरा 757, 797, 798 पर 206 रूपए और अवधपुरी रिसाली के खसरा 620, 621 पर 236.78 रूपए प्रति वर्गफीट विकास शुल्क निर्धारित है। पूर्व में बने मकान का नियमितीकरण-इन खसरों पर पूर्व में बने मकानों को नियमित किया जाएगा। मकान स्वामी विकास शुल्क के साथ भवन अनुज्ञा दर से समझौता शुल्क जमा कर अपना मकान नियमित करा सकते है।

वित्त लेखा एवं अंकेक्षण विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने ली समिति सदस्यों के साथ बैठक

जुलाई के 20 तारीख के भीतर कर्मियो का ग्रेच्युटी राशि का चेक सौंपा जाएगा

पायनियर संवाददाता ◄ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार के मार्गदर्शन में वित्त लेखा व अंकेक्षण विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने अपने एमआईसी भवन के कक्ष में विभाग समिति की बैठक में लेखा व अंकेक्षण विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने समिति के सदस्यों व अधिकारियों के साथ प्रभारी बंजारे ने उपादान की राशि की समीक्षा कर अधिकारियों से कहा की उपादान राशि को लेकर सूची का अवलोकन किये, उन्होंने सूची जांच करने के बाद अधिकारी से कहाँ सूची अंतर्गत जितने भी नाम दर्ज है सभी का जल्द उपादान की राशि किस्तों में भुगतान करें। साथ ही उन्होंने डिटिजल रिकार्ड हेतु भी कहा। उन्होंने बैठक में निगम समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि बजट से संबंधित अपना दस्तावेज लेखा/वित्त में जमा करे। समीक्षा बैठक

के मौके पर विजयंत पटेल, मनीष बघेल, संजय अग्रवाल, खालिक रिजवी , सावित्री देवी दमोहे, मनोज सोनी, साजन जोसेफ हिरोंदी नंदनिया, लेखाधिकारी रमाकांत शर्मा, योगेंद्र वर्मा सहित अन्य मौजुद रहे। लेखा व अंकेक्षण विभाग प्रभारी प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने बताया कि महापौर अल्का बाघमार सहित सभापति श्याम शर्मा के अलावा एमआईसी पार्षदो ओर अधिकारियों के बीच 80त्न कर्मियो का ग्रेच्युटी राशि का चेक सौंपा जाएगा।उन्होंने बताया इसी माह जुलाई के 20 तारीख के भीतर कर्मियो का ग्रेच्युटी राशि का चेक सौंपा जाएगा। बंजारे ने कहा ग्रेच्युटी का भुगतान उन कर्मियों का लंबित रह गया था,नियमित किए गए। इसमें दैनिक वेतन से नियमित होने के पीरियड की ग्रेच्युटी का भुगतान करने की जिम्मेदारी ली गई।ऊन्होने बताया कि लंबित भुगतान की राशि बढ़कर करीब 8 करोड़ पहुंच गई।लंबित ग्रेच्युटी भुगतान करने का निर्णय लिया। इसके लिए 300 पात्र कर्मचारियों की सूची जारी की। इन कर्मचारियों को 8 करोड़ से ज्यादा भुगतान का प्रावधान किया गया है।भुगतान की प्रक्रिया निरन्तर विभाग द्वारा कार्रवाही किया जा रहा है।

कृषकों ने ट्रांसफार्मर क्षमता बढ़ाने की मांग, सिंचाई कार्य हो रही बाधित, जनदर्शन में 110 आवेदन प्राप्त हुए

अवैध निर्माण और मुआवज़े की मांग लेकर ग्रामीण पहुंचे जनदर्शन

पायनियर संवाददाता ◄ दुर्ग
www.dailypioneer.com

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन के दौरान डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 110 आवेदन प्राप्त हुए। ग्राम बोड़ेगांव के कृषकों ने ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाने आवेदन दिया।

कृषकों ने बताया कि गांव में ननकट्ठी विद्युत मंडल के अंतर्गत 25 किलोवाट क्षमता का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, जो बढ़ते स्थायी और अस्थायी कनेक्शनों के कारण बार-बार खराब हो जाता है। इससे सिंचाई कार्य बाधित हो रहा है और किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने ट्रांसफार्मर की क्षमता 25 एचपी से बढ़ाकर 63 एचपी करने की मांग की है। इस संबंध में पूर्व में भी विद्युत विभाग को आवेदन दिया गया था, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। कलेक्टर ने इस पर विद्युत विभाग को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत खोपली के वार्ड क्रमांक 18 के निवासियों ने अवैध अतिक्रमण की शिकायत की। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति द्वारा गली पर अवैध निर्माण कर लिया गया है, जिससे गली की चौड़ाई 12 फीट से घटकर मात्र 3 फीट रह गई है। इसके चलते ट्रैक्टर और अन्य चार पहिया वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत द्वारा मना करने के बावजूद भी निर्माण कार्य किया गया, जिससे मोहल्लेवासियों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को मौके का निरीक्षण कर कार्यवाही करने को कहा। वहीं ग्राम मातरोडीह के किसानों ने शिकायत की कि पावर ग्रिड कंपनी द्वारा गांव में टावर और विद्युत तारों का विस्तार किया गया है, जिससे उनकी जमीन प्रभावित हुई है। इसके बावजूद अब तक उन्हें मुआवजे की राशि प्राप्त नहीं हुई है। किसानों ने मुआवजा राशि दिलाने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने एसडीओ दुर्ग को मामले की जांच कर प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाने हेतु उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सामान्य सभा की बैठक 09 जुलाई को

दुर्ग। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में 09 जुलाई को दोपहर 12 बजे आयोजित की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं शिक्षा विभाग सहित अन्य विषयों पर समीक्षा की जाएगी।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 04 जुलाई को निजी क्षेत्र के 235 पदों पर होगी भर्ती

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र मालवीय नगर चौक दुर्ग में 04 जुलाई 2025 को प्रातः 10.30 बजे से प्लेसमेंट केम्प का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में टेक्नोटॉस्क बिजनेस साल्यूशन के 200 पद एवं मुथूट माइक्रोफाईनेंस लिमिटेड के 35 पद, कुल 235 रिक्त पदों हेतु भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। उक्त सभी पदों हेतु वेतन 8000 से 20000 रूपए तक है, तथा 10वी, 12वी एवं कोई भी स्नातक शैक्षणिक योग्यताधारी आवेदक उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित हो सकतें है। विस्तृत जानकारी chhattisgarh rozgar app एवं सोशल मीडिया facebook.com/mccdurg अथवा रोजगार कार्यालय के सूचना पटल के माध्यम से प्राप्त कर सकते है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र से मिली जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण/अंकसूची, पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र/आधार कार्ड/पेनकार्ड/ड्रायविंग लाइसेंस / राशन कार्ड), रोजगार कार्यालय का पंजीयनपत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, समस्त दस्तावेजों की छायाप्रति के साथ प्लेसमेंट/रोजगार मेला में उपस्थित हो सकते हैं।

संपादकीय

चीन का प्रयास सार्क का विकल्प

चीन के प्रयास से सार्क के विकल्प का विचार जोर पकड़ रहा है। ऐसे में भारत को अपना क्षेत्रीय शक्ति का दर्जा बनाए रखने के प्रति सतर्क होना होगा। चीन लंबे समय से दक्षिण एशिया में अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रहा है क्योंकि यह क्षेत्र उसकी रणनीतिक व आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप है। अब उसने 'सार्क' की तरह दक्षिण एशियाई देशों का एक समूह बनाने का प्रयास शुरू किया है। हाल ही में कुनमिंग में चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक में दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग के भविष्य पर चर्चाओं को बल मिला। बताया जाता है कि ये तीन देश नए क्षेत्रीय संगठन के गठन पर विचार कर रहे हैं जो लंबे समय से गतिरोध का शिकार 'दक्षिण एशियाई सहयोग संगठन'-सार्क या दक्षेस का विकल्प होगा। हालांकि, बांग्लादेश ने आधिकारिक रूप से कुनमिंग बैठक के राजनीतिक प्रभावों पर ज्यादा जोर नहीं दिया है, पर इसका समय और संदर्भ ज्यादा महत्वाकांक्षी एजेंडे का संकेत करते हैं। 1985 में गठित सार्क में आठ दक्षिण एशियाई देश- अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। लेकिन पिछले दशक से यह संगठन लगभग निष्क्रिय पड़ा हुआ है। सार्क का अंतिम शिखर सम्मेलन काठमांडू में 2014 में हुआ था। इसके बाद से भारत-पाकिस्तान तनाव तथा व्यापक भू-राजनीतिक ध्रुवीकरणों के चलते सार्क ठंडे बस्ते में पड़ा रहा जिससे क्षेत्रीय राजनय में खाली स्थान पैदा हुआ। चीन ने लगातार 'बेल्ट एंड रोड इनीशियेटिव'-बीआरआई, ढांचागत निवेशों तथा रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से दक्षिण एशिया में अपना स्थान मजबूत किया है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे-सीपीईसी के माध्यम से पाकिस्तान से उसके संबंध मजबूत हुए हैं और इससे दोनों देशों ने भारत के प्रभुत्व का मुकाबला करने के लिए एक नया बहुपक्षीय मंच बनाने की दिशा में पहल की है। पाकिस्तान के लिए खासकर चीन को शामिल करने वाला यह नया समूह इस्लामाबाद का क्षेत्र में कुछ राजनयिक महत्व बहाल करने में सहायक हो सकता है।

लेकिन इसका गठन बहुत आसान नहीं है। बांग्लादेश द्वारा आधिकारिक रूप से गठबंधन बनाने का प्रयास खारिज करने का अर्थ उसका संवेदनशील संतुलनकारी दृष्टिकोण है। हालांकि, ढाका के चीन के साथ मजबूत आर्थिक संबंध हैं और पाकिस्तान से भी उसके ऐतिहासिक संबंध हैं, पर भारत से उसकी राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक नजदीकी को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। इसके साथ ही बांग्लादेश की किसी चीन-पाकिस्तान धुरी में शामिल होने की अनिच्छा संकेत करती है कि वह अपनी स्वायत्तता तथा रणनीतिक संतुलन को महत्व देता है। भारत के लिए प्रस्तावित समूह उसकी क्षेत्रीय प्रभुत्वशाली शक्ति को सीधी चुनौती है। बाहरी शक्ति-चीन द्वारा एजेंडा तय करने वाले किसी समानान्तर क्षेत्रीय समूह से दक्षिण एशिया में भारतीय प्रभुत्व को नुकसान पहुंच सकता है। यदि निवेश वादों से आकर्षित हो कर श्रीलंका, नेपाल और मालदीव जैसे देश इसमें शामिल होते हैं तो भारत का अपने पड़ोस में अलगाव बढ़ सकता है। लेकिन भारत का इस क्षेत्र में काफी आर्थिक प्रभाव, ऐतिहासिक संबंध तथा साफ्ट पावर है। इसके साथ ही चीन की कर्ज-जाल राजनय के विपरीत प्रभावों तथा अनेक देशों में अपनी संप्रभुता को लेकर पैदा चिन्ता का भी महत्व है। चीन के इस प्रयास को देखते हुए समय की आवश्यकता है कि भारत सार्क को पुनर्जीवित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए और इसके सदस्य देशों से द्विपक्षीय स्तर पर बातचीत करे। भारत को बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और मालदीव के सथ अपने आर्थिक व ढांचागत साझेदारी संबंधों को और मजबूत करना चाहिए। चीन की तुलना में भारत दक्षिण एशिया का नेतृत्व करने की बेहतर स्थिति में है क्योंकि दक्षिण एशिया में उसे ऐतिहासिक और भौगोलिक दृष्टिकोण से लाभ प्राप्त है। भले ही सार्क अनेक कारणों से निष्क्रिय या निष्प्रभावी हो गया हो, पर दक्षिण एशिया में एक क्षेत्रीय संगठन की आवश्यकता पहले की तुलना में अधिक महसूस की जा रही है। भारत को इस अवसर का लाभ उठाते हुए दक्षिण एशिया में अपने प्राकृतिक नेतृत्व की भूमिका पर पुनः जोर देना चाहिए।

भारत में जेंडर समानता

भारत में जेंडर समानता के लिए संघर्ष जारी है। शिक्षा, स्वास्थ्य व आर्थिक सहभागिता में सुधार के बावजूद कई क्षेत्रों खासकर राजनीतिक प्रतिनिधित्व में अंतर बना हुआ है।

हेमांगी सिन्हा   साक्षी चौधरी

वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की 'ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट, 2025' में भारत की स्थिति स्पष्ट की गई है। भारत में जेंडर समानता रेटिंग में सुधार हुआ है और यह 64.1 से बढ़ कर 64.4 प्रतिशत हो गया है, पर पूरी दुनिया के दृष्टिकोण से भारत की वैश्विक रेटिंग 148 देशों में 129 वें स्थान से थोड़ा गिर कर 131 वें स्थान पर आ गई है। हालांकि, सुधारों की गुणवत्ता तथा टिकाऊपन पर भी कुछ सवाल उठते हैं। क्या भारत जेंडर समानता की दिशा में आगे बढ़ रहा है अथवा यह सुधार अन्य क्षेत्रों से प्रभावित हो रहा है जहां विकास तुलनात्मक रूप से धीमा है। ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स जेंडर समानता को चार अलग-अलग क्षेत्रों में मापता है। इनमें राजनीतिक सशक्तीकरण, स्वास्थ्य एवं जीवन, शैक्षणिक उपलब्धियां तथा आर्थिक सहभागिता एवं अवसर शामिल हैं। इनमें से तीन श्रेणियों में भारत का स्कोर स्थिर बना हुआ है अथवा इसमें सुधार हुआ है। लेकिन इनमें कुल प्रदर्शन पर राजनीतिक सशक्तीकरण में कमी का काफी प्रभाव पड़ता है।

भारत ने अनेक क्षेत्रों में मापन योग्य प्रगति की है जिनमें आर्थिक सहभागिता एवं संभावना शामिल है। इनमें से एक क्षेत्र आमदनी में संभावित वृद्धि है जो 28.6 से बढ़ कर 29.9 प्रतिशत हो गई है। यह वृद्धि 0.9 प्रतिशत की है। भारत में परंपरागत रूप से जेंडर-आधारित आर्थिक असमानता को देखते हुए यह वृद्धि बहुत अधिक है। भारत में वर्तमान समय में महिलायें श्रमशक्ति में बेहतर सहभागिता कर रही हैं और उनको अब तक की सबसे अच्छी कीमत मिल रही है, उनकी सहभागिता 45.9 प्रतिशत है। इस स्थायित्व के बावजूद वाणिज्यिक उद्यमों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिनमें अनौपचारिकता, वेतन असमानता तथा सामाजिक गारंटी का अभाव शामिल है।

विकास के कुछ अन्य क्षेत्रों में काफी उपलब्धि प्राप्त हुई है। भारत की रेटिंग का विस्तार 97.1 प्रतिशत तक हुआ है जिससे साक्षरता मेंलगभग समानता तथा महिलाओं की तृतीयक स्तर की शिक्षा में बेहतर उपस्थिति शामिल है। सेकेंड्री स्तर पर दाखिले के आंकड़े और उत्साहवर्धक हैं तथा महिलाओं की सकल दाखिला दर ने लड़कों की दर को थोड़ा पीछे छोड़ दिया है। लेकिन इसके बावजूद शैक्षणिक उपलब्धियों तथा पेशेवर संभावनाओं में जेंडर गैप काफी है।

स्वास्थ्य एवं जीवन में भारत का समानता स्कोर सुधरा है जिसका कारण लंबे समय तक स्वस्थ जीवन प्रत्याशा तथा जन्म पर बेहतर लिंगानुपात है।

मातृ स्वास्थ्य पहलों के साथ ही 'आयुष्मान भारत' जैसे कार्यक्रमों ने पिछले दस साल में मातृ मृत्यु में 50 प्रतिशत तक कमी लाने में सफलता प्राप्त की है। लेकिन स्वास्थ्य, आर्थिक और शैक्षणिक आंकड़ों में सुधार के बावजूद राजनीतिक सशक्तीकरण में गिरावट से समग्र रूप से रैंकिंग गिरी है। कैबिनेट पदों पर महिलाओं की संख्या 6.5 प्रतिशत से घट कर 5.6 प्रतिशत रह गई है, जबकि संसद में उनका प्रतिनिधित्व 14.7 प्रतिशत से घट कर 13.8 प्रतिशत रह गया है। यह गिरावट एक दीर्घकालीन गिरावट के रूप में सामने आई है जिसकी शुरुआत 2023 में हुई थी। महिला आरक्षण कानून, 2023 में राज्य विधानसभाओं और संसद में एक तिहाई महिला आरक्षण की व्यवस्था की गई है। इसे देखते हुए महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण में कमी चिन्ता का विषय है। लेकिन राष्ट्रीय जनगणना तथा परिसीमन की वर्तमान समय में जारी प्रक्रियाओं को देखते हुए यह कानून 2029 के आम चुनाव के पहले लागू नहीं होगा। इस बीच बहुत कम राजनीतिक पार्टियों ने महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने का प्रयास किया है और वे संवैधानिक रूप से ऐसा करने के लिए बाध्य भी नहीं हैं। भारत में महिलायें लंबे समय से राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए संघर्ष कर रही हैं। महिला आरक्षण विधेयक ने अनेक संसदीय बाधाओं को पार करने में तीस साल से अधिक समय लगाया। इस विलंब से भारतीय सरकारी संस्थानों में लंबे समय से जारी महिला नेतृत्व का विरोध और मजबूत हुआ जिसके पीछे राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी स्पष्ट रूप से दिखती है।

दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों तथा 'ब्रिक्स' देशों से तुलना करने पर भारत की तुलनात्मक गिरावट और स्पष्ट हो जाती है। मुख्यत: मजबूत राजनीतिक प्रतिनिधित्व तथा ज्यादा सफल जमीनी सशक्तीकरण पहलों के कारण बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों ने जेंडर समानता रैंकिंगों में भारत से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस क्षेत्रीय दृष्टिकोण से देखने पर भारत का प्रदर्शन खासतौर से कमजोर दिखता है। इससे तत्काल नीतिगत परिवर्तनों की आवश्यकता उजागर होती है। भारत का रोजगार के मोर्चे पर भी प्रदर्शन अच्छा नहीं है, जबकि शिक्षा में बेहतर अवसरों से ज्यादा सिनर्जी दिखनी चाहिए। भारत के श्रमबल में महिलायें 20 प्रतिशत से कम हैं और उनका जीडीपी में योगदान भी कम है, जबकि शिक्षा और स्नातक में उनका प्रदर्शन अच्छा है। आक्सफैम, इंडिया के 2020 के शोध से पता चलता है कि महिलाओं का बिना भुगतान वाला श्रम हर साल अर्थव्यवस्था में 19 लाख करोड़ रुपये का योगदान करता है, जबकि परंपरागत आर्थिक आंकड़ों में इसे कोई स्थान ही नहीं मिलता है।

हालांकि, भारत ने आर्थिक समावेशन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा में जेंडर समानता प्राप्त करने की दिशा में काफी प्रगति की है, पर व्यवस्थागत बाधायें महिलाओं को समाज में पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने की राह में अभी रोड़ा अटका रही हैं। भारत को महत्वपूर्ण ढांचागत सरोकार संबोधित करने के लिए समग्र, समावेशी व दीर्घकालीन कदम उठाने होंगे। छोटी-छोटी उपलब्धियों से क्रांतिकारी प्रभाव प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है। महिला आरक्षण कानून, 2023 को पास करने में बहुत विलंब हुआ और यह एक सबसे बड़ी कमी रही है। 2029 के पहले राज्य विधानसभाओं और संसद में महिलाओं को एक तिहाई सीटें मिलना लगभग असंभव लग रहा है। प्रतिनिधित्व के साथ ही इस विलंब के कारण महिलाओं को नेतृत्वकारी भूमिकाओं में आने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा है जिनमें संसाधनों का आबंटन तथा नीतियों का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही, हालांकि, श्रम बाजार में महिलाओं की सहभागिता अब तक के सबसे ऊंचे 45.9 प्रतिशत पर है, पर यह अनेक मुद्दों को छिपा लेता है जिनमें वेतन असमानता, रोजगार की गुणवत्ता, असंगठित क्षेत्र में उनकी प्रमुखता तथा सामाजिक सुरक्षा का अभाव शामिल हैं। बहुसंख्य कामगार महिलाओं को अब भी कम वेतन, जोखिम भरे रोजगारों तथा विकास के बहुत कम अवसरों का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार जहां 'जन धन योजना' तथा 'मुद्रा' कर्जों ने वित्तीय समावेशन को बेहतर बनाया है, पर अभी इनके व्यापक प्रभाव सामने आना बाकी है। विश्व बैंक के 'फिनडेक्स' सर्वेक्षण के अनुसार एक तिहाई महिलाओं के खाते निष्क्रिय बने हुए हैं। इस प्रकार बैंक खाते होने के बावजूद महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता तथा निर्णय-प्रक्रिया में कम सहभागिता जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

पितृसत्तात्मक परंपराओं के कारण अब भी महिलाओं की स्वतंत्रता, आत्मनिर्भरता तथा सहभागिता प्रभावित होती है। जेंडर भूमिकायें छोटी आयु से ही थोप दी जाती हैं और उनका प्रभाव वित्तीय निर्णयों, कॅरियर पसंदों तथा नेतृत्व की इच्छा पर पड़ता है। जल्दी विवाह अब भी आम है और भारत के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों को अब भी बोझ माना जाता है जिससे स्कूल व कार्यस्थल पर उनकी प्रगति प्रभावित होती है।

महानगरीय परिवेशों में भी महिलाओं को अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ता है जहां उनको या तो नेतृत्वकारी पदों से बाहर रखा जाता है या अस्थाई काम दिए जाते हैं। 'मैक्किनसे' के विश्लेषण के अनुसार जेंडर रोजगार कमी दूर करने से भारत के जीडीपी में 2025 तक 770 बिलियन डालर का योगदान हो सकता था, लेकिन यह वादा अभी पूरा होने से बहुत दूर है। इन स्थितियों को देखते हुए भारत को एक समग्र तथा पूरे समाज पर लागू होने वाली रणनीति बनाने की आवश्यकता है ताकि सच्ची जेंडर समानता प्राप्त हो सके। महिलाओं को डिजिटल एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण देने वाली कौशल विकास पहलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह कदम खासकर तेजी से प्रगति करने वाले उद्योगों जैसे तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा व लाजिस्टिक्स में जरूरी है। मंत्रालयों व राज्य सरकारों को जेंडर-मांगों के आधार पर जेंडर-संवेदनशील बजट बनाना सबसे ज्यादा जरूरी है। भारत को 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था तथा प्रमुख विश्व शक्ति बनाने के लिए जेंडर-समानता सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

समग्र शिक्षा का नया मॉडल

"बदलते समय के साथ, शिक्षकों को यह बात समझ में आ गई कि 21वीं सदी में कदम रखने वाले छात्रों के लिए सिर्फ़ सैद्धांतिक शिक्षा ही पर्याप्त नहीं होगी।"

समनदीप चड्ढा
(लेखिका, शिक्षाविद हैं)

भारतीय छात्र अपनी रटने की क्षमता और सैद्धांतिक पाठों को समझने की अपनी प्रतिभा के लिए जाने जाते थे। शिक्षा प्रणाली ने ऐसे छात्रों को अच्छे अंक देकर आगे बढ़ाया। हालांकि, बदलते समय के साथ, शिक्षकों को यह बात समझ में आ गई कि 21वीं सदी में कदम रखने वाले छात्रों के लिए सिर्फ़ सैद्धांतिक शिक्षा ही पर्याप्त नहीं होगी, जो कि पहले से कहीं ज़्यादा उन्नत है। अगली पीढ़ी को समग्र शिक्षा द्वारा सशक्त बनाने की ज़रूरत है, जहां वे न केवल मुख्य विषयों के बारे में जानें, बल्कि सॉफ्ट स्किल और सहानुभूति भी सीखें और एक ऐसा कौशल विकसित करें जिसकी भविष्य में ज़रूरत होगी। इस प्रकार, छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए स्कूलों द्वारा कई पाठ्यक्रम शुरू किए गए, जो कि पेशेवर दुनिया में कदम रखने पर काफी अलग होंगे। दिलचस्प बात यह है कि इंटरनेशनल बैकलॉरिएट या आईबी प्रोग्राम एक ऐसा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जो जिज्ञासा पर आधारित होता है। यह भविष्य के लिए डिज़ाइन किया गया एक कोर्स है और भविष्य की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए किसी विशेष कार्यक्रम की भी आवश्यकता नहीं होती है। यहाँ, शिक्षक सिर्फ़ सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं बल्कि ज्ञान भी साझा करते हैं; छात्र भी विषय की बेहतर स्पष्टता के लिए अपना शोध करते हैं। यह एक सार्थक संबंध की ओर ले जाता है, जहाँ दोनों जटिल विषयों को सीखने और सिखाने के लिए वास्तविक दुनिया के संदर्भों से सीखते हैं। यह गहन भागीदारी केवल अनुभवात्मक सीखने के माध्यम से ही संभव है, जहाँ छात्र व्यावहारिक गतिविधियों, फील्ड विजिट और रोल प्ले के माध्यम से सीखते हैं और इस प्रकार अवधारणाओं को इस तरह से समझते हैं कि वे स्थायी यादें बनाते हैं। ऐसी कक्षाओं के लिए एक कठोर पाठ्यक्रम बनाना मुश्किल है क्योंकि शिक्षक को छात्रों के पास मौजूद ज्ञान के साथ एक प्रवाह बनाना होगा। जबकि छात्रों की उम्र, विकासात्मक स्तर, जोखिम, आईक्यू और ईक्यू यहाँ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, हर कक्षा में वे कुशलता से पाठ्यक्रम को नेविगेट करते हैं और ज्ञान को उन तरीकों से लागू करते हैं जिनके बारे में पहले कभी नहीं सोचा गया था। आईबी की पूछताछ-आधारित शिक्षण शिक्षाशास्त्र शिक्षार्थियों को एक ऐसी दुनिया में सही दिशा में विकसित होने के लिए सशक्त बनाती है जो हर दिन गतिशील और बदलती रहती है।

शिक्षक उनके लंगर बन सकते हैं और छात्रों को स्मार्ट तरीके से सोचने में मदद कर सकते हैं। छात्रों को समस्याओं के साथ चुनौती देकर और समस्याओं का विश्लेषण और समाधान करने में उनकी मदद करके ऐसा किया जा सकता है। छात्रों को समस्या का समाधान कैसे करें, यह दिखाने के बजाय, यहाँ ध्यान इस बात पर है कि छात्र स्वयं उस समस्या का समाधान खोजने की दिशा में काम करें। वास्तविक दुनिया के परिदृश्य कई अवधारणाओं को समझने के लिए सबसे अच्छे उदाहरण हो सकते हैं। शिक्षक एक ऐसी मानसिकता बनाने के लिए सही लोग हैं जो अधिक उद्यमी है। ये रचनात्मक छात्र, जो अपने स्कूल के दिनों से ही नियमित रूप से समस्याओं का समाधान करते रहे हैं, वे उद्यमियों की तरह सोचेंगे और किसी की तलाश करने के बजाय अधिक रोजगार पैदा करेंगे। जैसे-जैसे छात्र ऐसे कौशल सीखेंगे जो उन्हें वास्तविक दुनिया में मदद करेंगे, वे सर्वश्रेष्ठ के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे। वैश्विक कार्यबल में सफल होने के लिए छात्रों को तैयार करने का यह सही तरीका है। कम उम्र में उन्नत तकनीक का परिचय देने से छात्र इसके साथ सहज हो जाएँगे और साथ ही, नवाचार के बीज भी जल्दी बोएँगे।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करने से इंजीनियरिंग और गणित के लिए एक मजबूत नींव तैयार होगी, साथ ही प्रौद्योगिकी के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी बनेगा। एक अनुकूल शिक्षण वातावरण के साथ-साथ जहाँ छात्र अपने विचार साझा करते हैं, यह न केवल उनकी रचनात्मकता को बढ़ाएगा बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगा और उन्हें आत्मविश्वासी व्यक्ति बनाएगा। नवाचार की संस्कृति सभी छात्रों को प्रेरित करेगी और समावेशिता के मूल्य एक ऐसा शिक्षण वातावरण तैयार करेंगे जो सभी के लिए सुलभ हो।

आखिरकार, ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तभी संभव है जब सभी हितधारक एक साथ मिलकर काम करें। जैसे-जैसे शिक्षक टीमवर्क और संचार कौशल विकसित करते हैं, माता-पिता को भी अपने बच्चे की शिक्षा में आगे आकर उसका समर्थन करना होगा। माता-पिता को अपना दृष्टिकोण बदलना चाहिए और शिक्षा की इस भविष्यवादी शैली के लाभों को समझना चाहिए।

नवाचार-आधारित शिक्षा को अगले स्तर पर ले जाने के लिए, सरकार का समर्थन भी आवश्यक है। उन्हें ऐसी नीतियाँ बनानी चाहिए जो आविष्कार और रचनात्मकता को बढ़ावा दें। ऐसा दृष्टिकोण हमें छात्रों को आधुनिक उद्योगों में करियर के लिए तैयार करने और भविष्य में आने वाले किसी भी आश्चर्य के लिए तैयार करने में मदद करेगा।

आप की बात

प्राकृतिक जीवनशैली

प्रकृति का सौंदर्य इंसानों को प्रारंभ से ही आकर्षित करता रहा है, वहीं इसका रौद्र रूप हमें भयभीत करता है। प्रकृति हमारे जीवन का मुख्य आधार है। जीवन का आधार प्राणवायु हमें पेड़ पौधे से प्राप्त होती है। पानी और भोजन भी प्रकृति प्रदत्त उपहारों में शामिल है। इस प्रकार प्रकृति जीव जगत के कल्याण के लिए ईश्वर द्वारा रचित व्यवस्था है। प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन की महती जवाबदारी भी विधाता ने जीव जगत को ही सौंप रखी है। हमारी सनातन संस्कृति के अनुसार 84 लाख योनियों में जीव जगत पृथ्वी जल और आकाश में विचरण करता है। इसमें मनुष्य रुपी प्राणी को छोड़कर सभी जीव प्रकृति के सौंदर्य को निखारने में अपना योगदान दे रहे हैं। आज से चार-पांच दशक पूर्व की पीढ़ी प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीवनयापन करती थी, किंतु आज हम प्रकृति के संरक्षण के प्रति उदासीन हो गए हैं। आज प्रकृति का सिर्फ दोहन किया जा रहा है तथा कथित विकास के नाम पर प्रकृति को रौंदने में हमने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। प्रकृति का रौद्र रूप इसी का दुष्परिणाम है। आंधी, तूफान, भूकंप, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, ग्लोबल वार्मिंग एवं वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के कारण पूरा मानव समाज कष्ट झेल रहा है। इसलिए प्राकृतिक जीवनशैली जरूरी है।

– **ललित महालकरी**, इंदौर

कानूनों का दुरुपयोग

देश में महिलाओं, दलितों, बच्चों एवं अन्य कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कई कानूनों का उद्देश्य सराहनीय है। लेकिन इनका दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी की कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम का प्रयोग कई बार मनमाने ढंग से किया जा रहा है। यही स्थिति अन्य कानूनों की भी है जिनके उपयोग के बजाय दुरुपयोग ज़्यादा हो रहा है। इनमें घरेलू हिंसा तथा अनुसूचित जाति-जनजाति अधिनियम खासतौर से शामिल हैं। प्रशासनिक तंत्र विशेषकर पुलिस विभाग को एफआईआर दर्ज करते समय जो कानूनी विवेकाधिकार दिया गया है वह कई बार व्यक्तिगत स्वार्थ, दबाव या पैसे के प्रभाव में आकर भ्रष्टाचार से प्रभावित हो जाता है। पुलिस द्वारा धाराओं का चयन इस तरह होता है कि मुकदमे की दिशा उसी समय तय हो जाती है। इस प्रकार सच्चाई पूरी तरह अदालत के समक्ष कभी आ ही नहीं पाती। वकीलों की भूमिका भी कई बार पक्षपाती या व्यावसायिक लाभ से प्रेरित होती है। इससे साधारण व्यक्ति का विश्वास न्याय प्रणाली से उठता जा रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए घातक संकेत है। कानून का दुरुपयोग रोकना ही सच्चा न्याय है।

– **सुभाष बुड़ावन वाला**, रतलाम

हिंदी-विरोध की राजनीति

गैर हिंदी भाषी क्षेत्रों में अनेक राजनीतिक दलों का रवैया उचित नहीं लगता। हिंदी माध्यम से भरपूर रोजगार के अवसर का लाभ उठाते महाराष्ट्र राज्य में त्रिभाषा नीति को जो झटका लगा है, वह न केवल दुखद, बल्कि हिंदी-भाषी समाज के लिए चिंता का विषय भी है। पहली कक्षा से ही हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाए जाने की केंद्र सरकार की मंशा राजनीतिक दबाव में महाराष्ट्र सरकार के पीछे हटने से धूमिल हो गई है। उद्धव और राज ठाकरे ने क्षेत्रीय अस्मिता की दुहाई देकर हिंदी के खिलाफ माहौल गरमा दिया। विडंबना है कि जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश हुई थी तब उद्धव ही मुख्यमंत्री थे। आज विपक्ष में रहते हुए वही हिंदी-विरोध का झंडा उठाए हुए हैं। लगता है हिंदी के खिलाफ आंदोलन चलाना अब राजनीतिक श्रेय बटोरने का नया तरीका बन गया है। मुंबई जैसे शहर हिंदी सिनेमा की आत्मा हैं, वहां हिंदी से परहेज एक प्रकार का ढोंग है। हिंदी-विरोध अब राष्ट्रीयता बनाम क्षेत्रीयता की लड़ाई में बदलता दिख रहा है। यह स्थिति महाराष्ट्र, तमिलनाडु या किसी अन्य क्षेत्र के लिए आत्मघाती सिद्ध हो सकती है। हिंदीभाषियों ने हमेशा देश के सभी लोगों का दिल खोल कर स्वागत किया है और वे अपने प्रति भी ऐसे ही सम्मान की मांग करते हैं।

– **अमृतलाल मारू**, इंदौर

करंट लगने का खतरा

भोपाल के शाहजहांनाबाद में 5 साल की एक मासूम बच्ची की घर के पास लगे बिजली के खंभे से करंट लगने से मौत हो गई। इसी तरह अलीराजपुर के ग्राम सेजा में बिजली के खंभे से करंट लगने से बालिका की मौत हो गई। अमूमन बरसात के दिनों में करंट फैलने की घटनाएं ज्यादा होती है। जिससे हर वर्ष देश में सैकड़ों की संख्या में लोग मृत्यु के शिकार होते हैं। चाहे घर हो या खुले में बारिश के आने से पहले करंट से बचने के आवश्यक उपाय जरूरी है। जहां सीमेंट के खंभे लगे हुए हैं उनमें करंट उतरना मुश्किल होता है। लेकिन लोहे के खंभों में करंट का खतरा जरूरत से ज्यादा रहता है। विद्युत विभाग को लोहे के खंभों के स्थान पर सीमेंट के मजबूत खंबे लगाना चाहिए और ट्रांसफार्मर या अन्य ऐसी जगह पर जहां करंट लगने का खतरा ज्यादा होता है, उचित तारबंदी करना चाहिए। माता-पिता व अभिभावकों को तथा स्कूलों में बच्चों को बिजली के खंभे व ट्रांसफार्मर से दूर रहने की हिदायत हर समय देते रहना चाहिए। क्योंकि बच्चे खेल-खेल में तथा नासमझी के चलते करंट के शिकार हो जाते हैं।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

समय के पाबंद नहीं रहे अधिकारी-कर्मचारी, कलेक्टर ने मारी दबिश 42 पर गिरी गाज : शोकॉज नोटिस जारी

पायनियर की खबर का दिखा असर, दो दिन पहले छपी खबर के बाद हरकत में आया प्रशासन, जिला पंचायत, अस्पताल व स्कूल में कलेक्टर का औचक निरीक्षण

पायनियर संवाददाता < कवर्धा
www.dailypioneer.com

प्रशासनिक लापरवाही और समय की अनदेखी पर अब कलेक्टर की नजर टेढ़ी हो गई है। राष्ट्रीय अखबार पायनियर द्वारा दो दिन पहले 'मत्स्य पालन कार्यालय समय पर नहीं खुलने' की खबर प्रकाशित किए जाने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया। इसी कड़ी में कलेक्टर गोपाल वर्मा ने गुरुवार सुबह जिला मुख्यालय स्थित जिला पंचायत, जिला अस्पताल और करपात्री स्कूल का औचक निरीक्षण कर अनुशासनहीनता को लेकर सख्त कार्रवाई की। जिला पंचायत में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को कर्मचारी बड़ी संख्या में निर्धारित समय 10 बजे के बाद पहुंचे मिले। कलेक्टर ने स्वयं उपस्थिति रजिस्टर की जांच कर 42 कर्मचारियों को देर से आने का दोषी पाया। सभी को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कुछ कर्मचारियों ने सार्वजनिक रूप से अपनी गलती मानी, कान पकड़कर क्षमा मांगी और भविष्य में समय का पालन करने का संकल्प लिया।

कलेक्टर वर्मा ने मौके पर कहा कि जनसेवा से जुड़े कार्यालयों में देरी बर्दाश्त नहीं होगी। शासन द्वारा निर्धारित समय का पालन हर कर्मचारी की जिम्मेदारी है। इसके बाद कलेक्टर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां भी डॉक्टर, स्टाफ नर्स, तकनीकी और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी निर्धारित समय पर मौजूद नहीं मिले। कलेक्टर ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी गैरहाजिरों पर शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया कि ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों की नाम और मोबाइल नंबर सहित सूची प्रमुखता से बोर्ड पर प्रदर्शित की जाए। निरीक्षण की तीसरी कड़ी में करपात्री स्कूल पहुंचे कलेक्टर वर्मा ने शिक्षकों की उपस्थिति जांची। उन्होंने कहा, शिक्षा एक संवेदनशील क्षेत्र है, यहां अनुशासन सर्वोपरि है। समय का उल्लंघन करने वाले शिक्षकों पर भी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर की इस कार्रवाई ने पूरे प्रशासनिक महकमे में हलचल मचा दी है। उन्होंने दो टूक कहा कि समय की लापरवाही अब स्वीकार्य नहीं। जनता को गुणवत्तापूर्ण सेवा देने के लिए जिम्मेदारों को सजग रहना होगा। आकस्मिक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

खबर का हुआ असर

यह पूरा अभियान पायनियर हिंदी की उस रिपोर्ट के बाद शुरू हुआ जिसमें मत्स्य विभाग के समय पर कार्यालय नहीं खुलने की बात प्रमुखता से उठाई गई थी। खबर का प्रत्यक्ष प्रभाव नजर आया और स्वयं कलेक्टर को फील्ड में उतरना पड़ा।

डॉ वर्मा ने अपने जन्मदिन पर व कुरैशी ने अपनी मां की स्मृति में लगाएं पौधे

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पर्यावरण प्रेमी संगठन के नेतृत्व में हाई स्कूल मैदान में डॉ डी पी वर्मा के द्वारा जन्मदिन पर कदम का पौधा लगाया गया वहीं शेख शरीफकुरैशी के द्वारा अपनी मां की स्मृति में कब्रिस्तान में नीम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। डॉक्टर वर्मा ने पेड़ पौधों की महत्ता बताते हुए कहा कि हम सभी एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उनका सही ढंग से देखभाल करना चाहिए पेड़ पौधे तो सभी लगाते हैं लेकिन उनका उचित देखभाल एवं रखरखाव अत्यंत आवश्यक होता है। जिस तरह छोटे बच्चे की देखरेख की आवश्यकता होती है इसी तरह पेड़ पौधों की भी देखरेख की आवश्यकता होती है तभी वह आगे बढ़ सकता है, तथा लोगों को फल छाया प्रदान करने के लायक हो सकता है अतः मैं आप सभी से निवेदन करता हूं कि आप भी जरूर अपने आसपास जन्मदिन, वैवाहिक कार्य म , माता-पिता की स्मृति में आदि अन्य अवसरों पर एक पेड़ जरूर लगाए और अपने आसपास के क्षेत्र को हरा भरा खुशहाल बनाने में एक कदम आप भी बढ़ाएं। वृक्षारोपण में संगठन अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू सचिव गणेश साहू, सदस्यगण गणेश सेठ, लक्ष्मीनारायण, चम्मन निषाद, राजेश पंच, किसन, डिकेंद्र साहू,राजेंद्र निषाद ,केदार ,ओंकार ,रामकृष्ण सेन, अयान, अब्रान, इमरान, आदि उपस्थित रहे।

आरोपी से लाखों रूपये की सट्टा पट्टी नगदी रकम जब्त

पायनियर संवाददाता < दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

जुआ, सट्टा,अवैध शराब के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी दल्लीराजहरा निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय द्वारा राजहरा क्षेत्रांतर्गत मुखबीर की सूचना , के आधार पर एक व्यक्ति को फुटबाल ग्राउंड जिम मैदान के पास अवैध रूप से अंको के पीछे रूपये पैसो का दांव लगाकर सट्टा पट्टी लिखने पर कार्यवाही कर रंगे हाथ सट्टा पट्टी लिखते पकड़ा गया। ,इसका नाम पी0आई0 अकबर पिता स्व0 पी0एम0 इब्राहीम उम्र 55 वर्ष सा0 वार्ड क्र0 22 राजहरा का रहने वाला बताया,। जिसके कब्जे से लाखों रूपये की सट्टा पट्टी पर्ची एवं नगदी रकम 15000 रूपये एवं जब्त किया गया । आरोपी पी आई अकबर जो थाना राजहरा के निगरानी बदमाश है वह पूर्व में भी सट्टा खाईवाली का काम करता था । आरोपी पी आई अकबर के विरूद्ध छ0ग0 जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6 के तहत अपराध का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है ।

निर्मला इंग्लिश मीडियम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण संपन्न

पायनियर संवाददाता < दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

निर्मला इंग्लिश मीडियम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सत्र 2025-26 के लिए छात्र परिषद (स्टूडेंट काउंसिल) का शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस वर्ष विद्यालय में भारतीय लोकतंत्र की तर्ज पर पूर्ण मतदान प्रक्रिया अपनाकर छात्रों ने अपने प्रतिनिधियों का चयन किया। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों ने मताधिकार का प्रयोग करते हुए विभिन्न पदों के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव किया। मतदान प्रक्रिया पारदर्शी एवं तकनीकी प्रणाली से संपन्न हुई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पुलिस अधीक्षक डॉ. चित्रा वर्मा तथा विशेष अतिथि के रूप में नगर थाना प्रभारी रवि शंकर पांडे उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्य सिस्टर जोसिया मैरी ने की। कार्यक्रम में प्रबंधक सिस्टर सचिता प्रांसिस, उप प्राचार्या लीना प्रांसीसी, शिक्षकगण, अभिभावकगण एवं छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बैच पहनाकर उन्हें कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्राचार्य सिस्टर जोसिया मैरी ने कहा वर्तमान पीढ़ी को नेतृत्व, अनुशासन और सेवा का मूल्य समझना अत्यंत आवश्यक है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चयनित यह छात्र परिषद न केवल नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देगी, बल्कि विद्यार्थियों में उत्तरदायित्व की भावना भी विकसित करेगी।

नवनियुक्त पदाधिकारी

हेड बॉय लक्ष्य ओहलन, हेड गर्ल दिया पटेल, एजुकेशन मिनिस्टर कुणाल देशमुख एवं आर. स्नेहा, कल्चरल मिनिस्टर एम. साई किरण एवं काव्या साहू, डिसिप्लिन मिनिस्टर विशोर गुप्ता एवं मौली सिन्हा, स्पोर्ट्स मिनिस्टर आशीष केरकेट्टा एवं मनप्रीत कौर, स्कूल से "टी सोमिल श्रीवास्तव एवं वर्णिका साहू, जॉइंट से "टी मान्य जैन एवं आरोन फ्रांसिस, तथा जूनियर रिप्रेजेंटेटिव मयंक प्रदीप एवं प्रज्ञा देवांगन नियुक्त किए गए।

हाउस कैप्टन एवं वाइस कैप्टन: सेंट मेरी हाउस: कैप्टन सूर्य प्रताप सिंह एवं दिशा जैन, वाइस कैप्टन रूपेश मिश्रा।

सेंट टेरेसा हाउस: कैप्टन निवेश गोगाइ एवं अहिल्या राजेश, वाइस कैप्टन अविनाश तरुण लकड़ा।**सेंट जोसेफ हाउस :** कैप्टन चिरांश मरकाम एवं पी. ज्ञाना, वाइस कैप्टन नमन शांडिल्य।सेंट फ्रांसिस हाउस : कैप्टन प्रणव सिंह राजपूत एवं आयुषी मेंढे, वाइस कैप्टन कुणाल सिप्पी।

क्लब इंचार्ज/लिटरेरी क्लब : अदित जैन एवं पर्णिका रामचंद्र भोई,इको क्लब : सुजल श्रीवास्तव एवं एलिसा भावरा,हेल्थ एंड वेलनेस क्लब : दिलप्रीत सिंह एवं **आस्था जैन,आर्ट्स क्लब :** लवीना निषाद एवं नूर फरहत।

इस समारोह ने विद्यालय में लोकतंत्र की भावना को मजबूती दी और छात्रों में नेतृत्व व ज़िम्मेदारी की चेतना को जागृत किया। समारोह का संचालन पूरी गरिमा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

हॉटल व ढाबों में जमकर होने लगी है शराबखोरी शराब दुकानों के इर्द गिर्द चखना सेंटरों की भरमार

सवालों के घेरे में आबकारी विभाग की कार्यशैली

पायनियर संवाददाता < डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

नगर के आउटर में स्थित शराब दुकानों के इर्द गिर्द एक बार फिर से चखना सेंटरों की भरमार हो गई है। शराब दुकानों के आसपास ऐसी 20 से ज्यादा अवैध चखना दुकानें संचालित हो रही हैं। इन सेंटरों में बैठने की व्यवस्था से लेकर गिलास में परोसने तक की सुविधा उपलब्ध है। वहीं नगर के हॉटल, ढाबों में भी जमकर शराबखोरी की शिकायतें हैं।

दरअसल ऐसे अवैध चखना सेंटर से सिर्फ शराबी के परिजन ही नही बल्कि समूचे मानव समाज को दंश झेलना पड़ता है। शाम ढलते ही चखना दुकानों के पास जाम टकराते हैं, नशे में चूर लोगों की भीड़ सड़कों पर नजर आने लगती है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा दोगुना हो जाता है। ये सब कुछ प्रशासन की नाक के नीचे हो रहा है। स्थानीय नागरिकों सहित राहगीरों का कहना है कि ये हालात आबकारी विभाग की जानकारी में हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है। कुछ दुकानों को चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है, जबकि कुछ सेंटरों पर नजरें फेर ली जाती हैं। इससे स्पष्ट होता है कि कहीं न कहीं विभाग की मिलीभगत या लापरवाही इस मानव जनित या सामाजिक समस्या को बढ़ावा दे रही है। बहरहाल होटल ढाबों में शराबखोरी व शराब दुकानों के इर्दगिर्द अवैध चखना सेंटर की भरमार आबकारी नियमों का उल्लंघन ही नही है, अपितु सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है। नगर के कई होटल और ढाबों की बात करें तो शाम ढलते ही शराब परोसी जाती है द्य बिना लाइसेंस के खुलेआम शराब की खपत की ऐसी प्रक्रिया ना सिर्फ अवैध है बल्कि यह आसपास के ग्रामीण अंचलों में भी बुरे प्रभाव छोड़ रही है। इससे सिर्फ नगर के ही नही, अपितु ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी इन अड्डों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ऐसे में नशे की बढ़ती लत से परिवारों में कलह, अपराध, और घरेलू हिंसा की घटनाएं बढ़ना लाजिमी है।

देर रात तक लगता है जमावड़ा

नगर के होटल ढाबों से लेकर चखना देखनो में देर रात तक शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। राहगीरों को लिए अक्सर खतरा बना होता है। कई बार तो गालीगलौज से लेकर मारपीट तक हो जाता है। इन पर किसी प्रकार का शिकंजा नहीं कसा जा रहा है। इसकी शिकायत होने के बाद भी आबकारी विभाग कोई एक्शन मोड में नहीं दिख रहा है।

प्रशासन एवं व्यापारी संघ के साथ नगर के मुद्दे को लेकर हुई अहम बैठक

पायनियर संवाददाता < दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

प्रशासन एवं व्यापारी संघ के साथ नगर के मुद्दे को लेकर अहम बैठक 03 जुलाई को हुई। नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू राजहरा व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविन्द वाधवानी एवं एसडीएम सुरेश साहू के साथ हुई संयुक्त बैठक में केंद्रीय विद्यालय , राजस्व भूमि 270 एकड़ व बीएसपी के अनुपयोगी जमीन पर बसे लोगों को निःशुल्क पट्टा प्रदान करने एवं सौ बिस्तर अस्पताल को लेकर एसडीएम एवं बीएसपी के अधिकारियों के साथ चर्चा हुई । चर्चा के दौरान कहा गया कि बीएसपी शाला न. 6 नंबर स्कूल को केंद्रीय विद्यालय के लिए जल्द से जल्द तैयार किया जाये ताकि इसी सत्र में बच्चों की एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो सके साथ ही एसडीम से 270 एकड़ भूमि में निवास लोगों को मालिकाना हक पट्टा दिलाने का जो कार्य चल रहा है जिसका सर्वे हो चुका है उसे जल्द से जल्द पट्टा दिये जाने की बात उठाई गई । वहीं दल्ली राजहरा , के समीप औद्योगिक क्षेत्र बनाने के लिए 25 एकड़ भूमि के चयन की प्रक्रिया पुनः चालू कर सप्ताह भर के भीतर इस प्रस्ताव को कलेक्टर बालोद को भेजने पर सहमति बनी। व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविंद वाधवानी ने कहा कि कोरबा नगर निगम एवं भिलाई के तर्ज पर दल्लीराजहरा में वर्षों से बसे लोगों को निःशुल्क पट्टा प्रदान किया जाए। इस बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष तोरन लाल साहू एसडीम सुरेश साहू ,राजहरा व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविंद वाधवानी, प्रेम जायसवाल, अशोक लोहिया रमेश जैन बीएसपी के अधिकारी मंगेश सेलकर, रमेश हेडऊ, नितेश क्षत्री , शिक्षा विभाग के अधिकारी भी शामिल थे। राजहरा व्यापारी संघ ने अधिकारियों को स्पष्ट कहा है कि इस सत्र में एडमिशन की प्रक्रिया चालू न होने पर राजहरा व्यापारी संघ समस्त पार्षदों एवं नगर वासियों को लेकर बीएसपी के कार्य को बाधित करने के लिए महामाया माइंस पर धरना देगा और लगातार चक्का जाम करेगी। बीएसपी के अधिकारियों ने भी यह विश्वास दिलाया है कि केंद्रीय विद्यालय के मामले में बीएससी प्रबंधन सकारात्मक रवैया अपना आएगा और इसे जल्द से जल्द पूरा करने में पूर्ण सहयोग करेगा।

चावल वितरण की समयावधि 31 जुलाई तक बढ़ी

बेमेतरा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम के राशन कार्डधारी परिवारों को माह जून से अगस्त 2025 तक के लिए निर्धारित चावल वितरण की अंतिम तिथि अब 31 जुलाई 2025 तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में यह समयावधि 30 जून 2025 निर्धारित थी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय रायपुर द्वारा राज्य के सभी कलेक्टरों को इस संबंध में पत्र जारी किया गया है। पत्र में भारत सरकार द्वारा तय समयावधि का उल्लेख करते हुए अनुरोध किया है कि प्रत्येक उचित मूल्य की दुकान में प्रदर्शित किया जाए। साथ ही, स्थानीय प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से इस निर्णय की व्यापक जानकारी राशन कार्डधारियों तक पहुंचाई जाए।

जनता को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना मेरी नैतिक जिम्मेदारी : ललित चंद्राकर

रिसामा में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक ललित चंद्राकर

पायनियर संवाददाता < उतई
www.dailypioneer.com

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रिसामा में छत्तीसगढ़ राज्य विकास प्राधिकरण मद अंतर्गत साहू पारा में सामुदायिक भवन निर्माण, धर्मस्व मद अंतर्गत शिव मंदिर एवं राम मंदिर जीर्णोद्धार, तथा मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना अंतर्गत दो सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर समस्त विकास कार्यों का विधिवत पूजा अर्चना कर लोकार्पण कर ग्रामवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित दीं।यह कार्य ग्राम की सामाजिक एवं सांस्कृतिक उन्नति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो स्थानीय जनजीवन को सुदृढ़ता प्रदान करेगा। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा क्षेत्र के विकास कार्यों में सभी साथ मिलकर काम करेंगे। डबल इंजन की सरकार में राज्य के साथ हमारा क्षेत्र भी विकास की नई गाथा लिखेगा। आगे चंद्राकर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र हमारे आधार हैं। इनके विकास से पूरे देश का विकास जुड़ा हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं देने के लिए हमारी सरकार सदैव तत्पर है। इसके लिए विभिन्न योजनाएं भी संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को भी विकास की गति में बराबर सहयोग किया जा रहा है। क्षेत्र के विकास के लिए पैसा की कमी नहीं होगी धीरे धीर आपके गांव के सभी विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सांसद प्रतिनिधि मनोज चंद्राकर ग्राम सरपंच रोशन लाल साहू, उपसरपंच मन्नूलाल साहू , राजेश चंद्राकर डिलेस्वर (गब्बर) साहू गीतेश्वर साहू अजय साहू भूपेन साहू टोप सिंह पटेल ओमप्रकाश धीवर मुकेश साहू भारत साहू वंदना साहू राखी निसाद माधवी साहू कल्याणी पटेल अनिता शर्मा हीरा यादव कांति ठाकुर मनीषा साहू नंदिनी महरा कमलेश्वरी सारथी स्यामा धनकर पुनिया यादव सहित ग्राम के वरिष्ठ नागरिकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की टीम ने तत्परता पूर्वक सहयोग कर हितग्राही को योजना का लाभ दिलाया

पायनियर संवाददाता < कुम्हारी
www.dailypioneer.com

नगर पालिका परिषद कुम्हारी अंतर्गत मंगलवार को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के दावा का चेक वितरण दुर्ग सांसद विजय बघेल एवं कुम्हारी नगरपालिका अध्यक्षा मीना वर्मा द्वारा किया गया । इस अवसर पर बीमाधारक सतपाल सिंह भाटिया की प ी मीत भाटिया ने बताया कि उनके पति ने कुछ वर्षो पूर्व नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित शिविर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की पालिसी बैंक आफमहाराष्ट्र कुम्हारी शाखा से ली थी एवं नियमित रूप से प्रति वर्ष बीमा राशि का भुगतान किया। अभी कुछ दिन पहले उनके पति की अचानक हृदय गति रूक जाने से मृत्यु हो गई, जिससे वो काफी मानसिक और आर्थिक रूप से टूट गई थी । अचानक उन्होंने अपने पति का पासबुक देखा जिससे उन्हें पता चला कि उनके पति ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत बीमा कराया था । फिर उन्होंने नगरपालिका में राष्ट्रीय शहरीआजीविका मिशन की टीम से सहयोग लेकर बैंक आफमहाराष्ट्र कुम्हारी शाखा में अपना बीमा दावा प्रस्तुत किया जहाँ शाखा प्रबंधक विकास रंजन द्वारा उनके प्रकरण को जांच में सही पाकर उन्हें दो लाख रूपये भुगतान की अनुशंसा की गयी । इस राशि से उनके आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आयेगा जिसके लिए उन्होंने शासन- प्रशासन और बैंक आफ महाराष्ट्र कुम्हारी शाखा को धन्यवाद दिया है । पालिका अध्यक्षा मीना वर्मा ने आमजन से आह्वान किया कि सभी प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना अंतर्गत अपना पंजीयन करायें और योजना का लाभ लेंवे । कार्य म में भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, संजय बघेल, बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र रायपुर अंचल प्रबंधक वी व्यंकटेश, मुख्य प्रबंधक व्यापार विकास अधिकारी राहुल विकरवार एवं कुम्हारी शाखा प्रबंधक विकास रंजन सहित मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा, महिला मोर्चा जिला मंत्री रीता पाण्डेय, पार्षद सुजीत यादव, अनुराग गुप्ता, उमाकांत साहू, रितिका यादव, आर प्रवीण राव, सहायक परियोजना अधिकारी नितिन श्रीवास, सामुदायिक संगठक श्रीमति सुधा वर्मा एवं रूचि शुक्ला त्रिपाठी उपस्थित रहे ।

पेट्रोलिंग, कॉम्बिंग ऑपरेशन, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, तथा गोवंश तस्करी पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें : रामगोपाल गर्ग

पायनियर संवाददाता < बालोद
www.dailypioneer.com

रेंज आइजी रामगोपाल गर्ग ने बालोद प्रवास के दौरान दल्लीराजहरा और डौंडीलोहारा थाने का आकस्मिक निरीक्षण किया। आईजीपी द्वारा उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों का मनोबल बढाते हुए कानून व सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ बनाये रखने बेहतर पुलिसिंग के बारे में संबोधित कर आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदी गृह, विवेचक कक्ष, महिला डेस्क, सीसीटीएनएस, रीडर कक्ष, जप्तशुदा वाहन एवं मालखाना सहित संपूर्ण थाना परिसर की स्थिति का जायजा लिया। वरिष्ठ कार्यालयों के द्वारा जारी होने वाले निर्देश परवाना को जिले के समस्त थाना चौकियों में गिनती गणना के दौरान अवगत कराने एवं अक्षरशः पालन हेतु निर्देशित किया। बीट प्रभारी अधिकारी एवं कर्मचारियों को बीट एरिया का संपूर्ण जानकारी रखने, बीट अंतर्गत होने वाली गतिविधियों की खबर एवं अपने दायित्वों के अनुरूप कर्त्तव्य का निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया। वही नशामुक्ति अभियान के तहत नशे से दूर रहने, व्हाट्सएप के जरिए आमजनो को नशामुक्ति के प्रति जागरूक कर शपथ हेतु प्रेरित करने निर्देशित किये। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल, अति. पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर, एसडीओपी देवांश सिंह राठौर, सीएसपी राजहरा डॉ. चित्रा वर्मा दल्लीराजहरा थाना प्रभारी रविशंकर पांडे, डौंडीलोहारा थाना प्रभारी मुकेश सिंह व थाना के स्टाफ एवं आईजीपी कार्यालय से प्रशांत शुक्ला उपस्थित रहें।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

उन्होंने पुलिस कस्टडी (बंदीगृह) में आरोपियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं उन्हें हथकड़ी लगाने की सही विधि के बारे में जायजा लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन करने तथा सभी पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को इस संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचा जा सके। जिले के सभी थाना चौकी में लंबित अपराधो, मर्ग, गुम इंसान, लंबित शिकायतो का शीघ्र निकाल करने निर्देश दिए। अवैध कारोबार शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली दवा एवं अन्य अवैध कार्यो में संलिप्त लोगो के खिलाफसख्त कार्यवाही करने और बेहतर पुलिसिंग एवं मजबूत सूचना तंत्र विकसित करने कम्यूनिटी पुलिसिंग एवं अपराध नियंत्रण पर ध्यान देने चेकिंग अभियान कार्यवाही करने निर्देश दिए। ऑनलाईन फायनेंसियल फ्राड, साइबर क्राईम, सोशल मीडिया के माध्यम से हो रहे अपराधों के संबंध में आम जनमानस को जागरूक करने निर्देश दिए। उन्होनें गुमशुदा महिला-पुरूष की खोजबीन हेतु विशेष अभियान आपरेशन तलाश चलाकर अधिक से अधिक गुमशुदा महिला एवं पुरूष की दस्तयाबी करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। भविष्य में और भी बेहतर कार्य निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। पुलिस बल को कानून व्यवस्था बनाए रखने, जनता को सुरक्षा प्रदान करने और अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

आईजीपी ने कर्मचारियों को दिया नकद पुरस्कार

इस अवसर पर आईजीपी रामगोपाल गर्ग ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि पुलिस कस्टडी में आरोपियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इस दिशा में किसी भी प्रकार की ढिलाई अथवा लापरवाही न करने, सभी पुलिसकर्मियों को सतर्क रहकर जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार करने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए कानूनों से न्याय प्र या अधिक पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुदृढ़ होगी। साथ ही समयबद्ध मामलों का शीघ्र निपटारा कर 60 से 90 दिनों के भीतर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। उन्होंने सीसीटीएनएस ऑपरेटरों से उनके कार्य की समीक्षा कर ऑनलाइन, ऑफलाइन एफआईआर एंट्री, चालान, न्यायालय जजमेंट एंट्री के सीसीटीएनएस वर्क यूजर इन्टरफेस के संबंध में जानकारी ली जाकर बेहतर दक्ष रखने वाले कर्मचारियों को नकद पुरस्कार दिया। कम्यूनिटी पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण पर ध्यान देने के साथ-साथ मजबूत सूचना तंत्र विकसित करने के दिशा-निर्देश भी दिए गए। पेट्रोलिंग, कॉम्बिंग ऑपरेशन, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, तथा गोवंश तस्करी पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

युवाओं को प्रोत्साहित करने के निर्देश

आईजीपी ने थाना व चौकी प्रभारी से थाना कार्य की समीक्षा कर थाना स्टाफकी डेली ड्यूटी को बेहतर करने, बीट एरिया के ग्रामों में एक्टिव रहकर अपराध नियंत्रण अनुसंधान कार्यों में अपने दायित्वों का निर्वहन करने के संबंध में थाना व चौकी प्रभारी को समय समय पर अपने अधिनस्थ स्टाफको ब्रीफकरने निर्देशित किए एवं लंबित प्रकरणों का शीघ्र निकाल के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने आम जनता से पुलिस का बेहतर संबंध बनाने, कम्यूनिटी पुलिसिंग को बढ़ावा देने, सायबर अपराधों व एटीएम फ्राड के संबंध में ग्रामो, हॉट, बाजारों, स्कूल, कालेजो में जागरूकता अभियान चलाने, सोशल एक्टीविटी में पुलिस विभाग का स य रहने व आम जनता में पुलिस विभाग का विश्वास बढ़ाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। तथा सभी राजपत्रित अधिकारी व थाना प्रभारियों को ग्रामों का भ्रमण कर आम जनता से भेंट मुलाकात संवाद कर गांव की समस्या सुनने और उनके निराकरण के दिशा में कार्य करने और युवाओं को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए।

घर से पैसे निकालकर पी शराब, पत्नी से हुआ विवाद नशे में धूत पति ने डंडे से पीटकर कर दी हत्या, गिरफ्तार

मामला थाना बगीचा क्षेत्रांतर्गत ग्राम उबका, तेंदू पारा का

पायनियर संवाददाता ◂ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

1 जुलाई को सावन विश्वकर्मा उम्र 60 वर्ष, निवासी रतबा, थाना बगीचा जिला जशपुर (छ. ग) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया कि, उसकी बेटी मृतिका पूजा उर्फ संपत्ति केरकेट्टा , का प्रेम विवाह, ग्राम उबका , तेंदू पारा निवासी जॉन केरकेट्टा के साथ हुआ था, वे 20 वर्षों से एक दूसरे से, पति पत्नी के रूप में रह रहे थे। उसके दो बच्चे हैं, दिनांक 30.6.25 को प्रार्थी का नाती, प्रार्थी के घर आकर बताया कि उसकी मां मृतिका पूजा केरकेट्टा और उसके पिताजी आरोपी जॉन केरकेट्टा के मध्य वाद विवाद व मारपीट हुआ था, उसके पिताजी आरोपी जॉन केरकेट्टा के द्वारा, उसकी मां मृतिका पूजा केरकेट्टा के सिर में डंडे से वार कर दिया गया था व उसकी मां मृतिका पूजा केरकेट्टा घर में मृत अवस्था में है। जिस पर प्रार्थी तत्काल अपने नाती के साथ अपनी बेटी मृतिका पूजा केरकेट्टा व दामाद जॉन केरकेट्टा के उबका तेंदूपारा स्थित घर में जाकर देखा तो पाया कि उसकी बेटी पूजा केरकेट्टा घर में मृत अवस्था में है, व उसके सिर में चोट लगा है, जिससे खून बह रहा है। रिपोर्ट पर थाना बगीचा में हत्या के लिए बी एन एस की धारा 103(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया। व पुलिस टीम के द्वारा तत्काल घटना स्थल रवाना होकर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया व शव का पंचनामा कर डॉक्टर से पोस्ट मार्डम कराया गया। पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी पति जॉन केरकेट्टा उम्र 39 वर्ष को उबका तेंदूपारा के जंगल से हिरासत में लिया गया। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी जॉन केरकेट्टा ने बताया कि 30.06.25 को वह 8.00 बजे के लगभग धान ढोने गया था, व करीबन दोपहर 1.00 बजे वापस घर लौटा तो देखा कि उसकी पत्नी घर में नहीं थी, जिससे नाराज होकर वह शराब पीने चले गया, फिर वहां से खाद लेने बगीचा आ गया, बगीचा से तकरीबन 4.00 बजे लौटा, तो देखा उसके घर का दरवाजा अंदर से बंद था, उसके दरवाजा खोलने के लिए बोलने पर, उसकी पत्नी मृतिका पूजा केरकेट्टा, दरवाजा नहीं खोल रही थी, काफी देर के बाद वह दरवाजा खोली, वह शराब के नशे में थी, जिससे आरोपी जॉन केरकेट्टा, नाराज होकर फिर शराब पीने चला गया, शाम लगभग 06.00 बजे जब वह घर लौटा तो देखा कि उसकी पत्नी मृतिका पूजा केरकेट्टा, और भी अधिक शराब के नशे में हैं, उसके द्वारा जॉन केरकेट्टा से बिना पूछे, ही उसके रखे 1000रु में से 500 रु को ले जाकर शराब पी लिया गया था, इसी बात को लेकर आरोपी जॉन और मृतिका पूजा केरकेट्टा के मध्य वाद विवाद हो रहा है, इसी दौरान आरोपी जॉन केरकेट्टा के द्वारा आवेश में आकर घर में मृतिका पूजा केरकेट्टा को एक थप्पड़ मारा गया, जिससे नाराज हो कर मृतिका पूजा केरकेट्टा, बाहर से एक डंडा लेकर आई, और उससे आरोपी जॉन केरकेट्टा के ऊपर हमला करने लगी, आरोपी जॉन केरकेट्टा के द्वारा, उ मृतिका पूजा से डंडे को लूटकर, उसी डंडे से मृतिका पूजा केरकेट्टा के सिर में हमला कर दिया गया, जिससे वह बेहोश जमीन पर गिर गई, तब आरोपी जॉन केरकेट्टा के द्वारा शराब के नशे में मृतिका पूजा केरकेट्टा के गले को दबाकर, उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस के द्वारा आरोपी जॉन केरकेट्टा के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त लकड़ी के डंडे को भी जप्त कर लिया गया है। आरोपी के द्वार अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने पर पुलिस के द्वारा आरोपी जॉन केरकेट्टा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। मामले की कार्यवाही व आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी बगीचा निरीक्षक संत लाल आयाम, सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र मिंज, आरक्षक मुकेश पांडे व बल्ली रवि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

गिरफ्तार कर भेजा जेल

बगीचा क्षेत्र में एक व्यक्ति के द्वारा शराब के नशे में अपनी पत्नी की हत्या कर दी गई थी, आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

-शशिमोहन सिंह, एसएसपी जशपुर

आदतन बदमाशों को आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने पर उनका निकाला जाएगा अब जुलूस

शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के दो आदतन बदमाशों का गुंडागर्दी, मारपीट करना पाए जाने पर निकाला गया जुलूस

पायनियर संवाददाता ◂ जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

जनसुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ाने हेतु सार्वजनिक जुलूस निकाला गया, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था का संदेश जाए और असामाजिक तत्वों में भय का वातावरण बने। थाना शिवरीनारायण क्षेत्र अंतर्गत दोनो आदतन बदमाशो के द्वारा लोहर्सी शराब दुकान के समीप स्थित चखना दुकान में बैठे होने के दौरान एक व्यक्ति से शराब पीने के लिए पैसे मांग करना नहीं देने पर अश्लील गाली गलौच करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई थी जिसकी रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आदतन बदमाश1. स्वपनिल यादव, उम्र 21 वर्ष, निवासी खरौद, थाना शिवरीनारायण (अपराधिक प्रवृत्ति का, जिसके विरुद्ध गुंडा-बदमाश के तहत कार्यवाही प्रचलित है।) 2. अनुराग उर्फ लक्की यादव, उम्र 24 वर्ष, निवासी खरौद (पूर्व से गुंडा सूची में शामिल।) दोनों आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई, जिनके द्वारा अपराध स्वीकार करने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय भेजा जा चुका है दोनों आरोपियों द्वारा क्षेत्र में लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता पाए जाने के कारण हिस्ट्रीशीट तैयार की जा रही है तथा गुंडा सूची में शामिल करने की कार्यवाही गतिमान है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को ग्राम खरौद में गिरफ्तार कर जनसुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ाने हेतु सार्वजनिक जुलूस निकाला गया, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था का संदेश जाए और असामाजिक तत्वों में भय का वातावरण बने। जांजगीर चांपा जिले में पुलिस आम जनता से अपील करती है कि इस प्रकार के असामाजिक तत्वों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मारवाड़ी समाज के अविवाहित युवक- यूवतियों का गोंदिया में संपन्न हुआ वैवाहिक परिचय सम्मेलन

पायनियर संवाददाता ◂ सक्ती
www.dailypioneer.com

पहली बार मारवाड़ी समाज के विवाह योग्य युवक- यूवतियों के वैवाहिक परिचय सम्मेलन करने का सराहनीय कार्य मारवाड़ी युवा मंच की गोंदिया शाखा ने अपने संस्थापक अध्यक्ष पुरुषोत्तम मोदी के नेतृत्व में कर दिखाया है, इस आयोजन में जहां देश के लगभग 10 राज्यों से मारवाड़ी समाज के लोगों ने सक्रिय सहभागिता की, तो वहीं दो दिनों तक इस पूरे आयोजन को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति के सभी सदस्य जुटे रहे,मारवाड़ी युवा मंच गोंदिया, मारवाड़ी युवा मंच गोंदिया गरिमा के तत्वावधान में मारवाड़ी सामूहिक विवाह समारोह समिति द्वारा संपूर्ण भारत में मारवाडी समाज का प्रथम अविवाहित युवक युवती परिचय सम्मेलन संस्थापक अध्यक्ष पुरुषोत्तम मोदी के नेतृत्व में नारायणी लॉन, गोंदिया में 28 और 29 जून 2025 को सम्पन्न हुआ।परिचय सम्मेलन प्रमुख मनोज जोशी के सभापतित्व, अध्यक्ष प्रकाश शर्मा, लक्ष्मी अग्रवाल, नरेश बंग की उपस्थिति में आयोजित उदघाटन समारोह में पूर्व मंत्री एवं महाराष्ट्र प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष रमेश बंग ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का उद्घाटन किया, इस अवसर पर अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा की महिला अध्यक्षा मती मनीषा मिश्रा मुल्ताई, अमरावती अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विजय केडिया, राजनांदगांव अग्रवाल समाज के अध्यक्ष शरद अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अग्रसेन स्मारक समिति के अध्यक्ष निलेश अग्रवाल, रानी सती सेवा समिति केअध्यक्ष विष्णुप्रसादजी अग्रवाल, राजस्थानी ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष आनंद पुरोहित, खंडेलवाल समाज के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, जैन समाज के अध्यक्ष दिनेश वैद्य, राजस्थानी सेनसमाज के अध्यक्ष अजय झवानिया, मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष राजेश रोढा ने भी मंच की शोभा बढ़ाई।

योगेश अग्रवाल बने राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच के जिलाध्यक्ष

पायनियर संवाददाता ◂ चांपा
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी जांजगीर चांपा के कोषाध्यक्ष योगेश अग्रवाल को एक महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उन्हें राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच (मुख्य शाखाः नरेंद्र मोदी विचार मंच) द्वारा जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति मंच के प्रदेश अध्यक्ष के.के. वर्मा द्वारा 29 जून 2025 को जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से की गई। मंच के राष्ट्रीय प्रमुख संयोजक रवि चाणक्य और डॉ. लक्ष्मी नारायण आमेटा की अनुमति से यह दायित्व सौंपा गया है।इस नियुक्ति में पर्यावरण संरक्षण, पारदर्शिता, संगठन विस्तार एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।मंच परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की आशा जताई है।

ग्राम पंचायत सेलूद की स्वच्छता समूह को स्वच्छता कीट व लाऊडस्पीकर वितरित

उतई। ग्राम पंचायत सेलूद ने स्वच्छता समुह के बहनो को स्वच्छ्ता कीट व लाऊडस्पीकर का वितरण किया गया। सरपंच खिलेश बबलु मार्कण्डेय ने कहा कि समूह स्वच्छता समूह को स्वच्छता कीट वितरण एक महत्वपूर्ण पहल है। जो समुदायों में स्वच्छता और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करेगी। वही लाऊडस्पीकर के उपयोग से घरो में कचरा इकट्ठा करने मे सुविधा होगी। स्वच्छता कार्यकर्ताओं के पास आवश्यक उपकरण और सामग्री हो, जिससे वे अपने काम को प्रभावी ढंग से कर सकें और बीमारियों के प्रसार को रोक सकें। सुरक्षात्मक कपड़े और उपकरण स्वच्छता कार्यकर्ताओं को हानिकारक पदार्थों और कीटाणुओं से बचाते हैं। स्वच्छता कार्यकर्ताओं के पास प्रभावी ढंग से काम करने के लिए आवश्यक उपकरण और सामग्री होती है, जिससे समुदायों में स्वच्छता में सुधार होता है। स्वच्छ वातावरण और स्वच्छता प्रथाओं के माध्यम से, बीमारियों के प्रसार को रोका जा सकता है।

आपातकाल के विरुद्ध बुलंद हुई युवा आवाज़ें

पायनियर संवाददाता ◂ मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित मॉक पार्लियामेंट - युवा संसद कार्यक्रम में आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रदेशभर के युवाओं ने लोकतंत्र की रक्षा हेतु अपने विचारों की सशक्त अभिव्यक्ति दी। इस मंच ने युवाओं को संसदीय कार्यप्रणाली को समझने व राष्ट्रहित पर मुखर होने का अवसर दिया। इस कार्यक्रम में एमसीबी (मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) जिले से चार प्रतिभाशाली युवा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिनमें हिमांशु श्रीवास्तव, अंकित शर्मा, कोमल पटेल, आर्या सिंह शामिल थे। इन सभी ने राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचारों को मुखर रूप से प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति ने न केवल आयोजकों का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि मंच पर मौजूद वरिष्ठ नेताओं और निर्णायक मंडल को भी प्रभावित किया। इस गौरवमयी अवसर पर विशेष रूप से उल्लेखनीय यह रहा कि कोमल पटेल को पूरे कार्यक्रम में अपने प्रभावशाली वक्तव्य के लिए तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उनकी यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरव का विषय है, बल्कि आने वाले युवा नेताओं के लिए प्रेरणा भी है। कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा एमसीबी जिला अध्यक्ष सुशील सिंह, जलील शाह, एवं अरविंद अग्रवाल की उपस्थिति ने युवा प्रतिनिधियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने मंच पर उपस्थित सभी युवाओं का उत्साहवर्धन किया और कहा देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है।

गुप्त नवरात्रि अष्टमी पर जिले भर के देवी मंदिरों में हुई विशेष पूजा-अर्चना

पायनियर संवाददाता ◂ मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

गुप्त नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ सहित जिले के सभी देवी मंदिरों व लाई स्थित माँ दुर्गा मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। प्रातःकाल से ही मंदिरों में विशेष मंगला आरती, दुर्गा सप्तशती पाठ, कन्या पूजन, एवं हवन-पूजन जैसे विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव से देवी के दर्शन कर दिव्य ऊर्जा का अनुभव किया। विशेष रूप से माँ काली मंदिर, शीतला माता मंदिर, दुर्गा मंदिर, एवं स्थानीय ग्रामीण क्षेत्रों के देवी मंदिरों में जयकारों – माँ काली की जय, शीतला माता की जय – से मंदिर परिसर गूंजते रहे। गुप्त नवरात्रि अष्टमी का विशेष महत्व- गुप्त नवरात्रि विशेषकर साधना, तंत्र व आंतरिक ऊर्जा जागरण के लिए अत्यंत पावन मानी जाती है। अष्टमी तिथि देवी उपासना का चरम बिंदु होती है, जिसमें माँ की काली, चण्डिका व भैरवी स्वरूपों की विशेष साधना की जाती है। संतों, पुजारियों व श्रद्धालुओं ने यह संदेश दिया कि–गुप्त नवरात्रि की अष्टमी केवल साधकों के लिए नहीं, बल्कि आमजन के आत्मबल और आध्यात्मिक उत्थान का भी पर्व है। ग्रामीण अंचलों में विशेष साधना क्रम, माता की चौकी व भजन संध्या में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की उत्साहपूर्वक सहभागिता देखने को मिली. मंदिर समितियों और पुजारियों ने भक्तों से अपील की कि गुप्त नवरात्रि के शेष दिनों में भी संयम, श्रद्धा और साधना के साथ देवी उपासना करें और अधिकाधिक संख्या में पूजा-अर्चना में सम्मिलित होकर देवी कृपा प्राप्त करें।

माक पार्लियामेंट युवा संसद में जिले के विधान मिश्रा को मुख्यमंत्री के हाथों मिला 51000/-रुपये का पुरस्कार

पायनियर संवाददाता ◂ सक्ती
www.dailypioneer.com

25 जून सन 1975 को भारत देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी द्वारा लगाई गई इमरजेंसी आपातकाल को भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में आपातकाल काला दिवस के रूप में आयोजित किया जाता है, तथा इस वर्ष 25 जून 2025 को भारतीय जनता पार्टी द्वारा राजधानी रायपुर के श्री अग्रसेन धाम में मॉक पार्लियामेंट युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश भर के विभिन्न जिलों से सैकड़ो की संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे, तथा इस अवसर पर प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी आलोक जी, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं पार्टी नेता मौजूद रहे, इस अवसर पर आभासी संसद के रूप में जहां युवा मोर्चा के साथियों ने बहुत ही सुंदर ढंग से आपातकाल इमरजेंसी के काले अध्याय के बारे में अपने शब्दों के माध्यम से प्रस्तुति दी, तो वही युवा संसद के रूप में इस मॉक पार्लियामेंट में युवा मोर्चा के साथियों की प्रस्तुति की उपस्थित सभी ने सराहना की,तथा इस मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा पूरे कार्यक्रम में प्रथम स्थान हासिल करने वाले शक्ति जिले के सेंदरी निवासी वेदांत मिश्रा को 51000/-रुपये की नगद सम्मान राशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया तथा यह प्रमाण पत्र छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बिष्णु देव साय एवं उपस्थित अतिथियों के हाथों दिया गया, वेदांत मिश्रा को मिले इस सम्मान पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के साथियों ने उनको बधाई दी है।

रुक रुक कर हो रही बारिश से कार्यालय सूने सड़क हुई विरान

पायनियर संवाददाता ◂ जैजैपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में मानसून ने दस्तक दे दी है जिनकी वजह से बरसात का मौसम शुरू हो चुका है। जिनका असर पूरे छत्तीसगढ़ में दिखाई दे रहा है इस तारतम में जैजैपुर में रुक रूक कर बारिश हो रही है।

कार्यालय सुने दिखाई दे रहे हैं वहीं पर सड़क सड़क भी वीरान दिखाई दे रहे हैं वही पर आप किसी भी कार्यालय में जाएं वहां पर कर्मचारी भी सही रूप से कार्यालय में उपस्थित नहीं हो रहे हैं और रुक रुक कर हो रही बारिश से घर से बाहर लोग नहीं निकल रहे हैं। देखने में यह आया है कि स्वास्थ्य केंद्र मैं मरिज भी नहीं पहुंचे रहे हैं वहां भी सन्नाटा छाया हुआ है एक दो मरीज ही अपना पंजीयन करा रहे हैं, रही बैंक की बात जहां पर से राशि निकाली जाती है लेकिन वहां भी बैंक खाता धारक नहीं जाने से बैंक भी सुना सुना दिखाई पड़ रहा है नहीं तो लंबी-लंबी कतारे बैंक में दिखाई पड़ती थी आम लोगों के लिए सड़क में भी बहुत ही कम राहगीर सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं यह है नगर पंचायत जय जैजैपुर का हाल। रुक रुक कर हो रही बारिश से जनता परेशान।

अनुशासनहीनता पर टीआई समेत अन्य पुलिस कर्मी सस्पेंड

बलरामपुर एसपी की पहल छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए बना मिशाल

पायनियर संवाददाता ◂ बलरामपुर
www.dailypioneer.com

जिले में टीआई समेत अन्य पुलिस कर्मियों को सस्पेंड किए जाने की खबर है। जिससे विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस विभाग की छवि को धूमिल करने वाली एक बड़ी घटना के बाद प्रशासन ने यह कदम उठाया है। जिले के थाना प्रभारी ललित यादव प्रधान आरक्षको में विष्णुकांत मिश्रा, प्रांजूल कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर लाइन अटैच कर दिया गया है। इन पर वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बिना पश्चिम बंगाल के आसनसोल जाने और वहां अनर्गल क्रियाकलापों में शामिल होने के गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर रमनलाल ने इस मामले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि निरीक्षक ललित यादव ने विभाग को सूचित किए बिना अपने अधीनस्थ प्रधान आरक्षकों को आसनसोल भेजा था। वहीं, प्रधान आरक्षक विष्णुकांत मिश्रा और प्रांजूल कश्यप ने भी बिना विभागीय स्वीकृति के राज्य की सीमा पार की। इस पूरी कार्रवाई को विभागीय नियमों और सेवा अनुशासन का गंभीर उल्लंघन माना गया है। सूत्रों के अनुसार,जब वरिष्ठ अधिकारियों को इस अस्वीकृत यात्रा की जानकारी मिली,तो तत्काल उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया। परंतु, तीनों अधिकारियों द्वारा दिए गए उत्तर संतोषजनक नहीं पाए गए। इसके परिणामस्वरूप, अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया गया हैं। एसपी कार्यालय द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि राज्य की सीमा बिना अनुमति पार करना,विभागीय नियमों और सेवा अनुशासन का स्पष्ट उल्लंघन है। इस मामले को गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए त्वरित निलंबन की कार्रवाई की गई है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में इस प्रकार की चूक किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद पूरे बलरामपुर जिले के पुलिस महकमे में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार,पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर रमनलाल ने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि वे अपनी ड्यूटी, जिम्मेदारियों और कार्यक्षेत्र को लेकर पूर्ण अनुशासन का पालन करें।

आदेश में यह भी कहा गया है कि कार्य स्थल छोड़ने या राज्य की सीमा पार करने जैसी कोई भी गतिविधि केवल उच्च अधिकारियों की पूर्व अनुमति से ही की जाए। पुलिस विभाग जैसे अनुशासित संगठन में इस प्रकार की घटनाएं न केवल कार्यसंस्कृति को प्रभावित करती हैं, बल्कि जनता के बीच पुलिस की साख को भी कमजोर करती हैं। बलरामपुर पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर रमनलाल की इस सख्ती को अब पूरे प्रदेश में एक मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है,जिससे साफसंकेत गया है कि विभागीय अनुशासन से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

श्रीरामलला दर्शन योजना अंतर्गत 16 जुलाई, 13 अगस्त एवं 10 सितम्बर को रवाना होगी विशेष ट्रेन

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा श्रीरामलला दर्शन आयोध्या धाम योजना अंतर्गत जुलाई से सितम्बर तक के लिए यात्रा तिथि जारी कर दी गई है। इसके तहत 16 जुलाई 2025, 13 अगस्त एवं 10 सितम्बर 2025 को दर्शनार्थियों को लेकर विशेष ट्रेन रवाना होगी। जिसमें प्रत्येक यात्रा में जिले के 94 यात्री शामिल होंगे। उपरोक्त यात्रा की तैयारी के लिए कलेक्टर बी.एस. उइके ने जिले के सभी जनपद पंचायत सीईओ एवं नगर पालिका-नगर पंचायत के सीएमओ को हितग्राही चयन कर यात्रा के लिए आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। निर्धारित कार्य योजना अनुसार हितग्राहियों को निःशुल्क आयोध्या धाम का दर्शन कराया जायेगा।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत धान खरीदी केंद्र में हुआ वृक्षारोपण का कार्य

पायनियर संवाददाता ◂ सक्ती
www.dailypioneer.com

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत सहकारिता मंत्रालय के दिशा निर्देशानुसार वर्तमान में चल रहे स्थापना कार्यक्रम के तहत 1 जुलाई से 6 जुलाई तक विभिन्न वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, इसी तारतम्य में जिला मुख्यालय शक्ति के सेवा सहकारी समिति धान खरीदी केंद्र में पूर्व सरपंच एवं सेवा सरकारी समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद के द्वारा वृक्षारोपण किया गया, इस अवसर पर काफी संख्या में समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे, तो वहीं वृक्षारोपण करते हुए उपस्थित लोगों ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित करने की दिशा में वृक्षारोपण का कार्य अत्यंत आवश्यक कार्य है, एवं हमें प्रतिवर्ष नियमित रूप से वृक्षारोपण कर पेड़ों को संरक्षण देने की दिशा में प्रयास करना चाहिए तथा यहां वृक्षारोपण होने से जहां पूरा वातावरण हरा भरा रहेगा तो वही हमारे स्वास्थ्य पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, इस दौरान घनश्याम पटेल, धनेश्वर पटेल, परमेश्वर सिदार मरकाम गोढ़ी सहित सेवा सहकारी समिति शक्ति के प्रबंधक धनीराम साहू एवं धान खरीदी केंद्र के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे, इस दौरान सेवा सहकारी समिति शक्ति के प्रबंधक धनीराम साहू ने बताया कि आज वृक्षारोपण को लेकर लोगों में जागरूकता है।

सांसद विजय बघेल की अध्यक्षता में दिशा समिति की हुई बैठक

केंद्र सरकार की योजनाओं की जिले में प्रगति की समीक्षा, पारदर्शिता और समन्वय पर जोर

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के जिले में क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु आज कलेक्टोरेट के दिशा सभाकक्ष में लोकसभा सांसद विजय बघेल (दुर्ग) की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बैठक की शुरुआत में जिले में विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति और प्रगति की जानकारी सांसद बघेल को दी। बैठक मे खाद्य मंत्री सह नवागढ़ विधायक दयालदास बघेल, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू भी उपस्थित थे । बैठक के दौरान बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष सहित जिला अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

विभागवार योजनाओं की समीक्षा: कृषि, खाद्य, जल मिशन, मनरेगा पर विशेष जोर

बैठक की शुरुआत एजेंडा अनुसार विभागवार समीक्षा से हुई। सर्वप्रथम कृषि विभाग से जानकारी ली गई, जिसमें बघेल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत लाभान्वित किसानों की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि योजनाओं की पहुंच अंतिम पात्र हितग्राहियों तक सुनिश्चित करने हेतु नियमित शिविरों का आयोजन कर जन-जागरूकता बढ़ाई जाए। खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की प्रगति और तीन माह के राशन वितरण की स्थिति की समीक्षा की। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पीएचई विभाग से जिले में पाइपलाइन विस्तार, जल प्रदाय एवं वर्षा ऋतु को देखते हुए सभी घरों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग निर्माण के निर्देश दिए। मनरेगा, जल संरक्षण और अमृत सरोवर योजना की समीक्षा करते हुए सांसद ने कहा कि जल संचयन एवं वृक्षारोपण जैसे कार्य सतत रूप से चलते रहने चाहिए। जिला पंचायत सीईओ द्वारा चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास स्वीकृत किया जाए। सांसद ने लखपति दीदी योजना, स्वच्छ भारत मिशन, महिला-बाल विकास विभाग के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में रेडी टू ईट आपूर्ति की स्थिति की भी समीक्षा की।

जनहित योजनाओं की प्रगति पर समेकित जानकारी प्रस्तुत

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सर्व शिक्षा अभियान, मध्यान्ह भोजन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत जिले में चल रहे कार्यों की जानकारी जिला अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत की गई। सांसद बघेल ने कहा कि ये सभी योजनाएं जनता की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाने हेतु केंद्र सरकार की प्राथमिकता हैं, और इनके ि यान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास पर भी रहा फोकस

बघेल ने स्वास्थ्य विभाग से स्कूलों में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, सम्पूर्ण टीकाकरण, कुपोषण की स्थिति और बच्चों के लिए पोषण संबंधी प्रयासों की जानकारी ली। शिक्षा विभाग से पीएम योजना, शासकीय-अशासकीय स्कूलों में गणवेश एवं पुस्तकों के वितरण, शिक्षक उपलब्धता, पढ़ाई की स्थिति, व जर्जर भवनों की मरम्मत हेतु डीएमएफ व विधायक निधि से प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की आवश्यकता जताई। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा करते हुए लंबित पेंशन भुगतान, अपूर्ण कार्यों में आ रही कठिनाइयों, और ठेकेदारों द्वारा कार्यों में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। सांसद बघेल ने अधिकारियों से पारदर्शिता और समयबद्धता से कार्य करते हुए केंद्र की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की अपील की। साथ ही जनप्रतिनिधियों को भी योजनाओं के कार्यों की मॉनिटरिंग में भागीदारी निभाने को कहा, विशेषकर ग्रामीण एवं अंदरूनी क्षेत्रों में।

विधायक दीपेश साहू ने देवरबीजा में 65 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत देवरबीजा में दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया द्य जिसमे बतौर मुख्य अतिथि के रूप मे बेमेतरा विधायक शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 15 लाख की लागत से व्यावसायिक परिसर भवन एवं ?49 लाख 98 हजार की लागत से मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को दो बहुप्रतीक्षित सौगातें प्रदान की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा की भाजपा सरकार का मूल मंत्र है-सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जो योजनाएँ चल रही हैं, वे समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने का कार्य कर रही हैं। आज प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाखों गरीबों को पक्का घर मिला है, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसानों को सीधा आर्थिक सहयोग मिल रहा है, उज्ज्वला योजना से माताओं-बहनों को धुएँ से मुक्ति मिली है, जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुँचाया जा रहा है। महिलाओ के लिए महतारी वंदन जैसे योजनाए छत्तीसगढ़ विष्णुदेव साय की सरकार संचालित कर रही है । आयुष्मान भारत जैसी योजना ने गरीब से गरीब व्यक्ति को ?5 लाख तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा दी है। स्टैंड अप इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, मुद्रा योजना के माध्यम से युवा आज उद्यमी बनकर देश को आगे बढ़ा रहे हैं।हमारी सरकार की प्राथमिकता है-गांव, गरीब, किसान, महिला और युवा। में एक जनप्रतिनिधि के रूप में यह सुनिश्चित कर रहा हूँ कि बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक पात्र व्यक्ति इन योजनाओं से लाभान्वित हो। विधायक साहू ने कहा की जनता के लिए समर्पित हमारी सरकार की योजनाएँ आम नागरिक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बन रही हैं। कार्य म मे अवधेश सिंह चंदेल पूर्व विधायक एवं प्रदेश मंत्री भाजपा,खुशबू गोविंद वर्मा जिला पंचायत उपाध्यक्ष ,सेवाराम साहू मंडल अध्यक्ष देवरबीजा बलराम पटेल पूर्व मंडल अध्यक्ष बेरला ,प्रेमलता गुलाब मांडवी जनपद सदस्य बेरला ,सरपंच हेमलाल देवांगन ग्राम पंचायत देवरबीजा ,सचिन चिंताराम निषाद सचिव, नीरज राजपूत जनपद सदस्य बेरला लीलाराम साहू ,संतोष देवांगन कोमल देवांगन ठाकुर राम निर्माण का ईश्वर देवांगन राजकुमार राजपूत विजय राजपूत कन्हैया निर्मलकर लखन यादव शत्रुघ्न सेन विनोद देवांगन गेंदलाल देवांगन निर्मल देवांगन मीना साहू खेदिया साहू लता निर्मलकर शौखन बंजारे उर्मिला देवांगन निर्मला देवांगन सहित ग्राम वासी देवरबीजा उपस्थित रहे ।

बलौदाबाजार में मकून्स प्ले स्कूल का भव्य शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ◄ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

शाश्वत शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित शाश्वत स्कूल एवं शाश्वत लिटिल स्टार इंग्लिश मीडियम स्कूल के बाद बलौदा बाजार में अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्ले स्कूल मकून्स का भव्य शुभारंभ कर संस्था ने अपने बढ़ते कदम की ओर एक और नाम जोड़ दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एस एम उपाध्याय जी (सेवानिवृत्त प्राध्यापक) एवं डीपी जैन (सचिव पेंशन भोगी समिति) ने फीता काटकर की। इनके अतिरिक्त कार्यक्रम में विशेष अतिथि दिव्या गिरीश पटेल (अध्यक्ष शाश्वत शिक्षण समिति एवँ शाश्वत स्कूल संचालिका) सीताराम साहू प्राचार्य शाश्वत स्कूल बलौदाबाजार सुषमा वैष्णव (व्याख्याता हिंदी) रविंद्र शाह (व्याख्याता अंग्रेजी) सुशशि नामदेव (एल डी टी) विनोद शुक्ला (सचिव सर्व ब्राह्मण समाज रायपुर) आयोजक मकून्स के संचालक मनीष बरनवाल एवं पुरुषोत्तम जोशी मकून्स के प्राचार्य शिवम शुक्ला ,सुविभूति शुक्ला एवं मकून्स के सभी स्टाफ एवं बच्चे उपस्थित रहे। मकून्स प्ले स्कूल बलौदा बाजार जिले का एकमात्र ऐसा स्कूल है जहां 3 वर्ष से बच्चों का खेल के साथ पढ़ाई, पढ़ाई के अलावा अन्य क्रियाकलापों से बच्चों को जोड़ना, डिजिटल पढ़ाई के साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास स्कूल का उद्देश्य है।मकून्स प्ले स्कूल बलौदा बाजार जिले का एकमात्र स्कूल है जहां वाहन सुविधा कम शुल्क में उपलब्ध है।

महंत रामसुंदर दास ने धार्मिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण हेतु 'धर्म स्तंभ' के कार्यों की सराहना

दूधाधारी मठ के राजेश्री महंत रामसुंदर दास ने डॉ. सौरभ निर्वाणी का शाल ओढ़ाकर किया सम्मान

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति एवं मठ-मंदिर परंपरा के संरक्षण व संवर्धन हेतु किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करते हुए दूधाधारी मठ के राजेमहंत प्रकाण्ड विद्वान वेद ज्ञाता रामसुंदर दास जी ने धर्म स्तंभ काउंसिल के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सनातन प्रचारक डॉ. सौरभ निर्वाणी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। यह सम्मान डॉ निर्वाणी को दूधाधारी मठ परिसर में महंत रामसुंदर दास ने चौसठ महंत उत्सव के कार्यक्रम के एक विशेष भेंटवार्ता के अवसर पर किया,राजेमहंत रामसुंदर दास ने डॉ. सौरभ निर्वाणी के द्वारा छत्तीसगढ़ सहित देशभर में सनातन चेतना के विस्तार हेतु किए जा रहे कार्यों को युग धर्म की संज्ञा देते हुए कहा कि आज का समय आध्यात्मिक पुनर्जागरण का है। युवा प्रचारकों को मठों व मंदिरों से जुड़कर समाज को दिशा देनी चाहिए। डॉ. सौरभ निर्वाणी जैसे युवाओं की सक्रियता सनातन परंपरा के उवल भविष्य की ओर संकेत करती है। वहीं धर्म स्तंभ काउंसिल के डॉ रविन्द्र द्विवेदी ने बताया कि 'धर्म स्तंभ' का उद्देश्य न केवल धार्मिक चेतना का विस्तार है, बल्कि भारतीय जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना भी है। धर्म स्तम्भ प्रतिबद्ध है । मठ-मंदिर संरक्षण अभियानः प्राचीन मंदिरों, मठों और धार्मिक धरोहरों के जीर्णोद्धार, जागरूकता एवं सेवा कार्य। सनातन शिक्षा व अध्यात्म प्रचार। गुरुकुल परंपरा, वेद-पुराण, उपनिषद व गीता पर आधारित अध्ययन केंद्रों की स्थापना। युवा सनातन नेतृत्व निर्माण युवाओं में सनातन मूल्यों, धर्मशास्त्र, नीति और परंपराओं के प्रति जागरूकता एवं प्रशिक्षण। धर्माचार्यों व साधु-संतों से संवाद। अखाड़ों, पीठों और मठों से सतत संपर्क एवं समन्वय स्थापित कर परंपरा को जीवंत बनाना। वंचित क्षेत्रों में धार्मिक-सांस्कृतिक नवजागरण जनजातीय, ग्रामीण और सीमांत क्षेत्रों में धर्म-संस्कृति आधारित सेवा व जागरूकता। डॉ. सौरभ निर्वाणी ने राजेमहंत रामसुंदर दास का आभार व्यक्त करते हुए कहा यह एक अनुभोक्ता की अनुभवशील वाणी है, जिनका जीवन ही अध्यात्म सनातन और धर्म को प्रतिपल समर्पित है सभी सनातन मतावलंबियों के लिए अनुकरणीय है उनका आशीर्वाद ही सबसे बड़ा सम्मान है और यह सम्मान मेरे लिए नहीं, बल्कि धर्म स्तंभ से जुड़े हर उस सेवक के लिए है जो मठ-मंदिरों के संरक्षण, सनातन धर्म के प्रसार और भारत की आध्यात्मिक चेतना को पुनः जाग्रत करने के लिए समर्पित है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आने वाले महीनों में धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रमुख मठ-मंदिरों में 'सनातन संवाद यात्रा' चलाई जाएगी, जिसमें संत-धर्माचार्यों से भेंट कर समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का प्रयास किया जाएगा,इस अवसर पर अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ के युवा इकाई के अध्यक्ष राघवेंद्र दास सहित सेवा संघ के सदस्य भी उपस्थित रहे ,यह जानकारी धर्म स्तंभ कौंसिल के डॉ रवींद्र द्विवेदी ने साझा की है ।

सरकार चाह रही है कि किसानों का धान के अलावा अन्य फसलों में भी रुझान हो इसीलिए अन्य फसलों में 11 हजार प्रोत्साहन राशि दी जाएगी : चंद्रहास चंद्राकर

छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर के प्रथम बालोद आगमन पर भाजपाइयों ने किया भव्य स्वागत

पायनियर संवाददाता ◄ बालोद
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर के गुरुवार को बालोद जिले के प्रथम दौरे पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। जिला भाजपा कार्यालय में नियुक्ति के पश्चात उनके प्रथम आगमन पर आतिशबाजी और पुष्पवर्षा के साथ आत्मीय अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय में परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें चंद्रहास चंद्राकर ने बालोद जिले से अपने पुराने जुड़ाव को साझा करते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन और जनसेवा में निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बिना अपेक्षा के सेवा करने से प्रसिद्धि और समृद्धि स्वतः प्राप्त होती है। इसके पश्चात वे चुरंगिया भवन में आयोजित किसान संगोष्ठी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान 150 से अधिक जिले के पंजीकृत बीज उत्पादक किसान मौजूद रहे। जिनके साथ अध्यक्ष ने परिचर्चा की। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों की उपज को सुरक्षित रखने के लिए गामा रिएक्टर प्लांट जैसी आधुनिक तकनीकों को जल्द लागू किया जाएगा। बीज निगम से जुड़ी समस्याओं को भी गंभीरता से लेते हुए अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालते ही नोटशीट जारी की जा चुकी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसानों को अधिक मुनाफा दिलाने हेतु हर संभव प्रयास किए जाएंगे। वही उन्होंने किसानों की समस्या और मांग सुनी, और जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया। इस बीच उन्होंने बीज निगम के गोदाम का निरीक्षण किया, चने का ग्रेडिंग की पॉलिश देखे हैं। किसान संगठन के अध्यक्ष तिजुराम देवांगन उपस्तिथ रहें।

अन्य फसल लेने पर मिलेंगे 11 हजार प्रोत्साहन की राशि

इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने मीडिया से मुखातिब होते हुए बीते दो वर्षो से बीज के दामों में 10 से 15 प्रतिशत की हुई बढ़ोत्तरी मामले में कहा कि सरकार धान के अलावा अन्य फसल लेने पर 11 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने वाली है। जैसे धान के फसल में 19 हजार बोनस सरकार दे रही है, वैसे ही अन्य फसलो में 11 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा मंत्रिमंडल में हुई है। वही इस दौरान अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर की जुबान फिसल गई, उन्होंने कहा कि ज्यादा पैसों के लालच में किसान धान पैदा कर रहे है। हालांकि बात को संभालते हुए फिर उन्होंने कहा कि इसे लालच नही कहा जा सकता, क्योंकि आर्थिक मामला होता है। उन्होंने कहा कि सरकार चाह रही है कि किसानों का धान के अलावा अन्य फसलों में भी रुझान हो। इसीलिए अन्य फसलों में प्रोत्साहन राशि देने की बात हुई है। इस दौरान भाजपा के जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख, पूर्व जिला अध्यक्ष पवन साहू, कृष्णकांत पवार, लेखराम साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत जैन, पूर्व विधायक विरेंद्र साहू, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राकेश यादव, भाजपा महामंत्री राकेश छोटू यादव, सौरभ लुनिया, सहित तमाम भाजपा नेता, जनप्रतिनिधिगण, और किसान मौजूद रहे।

कुम्हारी नगरपालिका परिषद से स्वच्छता हेतु शपथ ग्रहण कर नई स्वच्छता गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर कराया गया प्रस्थान

पायनियर संवाददाता ◄ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

भारत सरकार द्वारा दिनांक 01 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक सफाई अपनाओ- बीमारी भगाओ अभियान 2025 का आयोजन किया जा रहा है, जिसके परिपालन में आज नगरपालिका परिषद कुम्हारी में सफाई अपनाओ- बीमारी भगाओ अभियान 2025 का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ शासन के स्वच्छता एप द्वारा प्रदत्त जानकारी के साथ में गीला कचरा सूखा कचरा को अलग-अलग कर नगर को स्वच्छ एवं सुंदर रखने के लिए पालिका परिसर में शपथ दिलाकर किया गया । तत्पश्चात् नगरपालिका अध्यक्षा मीना वर्मा तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेतराम चंद्राकर द्वारा नए स्वच्छता गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य डेगु मलेरिया चिकनगुनिया आदि रोगों के रोक थाम हेतु सतत् स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करते हुए नागरिकों को जल जनित तथा वेक्टर जनित रोगों के रोक थाम हेतु स्वच्छता को एक सचेत प्रबुद्ध एवं प्रभाव विकल्प के रूप में चयनित करने हेतु प्रोत्साहित किया जाना है । मुख्यतः 6 बिंदुओं पर आधारित स्वच्छ हाथ, स्वच्छ घर, स्वच्छ पड़ोस, स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ नालिया एवं जल निकाय । कार्यक्रम में बीमारी से बचने और आस पास को स्वच्छ बनाए रखने हेतु उपाय बताए गए । सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान -2025 का उद्देश्य मिशन के आदर्श सिद्धांत स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता को आगे बढ़ाना है । गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी द्वि-आयामी दृष्टिकोण पर जोर है, जिसमें नागरिकों और शहरी स्थानीय निकायों को मानसून से पहले एवं मानसून के अन्तर्गत बेहतर स्वच्छता व्यवस्थाएं अपनाने को प्रेरित करना सम्मिलित है, ताकि जल जनित और वेक्टर जनित बीमारियों को फैलने से रोका जा सके । साथ ही नगर पालिका अध्यक्षा मीना वर्मा द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि सार्वजनिक स्थल को स्वच्छ बनाए रखकर और विशेषकर बच्चों में नियमित रूप से हाथ धोकर जल एवं वेक्टर जनित बीमारियों को रोकें, हर समय उचित एवं स्वच्छ शौचालय की आदतें बनाए रखें, नालियों को जाम न होने दें, अपने आस-पड़ोस में कचरा न डालें, घर के अंदर पानी जमा होने से रोकें, कूड़ा-कचरा फैलाने से बचें और सार्वजनिक स्थानों पर सूखे-गीले कचरे के लिए अलग-अलग कूड़ेदान के प्रयोग को प्रोत्साहन दें । उक्त कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेतराम चंद्राकर, समस्त पार्षद गण एवं स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं जन भागीदारी, जिला समन्वयक गौरव केशरवानी एवं समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे ।

किसान जवान संविधान जनसभा को राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे करेंगे संबोधित, पूर्व विधायक वोरा ने बैठक लेकर दी जानकारी

पायनियर संवाददाता ◄ बालोद
www.dailypioneer.com

गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक का आयोजन ज़िला मुख्यालय बालोद स्तिथ राजीव भवन में किया गया, उक्त बैठक में सोमवार 7 जुलाई को रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में सुबह 11 बजे आयोजित किसान जवान संविधान जनसभा को लेकर चर्चा कर जानकारी साझा की गई। बैठक में दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा बालोद जिला के प्रभारी के रूप में उपस्थित रहे, बालोद विधानसभा के प्रभारी मेहुल मारु एवं डौंडीलोहारा के प्रभारी के रूप में अयूब खान उपस्थित रहे। बैठक में से अरुण वोरा ने किसान जवान संविधान जनसभा के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया की जनसभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणु गोपाल संबोधित करेंगे। उन्होंने बैठक में मौजूद कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों से जनसभा में ज्यादा से ज्यादा किसानों को साथ लाने की बात कही। बैठक को गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला कांग्रेस कमेटी बालोद के अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी, अयूब खान, मेहुल मारू एवं प्रशांत वाला बोकाडे ने संबोधित किया। बैठक में जिला आदिवासी कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष लता कोर्राम का सम्मान किया गया। बैठक का संचालन महामंत्री रतिराम कोसमा ने किया। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक भैया राम सिन्हा, पुरुषोत्तम पटेल, रामजी भाई पटेल, कृष्णा दुबे, मिथलेश निरोटी, राजाराम ताराम, भोलाराम देशमुख, राजू प्रभाकर, गिरीश चंद्राकर, तामेश्वर साहू, भोजराज साहू, संतु राम पटेल, कोमेश कोर्राम, गोपाल प्रजापति, अंचल साहू, अनिल यादव, कांति भूषण साहू, कोदूराम दिल्लीवार, टोमन साहू, ओमकार महमल्ला, युवराज साहू, प्रतिभा भोमिया, गुलशन चंद्राकर, मीना साहू, रुपेश यादव, भूपेश नायक, युवराज साहू, चमेली साहू, रवि जायसवाल, संतोषी ठाकुर, सुचित्रा साहू, जय प्रकाश यादव, हेमंत कुमार यादव, अनिल चेनानी, कासीमुद्दीन कुरैशी, विनोद शर्मा, रवि जायसवाल, प्रेमचंद क्षीरसागर, शेख मतीन, शादिक अली सहित कांग्रेस के जिला एवं ब्लॉक के तमाम मुख्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बिरकोनी में स्वागत

महासमुंद। रायगढ़ जिले के दौरे पर जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बिरकोनी एनएच- 53 पर स्वागत किया। इस दौरान सीएम को उन्होंने जिले की गतिविधियों से अवगत कराया। स्वागत के दौरान मुख्य रूप से पूर्व सभापति जिला पंचायत अमर अरूण चंद्राकर, ग्रामीण अध्यक्ष ढेलु निषाद, युकां जिलाध्यक्ष अमन चंद्राकर, राहुल यादव संतोष धीवर, युवराज साहू, अनुराग चंद्राकर, अक्षय साकरकर, आकाश निषाद, डिगेश्वर सत्यम, मनोज ढीढी, चमन मारकंडे, बाबूलाल, केके साहू, इंदु पटेल, ताम्रज निषाद, डीजे मांडले, सूरज राजपूत, संजय पटेल, पवन सेन, मुकेश पटेल, कुबेर युगर सहित बिरकोनी, बड़गांव, घोड़ारी, बेलटुकरी, अमावश, कांपा एवं आसपास के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजेश कुमार सिंघानिया आ. श्री दामोदर लाल सिंघानिया, निवासी-बेमेतरा, जिला बेमेतरा (छ.ग.) शपथ करता हु कि अपना पुराना नाम की स्थान पर नया नाम राजेश सिंघानिया रख लिया हु। सभी शासकीय, अर्ध शासकीय दस्तावेजों, जन साधारण में मुझे राजेश सिंघानिया आ. श्री दामोदर लाल सिंघानिया नाम से जाना जाएं।

राजेश सिंघानिया
आ. दामोदर लाल सिंघानिया
बेमेतरा जिला
बेमेतरा-491335 (छ.ग.)

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
Main Portal : http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO.:- 24/ZONE 07/2025 **RAIPUR DATED : 02/07/2025**
Online bids are invited for the following works up to **28/07/2025 at 17:30 hours.**

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/ Description of work	Probable amount of contract (in Lacs)
1	171493	शहीद चूडामणि नायक वार्ड क्रमांक 37, जोन-07, रायपुर छ.ग. के अंतर्गत आमापारा में स्थित कारी तालाब उद्यान के सौंदर्यीकरण कार्य।	25.00

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in form 02.07.2025, **17.30 Hours (IST)** on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal NIT Details and other documents.

NOTE :-
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement Portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electrocnic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID **helpdesk.erpoc@cgswan.gov.in**

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE 07
MUNICIPAL CORPORTATION
RAIPUR (C.G.)

निर्माण कार्यों सहित सभी कार्यों में ई चालान, ई नोटिस जारी किये जायेंगे

नागरिकों के लिए नगर निगम के कार्य अधिक सुविधायुक्त, सहज और सुलभ बन सकेंगे

आयुक्त विश्वदीप ने मुख्य मार्गों, शौचालयों, बाजारों की सफाई व्यवस्था पर विषेष ध्यान देने दिये निर्देश

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम मुख्यालय महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में समय सीमा बैठक लेकर अधिकारियों को विभिन्न कार्यो के संदर्भ में आवश्यक निर्देश दिये। अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, यू.एस. अग्रवाल, पंकज के. शर्मा, विनोद पाण्डेय, कृष्णा खटीक, अधीक्षण अभियंतादव्य, उपायुक्तगणों, जोन कमिश्नरों, नगर निवेशक, स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यपालन अभियंताओं, विभागो के प्रभारी अधिकारियों, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में आयुक्त ने निर्देशित किया कि अब नगर निगम रायपुर द्वारा राजधानी शहर में नागरिकों के नगर निगम से संबंधित कार्यो को और अधिक सुलभ, सहज और सुविधायुक्त बनाने एवं तेजी से कार्य करने ई चालान, ई नोटिस जारी करने का कार्य किया जाये। सभी निर्माण कार्यो सहित समस्त कार्यो के लिए ई नोटिस एवं ई चालान जारी करने के निर्देश दिये गये है। आयुक्त विश्वदीप ने निर्देशित किया कि ई चालान की व्यवस्था प्रभावी तरीके से की जाये। आयुक्त ने नगर निवेशक को निर्देशित किया कि निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग द्वारा नक्शा स्वीकृति से लेकर दी जाने वाली सभी स्वीकृति एवं नोटिस को आनलाईन करवाने की व्यवस्था करवाये। इस आधार पर उन सम्बंधित सभी निर्माण कार्यों की ऑनलाइन समीक्षा की जा सकेगी। इससे निर्माण कार्यो की प्रगति के संदर्भ में नगर निगम के अभियंताओं सहित आर्किटेक्ट द्वारा भी आवश्यक ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा सकेगी। आयुक्त ने अधोसंरचना मद संधारण मद, विधायक निधि, विविध निधियों के विकास कार्यो को सतत मॉनिटरिंग कर समयसीमा में गुणवत्ता सहित पूर्ण करवाने के निर्देश दिये है। आयुक्त ने मुख्यमंत्री जनदर्षन, कलेक्टर जनदर्शन निदान 1100, जनप्रतिनिधियों से प्राप्त आमजनों के जनसमस्याओं से सम्बंधित प्राप्त सभी आवेदनो को गंभीरता से लेकर उनका निदान त्वरित रूप से करने के निर्देश दिये है। आयुक्त ने शौचालयो, तालाबों, प्रमुख मार्गो, बाजारों की अच्छी सफाई व्यवस्था कायम करने के निर्देश दिये हैं। आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरों और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रतिदिन निरीक्षण कर अच्छी सफाई व्यवस्था करने के निर्देश दिये है। अन्यथा की स्थिति में जवाबदेही तय कर सम्बंधित अधिकारियों पर नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत कड़ी कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई। आयुक्त ने कहा कि मुख्य मार्गो, बाजारो, शौचालयो में कही भी गंदगी और कचरा बिखरा हुआ नहीं दिखना चाहिए यह मॉनिटरिंग करते हुए जोन कमिश्नर एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी प्राथमिकता के साथ करवा लें। आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरों को जोनवार जलभराव के क्षेत्रो की जानकारी देने के निर्देश दिये एवं जलभराव की समस्या ना हो, इस हेतु आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया। आयुक्त ने नगर निवेशक को निर्देश दिये कि मुख्य बाजारों में दुकानो के बाहर सडक पर सामान निकालकर रखने वाले दुकानदारों की दुकानों से सम्बंधित मुख्य सड़क मार्गो और जन असुविधा की वीडियोग्राफी करवाकर ई चालान की कार्यवाही संबंधितों पर लगातार करें।

दक्षिण विधायक सुनील सोनी निगम जोन 6 कार्यालय पहुंचे, कार्यों के पूर्ण नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की

- व्यक्तिगत कार्यों हेतु आने वाले नागरिकों को अधिकारी घुमाना फिराना बन्द करें और वार्डों को अतिक्रमण से मुक्त करके व्यवस्थित करें

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी नगर निगम रायपुर के जोन 6 के भाठागांव बस स्टैण्ड परिसर स्थित जोन कार्यालय पहुंचे एवं रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के तहत जोन 6 के वार्डो के कार्यो की प्रगति की जानकारी लेकर समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये। दक्षिण विधायक ने पूर्व में रायपुर नगर निगम आयुक्त की उपस्थिति में दक्षिण विधानसभा के कार्यो की समीक्षा कर दिये गये निर्देशों के पालन की स्थिति की जानकारी जोन कमिश्नर से ली एवं कुछ कार्यो के लंबित होने की जानकारी पर गहन नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल कार्यवाही करने के आवश्यक निर्देश दिये। इसमें विद्युत पावर कंपनी से संबंधित कार्यो के लंबित होने पर दक्षिण विधायक ने तत्काल संबंधित विद्युत पावर कंपनी अभियंताओं को मोबाईल पर चर्चा कर कार्यवाही हेतु आवश्यक निर्देश जनहित में दिये। दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने कहा कि वे नियमित रूप से हर माह नगर निगम जोन 6 कार्यालय आकर रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के कार्यो की प्रगति की जानकारी लेकर पार्षदो के साथ बैठकर वार्डवार आवश्यक समीक्षा जोन आफिस में बैठकर करेंगे एवं जनहित में स्वयं समीक्षा कर विकास कार्यो को गतिमान रूप प्रदान करवायेंगे। विकास कार्यो के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही व हीला हवाला कदापि सहन नहीं किया जायेगा। दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने जोन अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे व्यक्तिगत कार्यो आय प्रमाणपत्र, जाति प्रमाण पत्र, अन्य कार्यो हेतु जोन में आने वाले नागरिकों को घुमाना फिराना बन्द करें और उनके कार्यो को तत्काल प्राथमिकता से करें, वहीं वार्ड पार्षदो से समन्वय बनाकर आम जनता के सफाई पानी स्ट्रीट लाईट से संबंधित सभी कार्यो को जोन के अंतर्गत सभी वार्डो में जाकरतत्काल प्राथमिकता से करवाये। यह व्यवस्था करें कि वार्ड पार्षदो को वार्डो के नागरिकों को अपने व्यक्तिगत छोटे छोटे कार्यो हेतु नगर निगम एवं जोन कार्यालय के चक्कर ना लगाना पडे, उनके काम प्राथमिकता से हों, वहीं सभी वार्डो को अतिक्रमण से मुक्त करवाकर अच्छी व्यवस्था कायम करें।

जंगल बचाते हुए विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने का सफल प्रयोग, जनकपुर तहसील के 142 गांवों को लाभ

22.50 करोड़ रु. लागत से 132 केवी उपकेंद्र एमडी शुक्ला द्वारा ऊर्जीकृत

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

बहरासी (जनकपुर) जिला मनेन्द्रगढ़ में नवनिर्मित 1.40 एमवीए, 132/33 केवी उपकेंद्र को प्रबंध निदेशक, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी आरके शुक्ला द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। इस उपकेंद्र व संबंधित पारेषण लाइन का निर्माण 22.50 करोड़ रुपए की लागत से किया गया। सघन वनक्षेत्र होने के कारण यहां 100 किमी लंबी लाइन बिछाने पर बहुत सारे वृक्षों को काटना पड़ता इससे बचने के लिए बहरासी के पास से निकलने वाली मध्य प्रदेश पारेषण कंपनी की 132 केवी अमरकंटक राजमिलान के माध्यम से 132 केवी सप्लाई प्राप्त की गई है। इस तरह वन बचाते हुए की गई व्यवस्था से नया उपकेंद्र ऊर्जीकृत होने से जनकपुर तहसील के लगभग 142 गाँवों के 15 हज़ार विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिलेगी। जनकपुर तहसील के विद्युत उपभोक्ताओं को वर्तमान में विद्युत आपूर्ति मनेंद्रगढ़ से 33 केवी लाइन से हो रही थी जो कि 100 किमी लंबी है। सघन वन क्षेत्र में स्थित होने के कारण लो-वोल्टेज की व फॉल्ट की स्थिति में लंबे विद्युत व्यवधान की समस्या बनी रहती थी। इस उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने से विद्युत प्रदाय की स्थिति में सुधार होगा। इस उपकेंद्र के लिए 132 केवी लाइन राज्य में स्थित 132 केवी मनेंद्रगढ़ उपकेंद्र से लाने में सघन वन क्षेत्र में वृक्ष विदोहन करना पड़ता अतः पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए बहरासी के पास से निकलने वाली मध्य प्रदेश पारेषण कंपनी की 132 केवी अमरकंटक राजमिलान के माध्यम से 132 केवी सप्लाई प्राप्त की गई है। इस कार्य में एमपीपीटीसीएल व एमपी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशकों व अधिकारियों का विशेष सहयोग मिला।

इस कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक संजय पटेल, वीके दीक्षित, कल्पना घाटे, मुख्य अभियंता संजय तिवारी, यशवन्त शिलेदार, अति मुख्य अभियंता पी गोसाई, एसके दुबे, अधीक्षण अभियंता राजेश लकड़ा, कंवर और वितरण तथा पारेषण कंपनी कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता उपस्थिति थे।

अग्रसेन महाविद्यालय का 23 वां स्थापना दिवस संपन्न

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

किसी महाविद्यालय के दो दशकों से अधिक की यात्रा बताती है कि किस शिद्दत से महाविद्यालय की नींव रखी गई है। ये बातें कहीं पं रविशंकर शुक्ल विश्व विद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस के पाण्डे ने। अवसर था पुरानी बस्ती स्थित अग्रसेन महाविद्यालय में स्थापना दिवस समारोह का। इस अवसर पर ग्रीष्म कालीन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के निदेशक डॉ. वी.के. अग्रवाल ने कहा कॉलेज छोटे जगह पर खोला तब सबने संशय किया था पर हमारे ख्वाब बड़े थे। हमारे शिक्षकों के प्रयास से अच्छे परिणाम आज हमारे महाविद्यालय की पहचान है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अग्रवाल समाज के केंद्रीय ईकाई के अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने कहा कि जिन्होंने इस कॉलेज का बीज रोपण किया वो और जिन्होंने माली की तरह इसे पल्लवित किया दोनों बधाई के पात्र हैं। स्वागत भाषण देते हुए अग्रसेन शिक्षण समिति के कोषाध्यक्ष अजय दानी ने कहा कि बीकॉम के चार छात्रों से शुरू हुई यात्रा पंद्रह विषयों के साथ सात सौ से अधिक छात्रों तक पहुंच गई है। प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अमित अग्रवाल ने आभार देते हुए कहा कि ग्रीष्मकालीन प्रतियोगिता के विजेताओ को बधाई साथ ही उन्होंने महाविद्यालय के संस्थापक सदस्यों को याद करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ. यूलेंद्र राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि कौशल विकास के प्रशिक्षकों और विद्यार्थीयों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय में वर्ष भर एनएसएस के छात्र अपनी सेवाएं महाविद्यालय के विभिन्न आयोजन में देते हैं।

उन छात्रों को और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संचालन प्रबंध विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शोभा अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम प्रभारी अभिनव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज से डॉ मधुलिका अग्रवाल, प्राचार्य शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी, सुनील अग्रवाल, अनुपम अग्रवाल, शशिर अग्रवाल, नीरज अग्रवाल समेत महाविद्यालय के प्राध्यापक और छात्र उपस्थित रहे।

भरे बरसात मे भी शिवनाथ नदी की कलकल करती धारा खामोश

पायनियर संवाददाता < भाटापारा
www.dailypioneer.com

जीवनदायिनी शिवनाथ नदी बरसात के आरंभ होने के बाद भी इस नदी का धारा प्रवाह रुका हुआ है व कई जगह नदी सूखा भी दिख रहा है पहले के समय मे बरसात मे नदी कलकल करती धारा के साथ बहती थी परंतु आज के परिदृश्य जुलाई माह के लग जाने के बावजूद ऐसा नही देखा जा रहा है इस मौसम मे जिस नदी के किनारे मवेशी घास चरते नजर आते थे आज वही इस भरे बरसात के सीजन मे नदी के बीचों बीच विचरण करते देखे जा सकते है।

शिवनाथ नदी का अस्तित्व को खतरा, दोहण व शोषण मुख्य कारण-गौरतलब है कि सन 2025 के इस भीषण गर्मी मे शिवनाथ नदी पूरी तरहा से चुकी थी जो कि बुजुर्गों से जानकारी लेने पर बताया गया कि शिवनाथ नदी मे सूखे कि ऐसे बुरी स्थिति हमने कभी नही देखी थी जो आज के समय मे देखना पड रहा है गौरतलब है कि शिवनाथ नदी का उदगम स्थल महाराष्ट्र के गढचिरौली जिला है यहाँ से बहते हुये हुये बलौदाबाजार जिले के शिवनारायण के महानदी मे समाहित होता है सदियों से यह जीवनदायिनी नदी जीव जंतु प्रकृति मानव जगत जीवन देती है परंतु लगातार इनके दोहण व शोषण के कारण यह नदी अपने अस्तित्व कि लडाई लड रही है।

बिचित्रानंद पंडा अंतर्राष्ट्रीय समाचारों पर अनुसंधान के लिए पीएचडी से सम्मानित

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

एमिटी यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़ ने डिजिटल मीडिया के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय समाचारों पर अपने शोध के लिए बिचित्रानंद पंडा को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि से सम्मानित किया है। उनका शोध प्रबंध भारतीय डिजिटल मीडिया में अंतर्राष्ट्रीय समाचारों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन शीर्षक से डॉ. कुन्नाथुल्ली नकुलन किशोर के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस शोध प्रबंध को केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर के डायस्पोरा अध्ययन केंद्र में मीडिया और संचार के प्रोफेसर डॉ. अतनु महापात्र और एसजीआरआर विश्वविद्यालय, देहरादून के जन संचार विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुलश्रेष्ठ जैसे शिक्षाविदों द्वारा सराहा गया। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. (डॉ.) पीयूष कांत पांडे एवं कुलसचिव डॉ. सुरेश ध्यानी ने शोधार्थी को बधाई दी। अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए पांडा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, भाई, बहन और विशेष रूप से अपनी पत्नी और बेटी को दिया, जिन्होंने उनकी शोध यात्रा के दौरान उन्हें अटूट सहयोग दिया।

नथिंग ने भारत में अपना पहला ट्रू फ्लैगशिप नथिंग फोन (3) और पहला ओवर-ईयर ऑडियो प्रोडक्ट हेडफोन 1 लॉन्च किया

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

लंदन स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग ने भारत में दो श्रेणी-परिभाषित उत्पादों के लॉन्च की घोषणा की नथिंग फोन (3), इसका पहला ट्रू फ्लैगशिप स्मार्टफोन, और नथिंग हेडफोन (1), इसका पहला ओवर-ईयर ऑडियो उत्पाद है। दोनों उत्पाद इनटेंशनल डिज़ाइन और बोल्ड इनोवेशन के साथ उपभोक्ता तकनीक की पुनर्कल्पना करने के नथिंग के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। नथिंग फोन (3) स्मार्टफोन परफॉरमेंस और एक्सप्रेशन के एक नए युग की शुरुआत करता है। इसे टेक फील महसूस कराने के लिए डिजाइन किया गया है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

रायपुर। डॉक्टर्स डे के उपलक्ष में डॉ.सर्वजीत कौर (होम्योपैथिक फिजिशियन) द्वारा क्लीनिक में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें निःशुल्क रक्त जांच की भी सुविधा उपलब्ध थी। डॉ. कौर रोगियों को बीमारी से बचने के लिए डिफिशिएंसी डिजीज पर गौर करने की और पौष्टिक आहार पर ज्यादा फोकस करने की सलाह देती हैं।

पूनम अग्रवाल का निधन

रायपुर। रायपुर निवासी पूनम अग्रवाल धर्मपत्नी हर्षवर्धन अग्रवाल का स्वर्गवास 03 जुलाई गुरूवार को हो गया है, ईश्वर उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें। उनकी अंतिम यात्रा शुक्रवार 04 जुलाई सुबह 11 बजे जवाहर नगर निवास स्थान रायपुर से मारवाड़ी मुक्तिधाम जाएगी।

यज्ञशाला मे श्रद्धांजलि सभा एवं पौधारोपण

यज्ञाचार्य कन्हैयाधर दीवान को सरयू साहित्य द्वारा श्रद्धांजलि अर्पण, स्मृति मे किया गया पौधारोपण

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

विद्वता एवं ज्ञान मे जब सादगी एवं सरलता का समावेश हो जाता है तब अंकुरित होता प्रेरणा का वह अमूल्य पुंज जिससे समूचा जन लाभांवित होता है, यज्ञाचार्य कन्हैयाधर दीवान ऐसे ही व्यक्तित्व थे जिनकी गहन विद्वता एवं धर्मपरायणता सादगी एवं सरलता के समावेश से विविध आयामों के अंकुरण के रुप मे क्षेत्र को लाभांवित कर गयी।

यज्ञशाला मे हुई श्रद्धांजलि सभा-भाटापारा मे जिनकी प्रेरणा से प्रतिवर्ष महायज्ञ के रुप मे विराट आयाम की स्थापना हुई तथा यज्ञशाला की पुण्यभूमि का उदय हुआ जहां समय समय पर अन्य रचनात्मक आयोजन भी संपादित होते रहतें है। वहीं सरयू साहित्य परिषद जैसी रचनात्मक संस्था के रचनात्मक कार्यो मे सदैव उत्साह हौसला मार्गदर्शन के प्रमुख आधार रहे यज्ञाचार्य कन्हैयाधर दीवान नगर वासियों के साथ किसी न किसी रुप मे जुड़े रहे, सरयू साहित्य परिषद द्वारा यज्ञशाला मे आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे लोगों की भावअभिव्यक्ति एवं उनसे जुड़े स्मरण एवं चर्चा के रुप मे उभर कर सामने आयी।

विचार एवं स्मरण अभिव्यक्ति की कड़ी-पत्रकार मुकेश शर्मा के संचालन मे आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे विचार एवं स्मरण अभिव्यक्ति की कड़ी मे परिषद के अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा द्वारा विस्तार से गुरुदेव के साथ जुड़े संस्मरणो एवं उसके साथ बिताए पलों की चर्चा करते हुए उनके द्वारा बताया गया कि किस तरह उनका प्रोत्साहन सदैव परिषद के कार्यो को मिलता रहा है, गुरुदेव के स्वप्न को साकार करने मे अहम भूमिका निभाने वाले तथा एक शिष्य का आचरण करते हुए उनके विचारों का अनुसरण करने मे सतत सक्रिय रहे संतोष पाण्डेय की भावअभिव्यक्ति भी उभर कर सामने आयी।

स्मृति मे हुआ पौधारोपण -गौरतलब है कि संतोष पाण्डेय एवं उनकी टीम गुरुदेव के बहुत ही निकट थी और उन्हे पुत्रवत स्नेह प्राप्त था,अतः स्मरण को सदैव जीवंत बनाए रखने के उददेश्य से यज्ञशाला प्रांगण मे समस्तजनों की उपस्थिति मे संतोष पाण्डेय के करकमलों से आंवला पौधे का रोपण किया गया, विचार अभिव्यक्ति स्मरण चर्चा एवं पौधारोपण की कड़ी संपन्न होने के उपरांत परिषद के सदस्यों, यज्ञशाला प्रांगण मे अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों तथा अन्य समस्त जनों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत दिव्य आत्मा को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी श्रद्धांजलि सभा मे पं दुर्गा प्रसाद तिवारी, हरिहर शर्मा, पत्रकार शंकरलाल सोनी, लखनलाल शर्मा, मानिक प्रसाद मोनू दुबे, आर्यन स्वर्णकार, प्रकाश तिवारी, दिनेश शर्मा आदि प्रमुख रुप से उपस्थित रहे।

जिले के दिलहरण पटेल ने 21 वी छत्तीसगढ़ स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता कांस्य

भाटापारा। छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 21वीं स्टेट सीनियर पुरुष महिला एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 27 से 29 जून तक रायपुर कोटा स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में किया गया, जिसमें प्रदेश भर से 300 से अधिक खिलाड़ी एवं 100 ऑफिशियल्स ने भाग लिया। बलौदा बाजार भाटापारा जिले का प्रतिनिधत्व करते हुए ग्राम रवान के दिलहरण पटेल ने 4*100 मी रिले रेस में कांस्य पदक अपने नाम किया, इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के चैयरमैन जीएस बाम्बरा छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स एसोसिएशन अध्यक्ष महेंद्र आहूजा आयोजन समिति अध्यक्ष सौरभ लुनिया सह सचिव रवि शंकर धनकर, आदित्य सिंह रितिका यादव गौतम गोलछा जिला एथलेटिक्स संघ चैयरमैन अनुपम अग्रवाल, जिला खेल अधिकारी प्रीति बंछोर, शरद पंसारी वर्षा मिरी, गौतम मिरी ने विजेता खिलाड़ि को शुभकामनाएं देकर उज्वल उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जलभराव की समस्या दूर करने नाली निर्माण हेतु जोन अध्यक्ष, पार्षदो सहित किया भूमिपूजन

रायपुर। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर निगम जोन 9 के अंतर्गत रानी लक्ष्मी बाई वार्ड क्रमांक 10 के अमननगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या को दूर करने लगभग 25 लाख रू. की लागत से नाली निर्माण का कार्य श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर जोन 9 अध्यक्ष गोपेश साहू, पार्षद देवदत्त द्विवेदी, मोहन साहू, जोन 9 के अधिकारियों, क्षेत्र के निवासी गणमान्यजनो, महिलाओ, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवको, आमजनो की बडी संख्या में उपस्थिति के मध्य भूमिपूजन करते हुए प्रारंभ करवाया इसके साथ ही खराब सडक को मरम्मत कर सुधारने आवश्यक कार्य भी प्रारंभ करवाया गया। अमन नगर में जलभराव की जनसमस्या को दूर करने निजी भूमि में नाली निर्माण करने सम्बंधित भूमि स्वामी ने अपनी भूमि को देने सहमति प्रदान की । इसके उपरांत कार्य प्रारंभ हुआ। इससे अमननगर में जलभराव की समस्या का जनहित में निदान हो सकेगा और सुगम निकास कायम किया जा सकेगा। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने कार्य को शीघ्र प्रारंभ करवाकर तय समय सीमा में गुणवत्तायुक्त तरीके से पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं।

खादय विभाग की मौन स्वीकृति : आप शहर में 6 जगहों पर बेच सकते हैं गरीबों का चावल, सुबह से शाम शटर ओपन... बेधड़क खरीदी

हर महीने 7500 मीट्रिक का कोटा आबंटित, शहर में 48 हजार राशन कार्ड, मोतीपुर, नंदई, लखोली, चिखली, बल्देवबाग, नई मंडी रोड की दुकानों में बड़ा खेल

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

आप सुबह से लेकर रात तक किसी भी समय शहर की चुनिंदा 6 जगहों पर आसानी से गरीबों के कोटे (पीडीएस) का चावल आसानी से बेच सकते हैं, यह गैर-कानूनी है। लेकिन खादय विभाग ने इसे अघोषित रूप से कानून के दायरे में ला दिया है। यहीं कारण है कि शहर में नंदई चौक, बल्देव बाग, लखोली, मोतीपुर, नई कृषि उपज मंडी के पास और चिखली रोड की दुकानों पर आसानी से सरकारी चावल बेच सकते हैं। इनमें कुछ दुकानें पीडीएस की है, जहां ग्राहक सीधे अपने कोटे के चावल के बदले रुपए ले सकता है तो कुछ किराना या अन्य व्यापार की आड़ लेकर गरीबों से उनका चावल खरीद रहे हैं, सबसे बड़ी बात यह दिनभर खुलेआम चलता है और खादय विभाग आंख मूंद कर बैठा हुआ है। गरीबों को हर महीने बीपीएल कार्ड के माध्यम से 35 किलो चावल औसतन मिलता है। ज्यादातर परिवारों में एक से अधिक राशन कार्ड बने हुए हैं। इसलिए इन चावलों को अवैध तरीके से खरीदने का सिंडिकेट तैयार हो गया है। इनमें हाल ही में सबसे बड़े रूप में नंदई चौक चौक और मोतीपुर दुकान संचालक है, जो धड़ल्ले से चावल की खरीदी कर रहे हैं। हर दिन यहां से चावल की गाड़ियां राइस मिलरों के लिए निकलती है, लेकिन खादय विभाग की कार्यप्रणाली सवालों में है, कोई कार्रवाई इस पर नहीं की जाती, इसके विपरित विभागीय अधिकारी चिन्हांकित शिकायात की बात करते हैं।

शिकायत आती है तो जांच करते हैं

कुछ शिकायत आती है, लेकिन चिन्हांकित कर शिकायत नहीं आती, जिसमें साफ हो कि किस जगह पर सरकारी चावल की खरीदी हो रही है। ऐसा होता है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

-रविंद्र सोनी, जिला खादय अधिकारी

निरीक्षण केवल औपचारिकता, सबकी मिलीभगत

शहर की इन छह जगहों पर पीडीएस चावल लिया जा रहा है, इसके अलावा तकरीबन सभी राशन दुकान संचालक ग्राहकों से उनका चावल सीधे खरीद रहे हैं और अपने एजेंटों को देने का काम कर रहे हैं। मतलब एक से दो रुपए प्रति किलो अपना कमीशन बनाकर एजेंट को चावल दे दिया जाता है, वह खुद राशन दुकान में गाड़ी लगवाकर सरकारी बोरे को बदलकर प्लास्टिक बोरी में भरकर ले जाता है।

पहले काम बंद कराया, फिर बनाया चैनल

दो-तीन महीने पहले राशन दुकानों से चावल लेने का काम बंद कर दिया। इस कारण दुकानदार भी ग्राहकों से चावल नहीं खरीद रहे थे। इसके बाद नंदई चौक और मोतीपुर के व्यापारियों ने नया चैनल बनाया, यह सुनियोजित था, इसके बाद सरकारी कोटे के चावल को 22 रुपए में खरीदने का काम शुरू किया गया, जो पहले 24-25 रुपए किलो तय था। अब स्थिति यह है कि इन दो जगहों व्यापारियों के हिसाब से ही काम ऑपरेट हो रहा है, वह भी खादय विभाग की नाक के नीचे।

खादय विभाग के आंकड़े इस प्रकार

विवरण	आंकड़ा
जिले में राशन दुकान	496
जिले में राशन कार्ड	2 लाख 51 हजार
शहर में राशन कार्ड	48 हजार
हर महीने चावल का कोटा	7500 मीट्रिट टन

तीन महीने कोट की मियाद जुलाई तक बढ़ी

राज्य सरकार ने पूर्व में 30 जून तक हर परिवार को एक साथ आगामी तीन महीने का चावल देने का निर्णय लिया था। अब सरकार ने इस मियाद को बढ़ा दिया है। खादय विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब हितग्राही 31 जुलाई तक अपने कोटे का चावल ले सकता है। बताया गया कि वैसे जून महीने तक राजनांदगांव जिले के 94 प्रतिशत यानी तकरीबन 2 लाख 35 हजार हितग्राहियों ने तीन महीने का चावल पीडीएस दुकानों से ले लिया है। हर माह लगभग 94 प्रतिशत लोग ही राशन का उठाव करते हैं।

डेढ़ साल में भाजपा की सरकार पूरी तरह से फ्लॉप : दीपक बैज

राजनांदगांव दौरे पर आए पीसीसी चीफ का राज्य सरकार पर निशाना

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज राजनांदगांव के दौरे पर रहे। यहां उन्होंने खैरागढ़ और राजनांदगांव के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक सतनाम भवन में ली।

7 जुलाई को कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का रायपुर में कार्यक्रम हैं। वे रायपुर में जवान, किसान और संविधान कार्यक्रम में शामिल होंगे। उसकी तैयारी को लेकर यह मीटिंग ली गई। इस दौरान बैज ने पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार को इन डेढ़ सालों में पूरी तरह से फ्लॉप बताया, उन्होंने कहा कि युवा परेशान है, किसानों को खाद-बीज नहीं मिल पा रहा है और देश का संविधान तो खतरे में हैं ही, सभी मोर्च पर फेल हो चुकी है। उन्होने कहा कि कांग्रेस इस भाजपा सरकार की नाकामियों को जन'-जन तक पहुंचाने का काम करेगी। इस तरीके कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करने का भी काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सात जुलाई को होने वाले कार्यक्रम में राजनांदगांव जिले हजारों की संख्या में कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में पहुंचेंगे।

राजनांदगांव के दो मामलों पर बोले- मोहड़ गोलीकांड के सवाल पर बैज ने कहा कि पुलिस प्रशासन को अल्टीमेटम दिया गया था, उसके बाद कुछ अरेस्ट किए गए हैं। अभी एक आरोपी को पकड़ना शेष है, मामला संज्ञान में है। इसके अलावा शराब की अवैध बिक्री के मामले में बैज ने राजनांदगांव को नकली शराब बनाने का अडडा करार दिया। कांग्रेस लगातार शराब की अवैध बिक्री के मामले की शिकायत कर कार्रवाई की मांग करती आ रही है।

चोरी की रकम बेर पेड़ के नीचे छिपाई, आरोपी अरेस्ट, रुपए भी बरामद

मामला गैंदाटोला थाना क्षेत्र का, एक जुलाई को हुई थी चोरी

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

गैंदाटोला एरिया में चोरी की वारदात हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, चोरी की रकम को आरोपी ने बेर पेड़ के नीचे छिपा दिया था। पूछताछ के बाद रकम को बरामद कर लिया गया है, वहीं आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस मामला में दो दिन पहले ही पुलिस ने अपराध कायम कर लिया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 1 जुलाई को ग्राम गर्रापार में रहने वाला विनोद साहू, अपने साथी छगनलाल साहू और ओमप्रकाश के साथ मालवाहक लेकर खाद लेने गया था। जहां से वापस लौटते समय विनोद अपने साथी ओमप्रकाश के साथ ग्राम गर्रापार में खाद को उतारने के लिए गाड़ी से बाहर आया। तभी मौका पाकर छगनलाल चालक की सीट के नीचे रखे 3 लाख रुपए को लेकर भाग निकला। बस्ती के रास्ते होते हुए छगनलाल बाड़ी में बेर पेड़ के नीचे रकम को गड़ा दिया, उसमें कुछ रुपए छगन ने खर्च भी कर दिया। विनोद ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने टीम ने छगनलाल को पकड़ा और पूछताछ की, जिसके बाद उसने चोरी करना कबूल कर लिया। पुलिस टीम ने रुपए के बारे में पूछताछ की तो आरोपी ने बेर पेड़ के नीचे रकम रखने की बात कही, मौके से पुलिस ने 1 लाख 79 हजार रुपए बरामद किया है। वहीं आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है।

विप्र कॉलेज में आज सिद्धिविनायक स्थापना दिवस महोत्सव

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति संचालित विप्र महाविद्यालय में सिद्धि विनायक स्थापना दिवस महोत्सव एवं विप्र पब्लिक स्कूल का आठवां स्थापना दिवस समारोह 4 जुलाई शुक्रवार को प्रातः 10:15 बजे परम पूज्य 1008 यतिप्रवर दंडी स्वामी इंदुभवानंद तीर्थ जी महाराज के सानिध्य में संपन्न होगा। यह जानकारी देते हुए विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने बताया कि सिद्धिविनायक स्थापना दिवस महोत्सव के अवसर पर मोदक अर्चन, दूब अर्चन एवं हवन-पूजन का कार्यक्रम होगा।

इस अवसर पर विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा सहित समस्त संचालकगण, स्कूल और कॉलेज के प्राध्यापक व विद्यार्थी एवं विप्र समाज के सदस्य उपस्थित रहेंगे।

निसान ने 6 राज्यों में नई निसान मैग्नाइट के लिए सीएनजी रेट्रोफिटमेंट के दूसरे चरण की शुरुआत की

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

निसान मोटर इंडिया ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी नई निसान मैग्नाइट के लिए सीएनटी रेटोफिटमेंट किट उपलब्ध कराने के दूसरे चरण की शुरुआत का एलान किया। इको फ्रेंडली सीएनजी का विकल्प अब राजस्थान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में निसान की अधिकृत डीलरशिप पर उपलब्ध होगा। पहले चरण में सीएनजी रेट्रोफिटमेंट विकल्प को 7 राज्यों दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और कर्नाटक में उपलब्ध कराया गया था। दूसरे चरण की लॉन्चिंग के साथ अब सीएनजी रेट्रोफिट वैरिएंट देश के 13 राज्यों में उपलब्ध है। कंपनी इसके तीसरे चरण की तैयारी भी कर रही है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा नई निसान मैग्नाइट भारत में हमारे विकास को गति देने में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और हम ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप इसकी प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के दूसरे चरण की शुरुआत स्वच्छ परिवहन की बढ़ती मांग और मैग्नाइट की खूबी से समझौता किए बिना ग्राहकों को भरोसेमंद एवं उच्च गुणवत्ता वाले विकल्प प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। सरकार द्वारा प्रमाणित किट, अधिकृत फिटमेंट और व्यापक डीलर नेटवर्क के साथ इस पहल से मैग्नाइट का वैल्यू प्रपोजिशन बेहतर होगा, साथ ही सुगम एवं पर्यावरण के अनुकूल समाधान को लेकर हमारे फोकस को भी मजबूती मिलेगी। इस किफायती और पर्यावरण के अनुकूल मोबिलिटी सॉल्यूशन को लेकर ग्राहकों की मजबूत मांग को देखते हुए दूसरा चरण शुरू किया गया है।

रेट्रो फिटमेंट किट को सरकार द्वारा प्रमाणित थर्ड पार्टी वेंडर मोटोजेन ने डेवलप, मैन्यूफैक्चर और क्वालिटी एश्योर किया है। इसका इंस्टॉलेशन स्थानीय नियमों एवं सुरक्षा मानकों के अनुपालन वाली होमोलोगेटेड किट का प्रयोग करते हुए सरकार द्वारा अधिकृत फिटमेंट सेंटर पर किया जाएगा। मोटोजेन इस किट कंपोनेंट पर 3 साल या 1 लाख किलोमीटर की वारंटी दे रही है।

सर्पदंश पर मुकुटमनी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ उपचार

एंटी स्नेक वेनम की सभी स्वास्थ्य केंद्रों में है पर्याप्त उपलब्धता

पायनियर संवाददाता < जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

जशपुर जिला अपने नाग लोक के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां सांपों की बहुत सी प्रजातियां पाई जाती है। ऐसे में मानव का सर्प से अक्सर सामना हो जाता है। ऐसे में लोगों की जीवन रक्षा हेतु मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में एंटी वैनम दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता के निर्देश दिए गए हैं। जिसके अनुसार कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में जिले के सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी वैनम दवाइयां उपलब्ध कराई गई है। जिससे लोगों को आपात स्थितियों में सहायता प्राप्त हो रही है। ऐसे ही आपात स्थिति कुनकुरी विकासखण्ड के ग्राम कोटिया राजौटी पारा निवासी 51 वर्षीय मुकुटमनी कुजूर को हुई जब रात्रि विश्राम करते हुए 10: 30 बजे करेत सांप ने दाहिने पैर के टखने में दंश कर दिया। उन्होंने पूरे परिवार को इसकी सूचना दी और भारी बारिश के कारण आस पास से गाड़ी की व्यवस्था की और कुनकुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाने को निकले और इसकी सूचना हेल्प लाइन नम्बर पर दी गयी। जहां बीएमओ डॉ. किरंती कुजूर द्वारा लगातार पीड़ित से संपर्क बनाकर रखते हुए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों द्वारा पीड़ित की जांच की गई, जहां मरीज को पैर में सुन्नपन, घबराहट की जानकारी दीप् जांच में मरीज के शरीर में सर्प के काटने का निशान दाहिने पैर के टखने में स्पष्ट दिखाई दे रहा था। जिस पर खण्ड चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में डॉ. भोजमनिया द्वारा एंटीस्नेक वैनम द्वारा उपचार चालू किया गयाप् जिस पर अब पीड़ित मुकुटमनी की स्थिति अब सामान्य महसूस हो रही है। इससे पूर्व भी कुदमुरा में भी एक छोटे से बालक को सर्पदंश हुआ था जिसका रनपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सफल उपचार किया गया था।

स्वास्थ्य विभाग ने की सर्पदंश से बचाव, सतर्कता एवं जागरूकता हेतु अपील-स्वास्थ्य विभाग ने बरसात के मौसम में सर्पदंश से बचाव और सर्पदंश की स्थिति में क्या करना है, क्या नहीं करना है इस बारे में जानकारी देते हुए आमजन को सतर्क और जागरूक रहने की अपील की है। सर्पदंश से बचाव के लिए विभाग ने कुछ सावधानियां अपनाने को कहा है। जिसमें खिड़की के पास मौजूद पेड़ की शाखाएं और लताओं की कटाई करवाने, रात में घर से बाहर निकलते समय हमेशा जुता पहनने और टॉर्च लेकर चलने, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करने और जमीन पर ना सोते हुए पलंग एवं खाट पर घर पर सोने, आंगन और धान्यागार में मौजूद चूहों के बिल, छेद आदि को बंद करने, मवेशी और मुर्गीशालाओं को सोने की जगह से दूर रखने, गोबर और सुखी लकड़ियों के ढेर को घर से दूर रखने के लिए सलाह दी गयी है।

श्री बालाजी मेडिकल फाउंडेशन एवं सरपंच पप्पू चेलक के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

श्री बालाजी मेडिकल फाउंडेशन एवं सरपंच पप्पू चेलक के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर गुरुवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक ग्राम पंचायत भवन, धनसुली रायपुर में आयोजित किया गया। जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से अपनी स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं पर चर्चा कर परामर्श प्राप्त किया। जिसमें नेत्र रोग विभाग की डॉ. हराप्रिया साहू, जनरल मेडिसिन विभाग से डॉ धनेन्द्र साहू, दंत रोग विभाग से डॉ. खुशबू सिंह, नर्सिंग स्टाफ मोनिका सिंह, हितेश्वरी कश्यप, अस्पताल जन संपर्क विभाग से विरेन्द्र खुटेल, सुनील वर्मा, सुनील साहू एवं सरपंच पप्पू चेलक, ग्राम सचिव लता सोनवानी तथा ग्रामवासी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। शिविर में निः शुल्क बी.पी, ब्लड शुगर, नेत्र रोग, दंत रोग, जनरल मेडिसिन के मरीजों का जांच व उपचार कर परामर्श प्रदान किया गया। तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल में संचालित निःशुल्क योजनाएं जिसमें निः शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन, निः शुल्क डिलीवरी (नॉर्मल व सिजेरियन), बाल्य एवं शिशु रोग विभाग में निःशुल्क ओपीडी, निःशुल्क प्राथमिक टीकाकरण एवं वैकल्पिक टीके 25 प्रतिशत छूट पर, अन्य जांचों पर 50 प्रतिशत की छूट के बारे में जानकारी प्रदान किया गया।

वनांचल के स्कूली बच्चों के अधिकारों से खिलवाड़

भवन स्वीकृति के 9 साल बाद भी निर्माण अधूरा

पायनियर संवाददाता < कवर्धा
www.dailypioneer.com

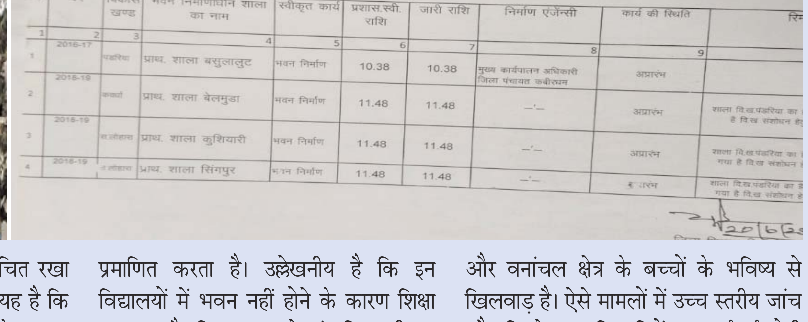

स्कूल शिक्षा विभाग अन्तर्गत स्वीकृत /प्राथमिक / पूर्व माध्यमिक शाला भवन निर्माण के निर्माणाधीन की जानकारी

क्र0	वर्ष	विकास खण्ड	भवन निर्माणाधीन शाला का नाम						
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	2016-17	पंडरिया	प्राथ. शाला बसुलालुट	भवन निर्माण	10.38	10.38	मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम	अप्रारंभ	
2	2018-19	कवर्धा	प्राथ. शाला बेलमुडा	भवन निर्माण	11.48	11.48	—"—	अप्रारंभ	शाला वि.ख.पंडरिया का [illegible] है वि.ख संशोधन [illegible]
3	2018-19	स.लोहारा	प्राथ. शाला कुशियारी	भवन निर्माण	11.48	11.48	—"—	अप्रारंभ	शाला वि.ख.पंडरिया का [illegible] गया है वि.ख संशोधन [illegible]
4	2018-19	स.लोहारा	प्राथ. शाला सिंगपुर	भवन निर्माण	11.48	11.48	—"—	अप्रारंभ	शाला वि.ख.पंडरिया का [illegible] गया है वि.ख संशोधन [illegible]

पंडरिया विधानसभा में जिला शिक्षा विभाग की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय भवनों की स्वीकृति के सालों बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। वर्ष 2016-17 और 2018-19 में चार स्कूल भवनों के लिए प्रशासनिक स्वीकृति और पूरी राशि जारी की गई, लेकिन 2025 तक स्थिति अप्रारंभ ही बनी हुई है। यह सीधे-सीधे जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता और निर्माण एजेंसियों की गैरजवाबदेही को दर्शाता है।

प्राप्त दस्तावेज के अनुसार-वर्ष 2016-17 में प्राथमिक शाला बसूला लुट के भवन निर्माण के लिए 10.38 लाख की राशि स्वीकृत कर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत को निर्माण एजेंसी के रूप में दायित्व सौंपा गया। वहीं 2018-19 में प्राथमिक शाला बेलमुड़ा, कुशीयारी और सिंगपुर के लिए भी 11.48 लाख रुपये प्रति स्कूल की राशि स्वीकृत कर जारी की गई। लेकिन विडंबना यह है कि अब तक इन चारों भवनों का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। बेलमुड़ा को छोड़कर शेष तीन विद्यालय वनांचल क्षेत्र में स्थित हैं। इससे साफ संकेत मिलता है कि आदिवासी अंचल के बच्चों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। बड़ी चौंकाने वाली बात यह है कि विकासखंड के नाम में त्रुटि होने के कारण कार्य को 'अप्रारंभ' बताया गया है। यह दर्शाता है कि जिला शिक्षा विभाग को अपने ही क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी नहीं है। वर्षों बीतने के बावजूद अधिकारियों द्वारा आदेश में संशोधन नहीं कराया जाना विभागीय उदासीनता को प्रमाणित करता है। उल्लेखनीय है कि इन विद्यालयों में भवन नहीं होने के कारण शिक्षा व्यवस्था वैकल्पिक रूप से संचालित की जा रही है, जिससे न केवल बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है बल्कि यह उनके संवैधानिक अधिकारों का भी उल्लंघन है।

जानकार लोगों का कहना है कि यह मामला सिर्फ प्रशासनिक गलती नहीं बल्कि ग्रामीण और वनांचल क्षेत्र के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ है। ऐसे मामलों में उच्च स्तरीय जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। स्कूल भवन निर्माण में वर्षों की देरी, वनांचल के बच्चों के साथ हो रहा अन्याय, विकास की खोखली तस्वीर और सरकारी मशीनरी की संवेदनहीनता का एक जीवंत उदाहरण बन गया है।

पुलिस ने दी दबिश, 18 दुकानदारों पर कोटपा एक्ट की कार्रवाई

सीएसपी के नेतृत्व में बनी टीम, जुर्माना भी लगाया गया

राजनांदगांव। जिले के पान ठेलों में प्रतिबंधित गुटखों की बिक्री की शिकायतों के बीच सीएसपी पुष्पेंद्र नायक के द्वारा टीम गठित की गई। इसके बाद बसंतपुर, लालबाग, घुमका थाना और चिचोला चौकी एरिया की दुकानों पर दबिश दी गई, वहां जांच की गई कि जो बैन गुटखा है उनका विक्रय तो नहीं किया जा रहा है। इस पर पुलिस टीम ने 18 दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए 3600 रुपए का चालान भी काटा। इसके अलावा उन पर कोटपा एक?ट के तहत भी कार्रवाई की गई। काफी समय से पान ठेलों और किराना दुकानों में बैन पान मसाला-गुटखा विक्रय की खबरें आ रही थी। उसे लेकर ही यह कार्रवाई की गई। इसके अलावा कई बड़े व्यापारियों ने भी बैन पान मसाला का स्टॉक कर रखा हुआ है, उन पर भी नकेल कसने की जरूरत है। ऐसे बड़े व्यापारी ही छोटे दुकानों के पास सप्लाई का काम कर रहे हैं। हाल ही में संयुक्त टीम ने सोमनी इलाके में गुटखा फैक्ट्री में दबिश देकर कार्रवाई की थी, वहां कारखाना को सील भी कर दिया गया है। उसकी जांच भी चल रही है।

छत्तीसगढ़
गढ़ रहा उद्योगों की स्थापना के नए अवसर

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

"अब उद्यमी बनने की राह हुई आसान"

सिंगल विंडो सिस्टम 2.0

- **पोर्टल के माध्यम** से 16 से अधिक विभागों की 100 से अधिक सुविधा
- **उद्योगों की स्थापना** में सहयोग, युवाओं को रोजगार के मौके
- **ऑफलाइन मोड में** किसी भी कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं
- पोर्टल पर एक बार आवेदन से ही सभी विभागों का **क्लीयरेंस**
- **ई-चालान** के माध्यम से पेमेंट की सुविधा
- **सिंगल क्लिक पर** देखी जा सकती है आवेदन की स्थिति

Samvad-44435/1

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403